E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -11 अंक -123 प्रयागराज, बुधवार 23 जुलाई, 2025 पृष्ठ- 8 मूल्य : 3.00 रूपये

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इस्तीफा दिया,स्वास्थ्य को वजह बताया,संसद सत्र के बीच इस्तीफा देने वाले पहले उपराष्ट्रपति

नयी दिल्ली। देश के 14वें उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई की रात अपने पद इस्तीफा दिया। उन्होंने स्वास्थ्य कारणों को इसकी वजह बताया। 74 साल के धनखड़ का कार्यकाल 10 अगस्त 2027 तक का था। उन्होंने 10 जुलाई को एक कार्यक्रम में कहा था, 'ईश्वर की कृपा रही तो अगस्त, 2027 में रिटायर हो जाऊंगा।' धनखड़ ने अनुच्छेद 67(ए) के तहत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को त्यागपत्र सौंपा। लिखा- स्वास्थ्य की प्राथमिकता और डॉक्टरी सलाह का पालन करते हुए मैं भारत के उपराष्ट्रपति पद से तत्काल प्रभाव से त्यागपत्र दे रहा हूं। उन्होंने पत्र में राष्ट्रपति को उनके सहयोग और सौहार्दपूर्ण संबंधों के लिए धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री और मंत्रिमंडल को भी सहयोग के लिए आभार जताया। हालांकि, राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद ही उनका इस्तीफा प्रभावी होगा। 11 अगस्त 2022 को धनखड़ ने उपराष्ट्रपति पद की शपथ ली थी। उपराष्ट्रपति चुनाव में उन्होंने विपक्ष की उम्मीदवार मार्गरेट अल्वा को हराया था। धनखड़ को कुल 725 में से 528 वोट मिले थे, जबकि अल्वा को 182 वोट मिले थे। इस समय संसद का मानसून सत्र चल रहा है। उपराष्ट्रपति राज्यसभा के सभापति होते हैं। सत्र के बीच में पद से इस्तीफा देने वाले धनखड़ देश के पहले उपराष्ट्रपति हैं। साथ ही कार्यकाल के बीच में इस्तीफा देने वाले तीसरे उपराष्ट्रपति भी हैं। त्याग पत्र में धनखड़ ने क्या लिखा- 'माननीय राष्ट्रपति जी .. सेहत को प्राथमिकता देने और डॉक्टर की सलाह को मानने के लिए मैं संविधान के अनुच्छेद 67(a) के अनुसार अपने पद से इस्तीफा देता हूं। मैं भारत के राष्ट्रपति में गहरी कृतज्ञता प्रकट करता हूं। आपका समर्थन अडिग रहा, जिनके साथ मेरा कार्यकाल शांतिपूर्ण और बेहतरीन रहा। मैं माननीय प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद के प्रति भी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। प्रधानमंत्री का सहयोग और समर्थन अमूल्य रहा है और मैंने अपने कार्यकाल के दौरान उनसे बहुत कुछ सीखा है। माननीय सांसदों से मुझे जो स्नेह, विश्वास और अपनापन मिला है, वह मेरी स्मृति में हमेशा रहेगा। मैं इस बात के लिए आभारी हूं कि मुझे इस महान लोकतंत्र में उपराष्ट्रपति के रूप में जो अनुभव और ज्ञान मिला, वह अत्यंत मूल्यवान रहा। यह मेरे लिए सौभाग्य और संतोष की बात रही है कि मैंने भारत की अभूतपूर्व आर्थिक प्रगति और इस परिवर्तनकारी युग में उसके तेज विकास को देखा और उसमें भागीदारी की। हमारे राष्ट्र के इतिहास के इस महत्वपूर्ण दौर में सेवा करना मेरे लिए सच्चे सम्मान की बात रही। आज जब मैं इस सम्माननीय पद को छोड़ रहा हूं, मेरे दिल में भारत की उपलब्धियों और शानदार भविष्य के लिए गर्व और अटूट विश्वास है। गहरी श्रद्धा और आभार के साथ, जगदीप धनखड़' धनखड़ के इस्तीफे के बाद उनके उत्तराधिकारी की अटकलें भी शुरू हो गई हैं। ऐसे में बिहार से व्ळळ सांसद हरिवंश भी संभावित उम्मीदवारों में देखे जा रहे हैं। वे 2020 से राज्यसभा के उपसभापति पद पर आसीन हैं। हालांकि, उनका कार्यकाल भी इसी महीने खत्म हो रहा है। उपराष्ट्रपति का इस्तीफा स्वीकार हुआ तो नया उपराष्ट्रपति चुने जाने तक राज्यसभा के उपसभापति ही सभापति (अनुच्छेद 91 के तहत) होंगे, लेकिन उन्हें उपराष्ट्रपति का पदभार नहीं मिलेगा। क्योंकि संविधान में कार्यवाहक उपराष्ट्रपति का प्रावधान नहीं है। राष्ट्रपति की अनुपस्थिति में उनका पदभार उपराष्ट्रपति को मिलता है। यदि उपराष्ट्रपति का पद खाली है और राष्ट्रपति भी अनुपस्थित हैं यानी देश से बाहर हैं तो ऐसे में राष्ट्रपति का पदभार सीजेआई को दिया जाता है। पद खाली होने पर उपराष्ट्रपति कितने दिन में चुना जाए, इसकी समय-सीमा तय नहीं।25 जून को उत्तराखंड में एक कार्यक्रम के बाद जगदीप धनखड़ की अचानक तबीयत बिगड़ गई थी। उन्हें तुरंत नैनीताल राजभवन ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उनका चेकअप किया। धनखड़ नैनीताल में कुमाऊं यूनिवर्सिटी के गोल्डन जुबली समारोह में बतौर चीफ गेस्ट पहुंचे थे। कार्यक्रम खत्म होने के बाद धनखड़ पूर्व सांसद महेंद्र सिंह पाल के कंधे पर हाथ रखकर बाहर निकले। फिर महेंद्र पाल से गले लगकर रोने लगे। करीब 10 कदम चलने पर धनखड़ के सीने में अचानक दर्द उठा। पूर्व सांसद महेंद्र पाल और सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें संभाला था। इससे पहले जगदीप धनखड़ को 9 मार्च 2025 को अचानक सीने में दर्द की शिकायत पर एम्स दिल्ली में भर्ती कराया गया था। 12 मार्च 2025 को उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया था।जगदीश धनखड़ के उपराष्ट्रपति पद से अचानक इस्तीफा देने पर विपक्ष सवाल कर रहा है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पोस्ट में कहा- इस अप्रत्याशित इस्तीफे में जो दिख रहा है, उससे कहीं ज्यादा है। पीएम मोदी धनखड़ को मन बदलने के लिए मनाएं। यह राष्ट्रहित में होगा। खासतौर पर कृषक समुदाय को बहुत राहत मिलेगी। शिवसेना (यूबीटी) नेता आनंद दुबे ने कहा- स्वास्थ्य कारणों से उपराष्ट्रपति के इस्तीफे की खबर चिंताजनक है। हम उनकी कुशलता की कामना करते हैं। मानसून सत्र का पहला दिन था और उसी दिन उनका इस्तीफा हैरान करने वाला है। इस सरकार में क्या चल रहा है? स्वास्थ्य चिंता का विषय होता तो इस्तीफा सत्र से कुछ दिन पहले या बाद में भी दिया जा सकता था

बांग्लादेश प्लेन क्रैश- पायलट की आखिरी कोशिश,विमान को आबादी से दूर ले जाना चाहता था,लेकिन नाकाम रहा; मौत का आंकड़ा 27 हुआ

ढाका। बांग्लादेश में ढाका के माइलस्टोन स्कूल एवं कॉलेज परिसर पर सोमवार को वायुसेना का ट्रेनर विमान एफ-7बीजीआई गिरने से 27 लोगों की मौत हो गई। हादसा दोपहर करीब 1 बजे हुआ।बांग्लादेशी सेना ने कहा- दुर्घटना तकनीकी खराबी के कारण हुई। पायलट ने विमान को आबादी से दूर ले जाने की कोशिश की, लेकिन यह स्कूल से टकरा गया। वायु सेना ने हाई-लेवल जांच शुरू कर दी है।हादसे में मरने वालों में 25 छात्र, 1 शिक्षक और पायलट शामिल हैं। 171 से ज्यादा लोग घायल हैं। इनमें से 78 से ज्यादा गंभीर घायलों का इलाज जारी है।मंगलवार को सुबह 8 बजे नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बर्न एंड प्लास्टिक सर्जरी के विशेष सहायक डॉ. सईदुर रहमान ने कहा कि अब तक 20 शव परिवारों को सौंप दिए गए हैं। घटना के कारण सरकार ने एक दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है। हादसे के समय स्कूल में क्लासेस चल रही थीं और सैकड़ों छात्र वहां मौजूद थे।इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने पुष्टि की है कि विमान के पायलट फ्लाइट लेफ्टिनेंट मोहम्मद तौकीर इस्लाम की हादसे में मौत हो गई है। हादसे के बाद कई लोग अस्पताल के बाहर ब्लड डोनेट करने के लिए पहुंचे हैं। इन्हीं लोगों में शामिल एक महिला ने कहा-ब्लड डोनेट करने के लिए लाइन में खड़े दूसरे लोगों ने कहा कि-'यहां छोटे बच्चे हैं। ये हमारे रिश्तेदार हो सकते थे, हमारे बच्चे हो सकते थे। इसलिए हम खून देने आए हैं।' हादसे के वक्त पास की इमारत में मौजूद छात्रों ने बताया कि प्लेन उनकी बिल्डिंग से टकराया और अगली बिल्डिंग के गेट के पास गिर गया। इससे तुरंत ही वहां आग लग गई। माइलस्टोन स्कूल की आठवीं कक्षा में पढ़ने वाले दो चचेरे भाई हादसे के वक्त स्कूल के पास मौजूद थे। दोनों के माता-पिता फोन पर बात करते हुए बार-बार रो पड़ रहे थे। दूसरी तरफ फायर सर्विस ने बताया है कि यह घटना दोपहर 1:18 बजे हुई और उनके यूनिट 1:22 बजे मौके पर पहुंचे। राहत और बचाव कार्य में उत्तरा, टोंगी, पल्लबी, कूर्मिटोला, मीरपुर और पूर्वांचल के आठ फायर स्टेशन की 8 टीमें लगीं। यूनुस सहित दुनिया के नेताओं ने दुख जताया। अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने इस घटना पर दुख जताया है। उन्होंने एक फेसबुक पोस्ट में लिखा -' इस विमान हादसे में वायुसेना के सदस्य,माइलस्टोन स्कूल एंड कॉलेज के छात्र, अभिभावक, शिक्षक और कर्मचारी सहित जिन लोगों को नुकसान हुआ है, वह अपूरणीय है। यह देश के लिए एक बेहद दुखद क्षण है। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।' कई देशों ने इस घटना पर शोक जताया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत जानमाल के नुकसान से गहरा स्तब्ध और दुखी है। उन्होंने हर संभव सहायता और देने का आश्वासन दिया। अमेरिकी विदेश विभाग ने भी कहा कि वह इस दुर्घटना से बहुत दुखी है। विदेश विभाग के दक्षिण एवं मध्य एशियाई मामलों के ब्यूरो से जारी बयान में कहा गया- बांग्लादेश वायु सेना के प्लेन क्रैश से हमें गहरा दुख हुआ है। हमारी संवेदनाएं उन घायलों और उन परिवारों के साथ हैं जिन्होंने इस कठिन समय में अपने प्रियजन को खो दिए हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्री और डिप्टी पीएम इशाक डार ने भी हादसे पर दुख जताया।एफ-7बीजीआई बांग्लादेश एयरफोर्स का मल्टीरोल फाइटर जेट है। यह चीन के चेंगदू जे -7 फाइटर का एडवांस वर्जन है, जिसे सोवियत यूनियन के एमआईजी-21 की तर्ज पर बनाया गया था। बीएएफ ने 2011 से 2013 के बीच यह फाइटर खरीदा था। इसे थंडरकैट स्क्वाड्रन में शामिल किया गया था। यह फाइटर एयर डिफेंस, ग्राउंड अटैक और समुद्री इलाकों में हमले जैसी कई भूमिकाओं में काम आता है।इस फाइटर जेट में 2 तोपों के साथ 7 हथियार लगाने वाले पॉइंट हैं। इन पर 3 हजार किलोग्राम तक की मिसाइलें और बम लगाए जा सकते हैं। यह पीएल-5 और पीएल-9 मिसाइल, लेजर गाइडेड बम और सी -704 एंटी-शिप मिसाइल से लैस हो सकता है।सोमवार की जेट दुर्घटना 1984 के बाद बांग्लादेश में हुई सबसे घातक दुर्घटना थी। 1984 में, चटगांव से ढाका के लिए उड़ान भरने वाला एक यात्री जेट विमान तूफान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें सवार सभी 49 लोग मारे गए थे।

करणी सेना भी इकरा हसन के समर्थन में उतरी, अध्यक्ष बोले- योगेंद्र राणा असली 'राजपूत' नहीं, जेल में डालो

मेरठ। कैराना सीट से समाजवादी पार्टी सांसद इकरा हसन को लेकर सोशल मीडिया पर की गई अभद्र टिप्पणी के बाद अब मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इस मामले में करणी सेना संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज सिंह चौहान खुलकर सांसद इकरा हसन के पक्ष में आ गए हैं। उन्होंने दो टूक कहा कि योगेंद्र सिंह राणा का करणी सेना से कोई संबंध नहीं है और वह सिर्फ संगठन का नाम लेकर समाज में तनाव फैलाना चाहता है। नीरज सिंह ने साफ कहा कि योगेंद्र राणा करणी सेना का कोई पदाधिकारी नहीं है। यहां तक कि वह राजपूत समाज से भी है या नहीं, इसकी पुष्टि नहीं है। उन्होंने कहा- 'जो व्यक्ति किसी महिला का अपमान करता है, वह राजपूत समाज का प्रतिनिधि हो ही नहीं सकता। वो भी महिला सांसद है। राणा ने महिला का अपमान किया है, उसे जेल भेजा जाना चाहिए।' राष्ट्रीय करणी सेना

संघ अध्यक्ष ने बताया कि राजपूत समाज ने हमेशा नारी सम्मान को प्राथमिकता दी है। 'हमने कभी महिलाओं के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग नहीं किया। इकरा हसन को भी संसद में पहुंचाने में राजपूत समाज की महत्वपूर्ण भूमिका रही है,' उन्होंने कहा। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि राणा का बयान केवल माहौल बिगाड़ने की साजिश है, खासकर जब चुनाव नज़दीक हैं। नीरज सिंह ने बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती का उदाहरण देते हुए कहा,'उन्होंने कई बार राजपूतों के खिलाफ फैसले लिए, फिर भी हमने कभी उनके खिलाफ अमर्यादित भाषा का प्रयोग नहीं किया।' उन्होंने बताया कि उन्होंने इस मामले को गंभीरता से लिया है और मुरादाबाद के एडीजी और एसएसपी को मेल द्वारा शिकायत भी भेज दी है। मेल में राणा की सोशल मीडिया प्रोफाइल और आईडी की जांच की मांग की गई है। अध्यक्ष ने दोहराया कि करणी सेना महिला सम्मान की पक्षधर है और इकरा हसन का समर्थन करती है। उन्होंने कहा, 'हम इकरा हसन के साथ हैं। राणा ने जो टिप्पणी की, वह न केवल राजपूत समाज बल्कि संपूर्ण भारतीय समाज का अपमान है। आपको बता दें कि शनिवार को योगेंद्र सिंह राणा ने एक वीडियो जारी करते हुए कहा था कि वह इकरा हसन से निकाह करना चाहते हैं और इसके लिए उन्होंने अपनी पत्नी से भी अनुमति ले ली है।

जम्मू-कश्मीर और हिमाचल में लैंडस्लाइड, 5 मौतें,एमपी के कान्हा टाइगर रिजर्व में बाघ बाढ़ में बहा,उत्तराखंड-महाराष्ट्र समेत 5 राज्यों में बारिश का अलर्ट

नयी दिल्ली। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में सोमवार को बारिश और लैंडस्लाइड से 5 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 5 साल का एक बच्चा भी है। लैंडस्लाइड की अलग-अलग घटनाओं में कई लोग घायल भी हुए हैं। जम्मू के रियासी में वैष्णो देवी मंदिर जाने वाले रास्ते पर भूस्खलन में 70 साल के तीर्थयात्री की मौत हो गई, 9 घायल हो गए। वहीं, हिमाचल के चंबा में घर के ऊपर चट्टान गिरने से नवविवाहित जोड़े की मौत हो गई। राज्य की 401 सड़कें बंद हैं। इधर, मध्य प्रदेश के मंडला जिले में कान्हा टाइगर रिजर्व में एक बाघ बाढ़ में बह गया। बंजर नदी में बहते हुए बाघ को देखा गया। जबलपुर समेत प्रदेश के 12 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, गोवा और तेलंगाना में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। बिहार के 27 और राजस्थान के 4 जिलों में तेज बारिश हो सकती है। बंगाल की खाड़ी के उत्तरी हिस्से में 24 जुलाई के आसपास एक नया कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है, जिससे आने वाले दिनों में देश के कई राज्यों में फिर से तेज बारिश होने की संभावना है।जम्मू-कश्मीर में पुंछ जिले के कलाई इलाके में लैंडस्लाइड के कारण जम्मू-राजौरी-पुंछ नेशनल हाईवे बंद हो गया है।महाराष्ट्र के हिंगोली की सेनेगांव तहसील के बनबरदा इलाके में सोमवार देर रात बादल फटने से पास की एक नदी में अचानक बाढ़ आ गई। बाढ़ का पानी स्थानीय महादेव मंदिर में तक घुस गया, जहां तीन लोग फंस गए।जम्मू-कश्मीर के राजौरी में लगातार बारिश के बाद धरहाली और सकतोह नदियों का जलस्तर बढ़ने से बाढ़ जैसे हालात बने हैं। डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन ने आज जिले के सभी सरकारी-प्राइवेट स्कूलों को बंद करने का आदेश जारी किया है।यूपी में आज 15 जिलों में बारिश का अलर्ट है। वहीं लगातार बारिश से प्रदेश की नदियां और डैम उफान पर हैं। बुंदेलखंड के 23 बांध ओवरफ्लो हो गए हैं। सावन में 15 साल बाद ऐसा हुआ है। सहारनपुर में गागरा नदी में अचानक बाढ़ आ गई, जिससे दिल्ली-यमुनोत्री हाईवे डूब गया।पंजाब के 6 जिलों में आज तेज बारिश होने का अनुमान है। अन्य जिलों में मौसम सामान्य बना रहेगा। मौसम विज्ञान केंद्र की तरफ से पंजाब में 24 जुलाई तक यलो अलर्ट जारी किया गया है।हिमाचल प्रदेश में हो रही बारिश का असर अब पंजाब के डैमों पर भी दिख रहा है। सोमवार को पंडोह डैम के 5 गेट खोले गए। हिमाचल प्रदेश में सोमवार को लगातार 12 घंटे तेज बारिश हुई। चंबा में घर पर पत्थर गिरने से नवविवाहित दंपती की मौत हो गई। बारिश के कारण प्रदेशभर में 3 नेशनल हाईवे समेत 466 सड़कें बंद हो गई हैं। चंडीगढ़-मनाली फोरलेन मंडी के दवाड़ा के पास लैंडस्लाइड होने से बंद है।मौसम विज्ञान केंद्र चंडीगढ़ ने आज भी हरियाणा में बारिश का अलर्ट जारी किया है। पंचकूला, यमुनानगर, अंबाला, कुरुक्षेत्र और करनाल में यलो अलर्ट है। वहीं कैथल, जींद, सोनीपत, रोहतक, झज्जर, गुरुग्राम, रेवाड़ी, फरीदाबाद, चरखी दादरी, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, नूंह, पलवल और सिरसा में भी हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।मौसम विभाग ने मंगलवार को पटना, दरभंगा सहित राज्य के 27 जिलों के लिए बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में 40किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी। बिजली गिरने की भी चेतावनी जारी की गई है। मध्य प्रदेश में 4 दिन से थमा तेज बारिश का दौर मंगलवार से फिर शुरू होगा। मौसम विभाग ने जबलपुर समेत 12 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। यहां अगले 24 घंटे में साढ़े 4 इंच बारिश हो सकती है। इससे पहले सोमवार को इंदौर समेत कई जिलों में बारिश हुई। इंदौर में तो सड़कों पर पानी भर गया।राजधानी दिल्ली के कई इलाकों में मंगलवार सुबह से ही तेज बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने आज दिल्ली में बारिश का अलर्ट जारी किया है।हिमाचल प्रदेश के चंबा में सोमवार से ही तेज बारिश हो रही है। इसके चलते कई नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। चंबा प्रशासन ने लोगों से नदियों-नालों से दूर रहने की अपील की है।

प्रयागराज में सेल्समैन ने मौत को लगाया गले,कपड़े की दुकान में करता था काम, नशे में घर लौटा, सुबह फंदे पर लटकता मिला

प्रयागराज। करेली थाना क्षेत्र के सदियापुर में एक कपड़े की दुकान

में काम करने वाले युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। मृतक की पहचान विनोद कुमार (52) के रूप में हुई। वह मोहम्मद अली पार्क स्थित एक कपड़े की दुकान में काम करते थे। परिजनों ने बताया कि विनोद रविवार रात को नशे की हालत में घर लौटे। उन्होंने अपने कमरे में खुद को बंद कर लिया। रात को छोटे बेटे अर्चित ने खाना देने की कोशिश की। विनोद ने खाना लेने से मना कर दिया। सोमवार सुबह छोटे भाई रवि ने उन्हें छत के चुल्ले से गमछे के फंदे पर लटका हुआ पाया। परिवार ने तुरंत उन्हें नीचे उतारा, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। विनोद की पत्नी का पहले ही निधन हो चुका था। उनके दो बेटे हैं। बड़ा बेटा चिराग हैदराबाद में नौकरी करता है। छोटा बेटा अर्चित प्रयागराज में रहता है। विनोद तीन भाइयों में सबसे बड़े थे। सभी एक ही मकान में रहते हैं। पुलिस जांच में विनोद के कमरे से शराब की बोतल मिली है। परिवार का मानना है कि उन्होंने घर आने के बाद भी शराब पी। करेली पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। आत्महत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है।

उतराव में डॉक्टर ने अधूरी सड़क पर उठाया सवाल,सोशल मीडिया पर पोस्ट डाली, प्रधान के चाचा ने दी जान से मारने की धमकी

प्रयागराज। उतराव थाना क्षेत्र में एक डॉक्टर को सोशल मीडिया पर विकास कार्य का

मुद्दा उठाना भारी पड़ गया। भूपत पूर गांव के निवासी डॉक्टर इरफान अहमद ने गांव में अधूरी सड़क का निर्माण कार्य सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधान ने अधूरे काम का पूरा भुगतान करवा लिया है। इस पोस्ट के बाद प्रधान के चाचा ने सोशल मीडिया पर डॉक्टर को अमर्यादित भाषा में गालियां दीं और जान से मारने की धमकी दी। डॉक्टर इरफान एक निजी अस्पताल में कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक मंच पर उनकी बेइज्जती की गई है, जो पूरी तरह गलत है। डॉक्टर ने थाना अध्यक्ष उतराव को लिखित शिकायत दी है। उन्होंने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। साथ ही यह भी कहा है कि आरोपी को सोशल मीडिया पर सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। इस संबंध में थाना अध्यक्ष उतराव पंकज कुमार त्रिपाठी ने बताया कि डॉक्टर द्वारा लिखित रूप से नामजद तहरीर दी गई है। जिसमें जांच की जा रही है जांच में सत्यता पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी।

अब घटने लगा गंगा और यमुना का जलस्तर

प्रयागराज। पिछले 2 दिनों से अब गंगा और यमुना का जलस्तर घटने लगा है। यही कारण है कि पिछले 24 घंटे की बात की जाए तो दोनों नदियों के जलस्तर में करीब एक मीटर की कमी दर्ज की गई है। अभी गंगा का जलस्तर छतनाग में 82.35 है जबकि यमुना का जलस्तर 82.86 मीटर पर रिकार्ड किया गया है। हालांकि अभी बाढ़ का खतरा कम नहीं हुआ है। प्रयागराज में कुल 26 राहत शिविर तो बनाए गए हैं लेकिन महज 2 ही क्रियाशील किए गए हैं क्योंकि अभी तक करीब 95 लोग शिविरों में पहुंचे हैं। ऐनी बेसेंट स्कूल, ऐलनगंज और कैंट मैरेज हॉल, न्यू कैंट के राहत शिविर में लोग ठहरे हुए हैं।सदर में मोहल्ले जो बाढ़ से प्रभावित हैं जिसमें कछार मऊ/सरैया, राजापुर देहमाफी, असदुल्लापुर, बेली कछार, बेली उपरहार, बघाड़ा, जहूरउद्दीन, बघाड़ा बालन, बखतियारा, म्योराबाद और नकौली, नेवादा बाढ़ की चपेट में हैं।

बहू को संतान,बेटी के लिए नौकरी,मां ने उठाई कांवड़,संगम का गंगाजल लिए बेटी संग चल रहीं, बेटी ने कहा-बनना है पुलिस अफसर

प्रयागराज। सावन के महीने में बड़ी संख्या में शिवभक्त कांवड़ लेकर चल रहे हैं। गंगा का जल लेकर पदयात्रा करते शिवालयों में जाकर भगवान शिव को चढ़ा रहे हैं। सड़क पर चारों तरफ हर-हर महादेव, बोल-बम के जयकारे लगाते कांवड़िए चल रहे हैं। हर किसी की कुछ न कुछ मनोकामना है। इसी भीड़ में हाथों में गंगाजल लिए पैदल चल रही हैं मीनू मिश्रा। जौनपुर के मुंगराबादशाहपुर की रहने वाली मीनू भी भगवान शिव के दरबार में अपनी अर्जी लगाने जा रही हैं। कहती हैं बेटे की शादी हुए 5 वर्ष हो गए लेकिन बहू को अभी कोई संतान न है। इसी तरह बेटी है, उसकी नौकरी की कामना है.. महादेव पर पूरा विश्वास है कि यह मनोकामना जरूर पूरा करेंगे।निधि मिश्रा, कहती हैं पिछले 4 सालों से मां के साथ कांवड़ लेकर चलती हूं। प्रयागराज के संगम का जल लेकर पैदल ही सुजानगंज स्थित गौरी शंकर धाम तक जाती हूं। अच्छे से पढ़ाई कर सकूं और पुलिस आफिसर बन सकूं, ऐसी ताकत महादेव दें। बस यही कामना लिए कांवड़ उठाई हूं।अपनी मां के साथ पैदल चल रहीं निधि कहती हैं, वह प्रयागराज से सुजानगंज स्थित गौरी शंकर धाम तक जाएंगी। हाथ में गंगाजल लिए हैं तो मां गले में गंगाजल लटकाए हाथों में अपने कान्हा जी लेकर हर हर महादेव का उद्घोष करते हुए चल रही हैं। अगले 24 घंटे तक पैदल चलेंगी। उनकी यह यात्रा कल सोमवार को दोपहर में शुरू हुई थी और मंगलवार दोपहर तक वह गौरी शंकर धाम पहुंचकर जलाभिषेक करेंगी।

बार एसोसिएशन चुनाव का प्रचार थमा,23 जुलाई को मतदान अध्यक्ष-उपाध्यक्ष समेत 28 सदस्यीय कार्यकारिणी चुनी जाएगी

प्रयागराज। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की 28 सदस्यीय कार्यकारिणी के चुनाव के लिए मतदान नवनिर्मित बहुमंजिला न्यू अधिवक्ता चैम्बर्स बिल्डिंग के भूतल में 23 जुलाई को सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक होगा। सोमवार मध्य रात्रि के बाद चुनाव प्रचार प्रतिबंधित कर दिया गया है।मतदान के लिए त्रिस्तरीय सुरक्षा चक्र बनाया गया है और पानी टंकी चौराहे से हनुमान मंदिर चौराहा और वहां से पोलो ग्राउंड चौराहे तक उस दिन हाई सिक्योरिटी नो व्हेकिल जोन बनाया जाएगा। इस जोन में चारपहिया व दोपहिया वाहन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेंगे।साथ ही मतदान के दिन नवनिर्मित मल्टी लेवल पार्किंग भवन में वाहनों की पार्किंग भी नहीं होगी। साथ ही प्रवेश द्वार संख्या सात से प्रवेश भी पूर्णतया बंद रहेगा। मतदान के बाद मतदाता गेट नंबर सात से बाहर निकल सकेंगे।मुख्य चुनाव अधिकारी आरके ओझा, चुनाव अधिकारी अनिल भूषण, वशिष्ठ तिवारी व महेन्द्र बहादुर सिंह ने सोमवार शाम मीडिया से बातचीत में मतदान की योजना की जानकारी दी।उन्होंने बताया कि मतदान की पूरी प्रक्रिया सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में सम्पन्न होगी। मतदाताओं की सुविधा के लिए मतदान स्थल तक पहुंचने को अलग से लोकेशन मैप जारी किया जाएगा। इसे एलईडी टीवी के माध्यम से भी प्रदर्शित किया जाएगा। मतदान स्थल पर मतदान के पहले या बाद में किसी तरह का प्रचार-प्रसार पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। प्रत्येक मतदाता को वोट देने के लिये कोर्ट ड्रेस में आना अनिवार्य है अन्यथा की स्थिति में उन्हें मतदान करने से वंचित कर दिया जाएगा। प्रत्येक मतदाता हाईकोर्ट बार एसोसिएशन द्वारा प्रदत्त परिचय पत्र के साथ ही मतदान स्थल पर प्रवेश करने दिया जाएगा और हाईकोर्ट बार एसोसिएशन द्वारा जारी मूल परिचय पत्र दिखाने के बाद ही मतपत्र दिया जाएगा। चुनाव समिति ने यह भी स्पष्ट किया कि उक्त परिचय पत्र के अतिरिक्त कोई अन्य परिचय पत्र मान्य नहीं होगा। चुनाव प्रिंटआउट प्राप्त कर सकते हैं।चुनाव समिति ने बताया कि मतदान पिछले वर्ष की तरह बैलेट पेपर पर होगा।

अधिकारियों ने बताया कि न्यू अधिवक्ता चैम्बर्स बिल्डिंग के भूतल पर मतदान स्थल में केवल प्रत्याशी एवं मतदाता ही प्रवेश करेगें। मतदान वेफ दिन मतदान स्थल पर मतदाताओं/प्रत्याशियों के अतिरिक्त किसी भी अन्य व्यक्ति का प्रवेश पूर्णरूपेण वर्जित रहेगा।यदि कोई व्यक्ति कोर्ट ड्रेस में हो लेकिन वह हाईकोर्ट बार का सदस्य व वोटर लिस्ट में नहीं है तो उसके मतदान स्थल की ओर प्रवेश करने पर उसके विरुद्ध कार्यवाही भी की जा सकती है। चुनाव समिति ने ऐसे सभी लोगों से अपील है कि मतदान के दिन मतदान स्थल पर अनावश्यक रूप से प्रवेश करने की चेष्टा न करें।मतदान स्थल तक जाने के लिए त्रिभुवन उपाध्याय हाल के पीछे स्थित पुराने महाधिवक्ता कार्यालय के बगल से पास से या न्याय कक्ष संख्या 10 के बगल से प्रवेश करना होगा। सुरक्षा की दृष्टि से प्रवेश द्वार पर उपस्थित केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल व सिविल पुलिस परिचय पत्र चेक कर सकती है। उन्होंने अधिवक्ताओं से इसमें सहयोग की अपील की है। जिन सदस्यों के पहचान पत्र पर एडवोकेट रोल अंकित नही है, उनसे अनुरोध है कि वे हाईकोर्ट की वेबसाइट या हाईकोर्ट बार के किसी भी काउंटर से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं या निर्धारित शुल्क जमा करके मतदाता जिस प्रत्याशी को अपना मत देना चाहते हैं, उसके नाम के आगे बने गोले में मात्र सही का ही निशान लगाएंगे। इसके अतिरिक्त किसी भी अन्य गोले में या किसी भी नाम के आगे किसी भी प्रकार का निशान लगाने, हस्ताक्षर या नाम लिखने एवं कोई भी टिप्पणी लिखने पर मतपत्र निरस्त कर दिया जाएगा।मतदान के बाद सभी मतपत्रों को एक साथ ही रखकर बैलेट बॉक्स में डालना होगा। मतपत्र अलग-अलग न करने एवं किसी प्रकार की छेड़छाड़ करने पर उसे निरस्त कर दिया जाएगा। मत पत्र को बिना मोड़े मत पेटियों में सीधे डालना होगा। मतदान की किसी शर्त के उल्लंघन पर संबंधित मतदाता का मत स्वतः निरस्त हो जाएगा। उच्च न्यायालय परिसर से 500 मीटर की दूरी में चारों तरफ किसी भी प्रकार का कैम्प/तम्बू व शामियाना न लगाएं। साथ ही कानुपर रोड पर पानी की टंकी चौराहे से गवर्नमेंट प्रेस चौराहे तक चुनाव से संबंधित हैंड बिल, पैम्फलेट, डायरी, पेन आदि से चुनाव का प्रचार-प्रसार करना पूर्णरूप से प्रतिबंधित रहेगा। चुनाव समिति ने प्रत्याशियों से इसमें सहयोग करने का आग्रह किया है। दस हजार वकील करेंगे वोटिंग- इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन चुराव की तैयारियां जोरों पर हैं। 23 जुलाई को वोटिंग होगी। करीब 10 हजार वकील मतदान करेंगे। हाईकोर्ट के निगरानी में पुख्ता सुरक्षा इंतजामों के बीच मतदान और मतगणना की तैयारी है। इस बार कुल 200 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमाएंगे। चुनाव प्रचार को लेकर भी इस बार काफी सख्ती है। हाईकोर्ट के अंदर और परिसर में पंफलेट व हैंडबिल बांटे जाने पर रोक है।हाईकोर्ट बार एसोसिएशन चुनाव समिति ने विभिन्न पदों के लिए उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी कर दी है। अध्यक्ष पद के लिए 11 दावेदार मैदान में हैं। इनमें अमित कुमार, अशोक कुमार सिंह, अविनाश चंद्रा, चंद्र प्रकाश उपाध्याय, देवी प्रसाद सिंह, लालधारी राजभर, प्रभा शंकर मिश्रा, राकेश पांडेय बबुआ, संतोष कुमार त्रिपाठी, सुरेश चंद्र पांडेय और वीर सिंह शामिल हैं। महासचिव पद पर 8 उम्मीदवार आमने-सामने होंगे। चुनाव अधिकारी वशिष्ठ तिवारी ने बताया कि अखिलेश कुमार शर्मा, धर्मेंद्र प्रताप सिंह, हरिंद्र प्रसाद, जमील अहमद आजमी, राय साहब यादव, संतोष कुमार मिश्रा, शशि प्रकाश सिंह और उदय शंकर तिवारी ने नामांकन दाखिल किया है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर भी मुकाबला कड़ा रहेगा। चुनाव अधिकारी अनिल भूषण ने बताया कि इसके लिए 9 प्रत्याशी मैदान में हैं। इनमें अखिलेश कुमार द्विवेदी, भगवान दत्त पांडेय, धर्मेंद्र सिंह, कमलेश कुमार द्विवेदी, ममता कुशवाहा, प्रमोद कुमार सिंह, राजेश कुमार दुबे, राजेश त्रिपाठी और राजेश्वर सिंह शामिल हैं। इसके अलावा कोषाध्यक्ष पद पर 14, उपाध्यक्ष (5 पद) पर 42, संयुक्त सचिव (प्रशासन) पर 13, संयुक्त सचिव (पुस्तकालय) पर 7, संयुक्त सचिव (प्रेस) पर 13, संयुक्त सचिव (महिला) पर 5 और कार्यकारिणी सदस्य के 15 पदों पर 78 उम्मीदवारों ने दावेदारी की है। मुख्य चुनाव अधिकारी आरके ओझा ने सभी प्रत्याशियों से आचार संहिता का सख्ती से पालन करने की अपील की है।

नर्सिंग छात्रा की संदिग्ध मौत,फोन बंद होने पर पिता पहुंचे थे कॉलेज

प्रयागराज। पीडीए स्थित जाह्नवी अपार्टमेंट की चौथी मंजिल पर अकेले रह रही नर्सिंग स्टूडेंट नूपुर सरकार का शव उसके कमरे में संदिग्ध हालत में मिला। नूपुर आरके इंस्टीट्यूट में नर्सिंग फाइनल ईयर की स्टूडेंट थी और इन दिनों उसकी परीक्षा चल रही थी।नूपुर बीते दो दिनों से कॉलेज नहीं जा रही थी। कॉलेज से कई बार फोन किया गया लेकिन संपर्क नहीं हो पाया। उधर, पिता दीपक सरकार भी लगातार बेटी को कॉल कर रहे थे, लेकिन उसका फोन बंद आ रहा था। सोमवार दोपहर करीब दो बजे नूपुर के पिता कॉलेज पहुंचे तो उन्हें पता चला कि बेटी दो दिन से परीक्षा देने नहीं आई है। इसके बाद वे तुरंत नैनी के जाह्नवी अपार्टमेंट पहुंचे, जहां बेटी चार महीने से किराए पर रह रही थी। अपार्टमेंट में नीचे नूपुर की स्कूटी खड़ी थी। आस-पड़ोस के लोगों ने बताया कि नूपुर रोज सुबह कॉलेज जाती थी, लेकिन दो दिनों से उसे नहीं देखा गया। कमरे से बदबू आने लगी थी, जिससे आसपास के लोग भी

हैरान थे। पिता ने पुलिस को सूचना दी। नैनी पुलिस मौके पर पहुंची और जब कमरा तोड़ा गया, तो नूपुर का शव फर्श पर पड़ा मिला। गले में रस्सी का फंदा था। पुलिस ने तुरंत फोरेंसिक टीम को बुलाकर जांच शुरू कर दी और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मूल रूप से कोलकाता की रहने वाली नूपुर के पिता दीपक सरकार पेशे से बंगाली डॉक्टर हैं और फिलहाल मेजा ऊंच डीह बाजार में अपने परिवार के साथ रहते हैं। नूपुर उनके तीन बच्चों में सबसे बड़ी थी। वह रुक्मिणा के नाम से जाह्नवी अपार्टमेंट में सुनील सिंह से किराए पर कमरा लेकर रह रही थी।पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है, लेकिन फिलहाल कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। फोरेंसिक टीम की रिपोर्ट और पोस्टमॉर्टम के बाद ही स्थिति साफ हो सकेगी।

राम-रहीम की जोड़ी बन गई सामाजिक सौहार्द की मिसाल, एक नमाजी तो दूसरा भोले का पुजारी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के दशाश्वमेध घाट पर श्रावण मास में भगवान शिव को जलाभिषेक करने के लिए गंगाजल लेने वाले कांवड़ियों का जमावड़ा लगा है। अधिकांश शिवभक्त अपने मित्रों, परिजन और गांव वालों के साथ ही आते हैं, लेकिन इन्हीं कावड़ियों के बीच एक अनोखी जोड़ी दिखी, जिसको देखकर सभी चौंक रहे थे, क्योंकि बात ही कुछ ऐसी थी। वेशभूषा से ही नहीं उनके हावभाव से भी लोग अचंभित थे। दोनों एकसाथ घाट पर आए थे। सफेद कपड़ा पहने लंबी दाढ़ी वाला व्यक्ति घाट की सीढ़ियों पर बैठ गया और गेरुआ वस्त्र धारी व्यक्ति गंगा जी में स्नान करने के लिए आगे बढ़ गया। सफेद वस्त्रधारी मुस्लिम व्यक्ति सीढ़ियों पर बैठकर इंतजार करने लगा। अचानक से ही नमाज का समय हुआ तो वह घाट से उठकर घाट के पास मस्जिद में नमाज पढ़ने चला गया। कुछ ही देर में पुनः आकर सीढ़ियों पर बैठ गए और ब्राह्मण वेशधारी व्यक्ति स्नान करवेफ वस्त्र धारण, पूजा-पाठ तिलक आदि कर रहे थे, लोग उन्हें देखते रहे। कुछ देर बाद एक कांवड़ यात्री भीमसेन से बात करने लगे। वहीं, घाट पर मौजूद लोग कौतूहल बस इस जोड़ी को निहारते और आपस में चर्चा करते रहे।

प्रयागराज में गंगा-जमुना के जलस्तर में रिकॉर्ड बढ़ोत्तरी

प्रयागराज। गंगा और यमुना नदी का जलस्तर बहुत तेजी से बढ़ रहा है। पिछले 24 घंटे में गंगा और यमुना नदी के जलस्तर में रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज की गई है। दोनों नदियों के जलस्तर में लगभग 02 मीटर की वृद्धि हुई है। अगर आने वाले दो दिनों तक इसी तरह की वृद्धि बनी रही तो गंगा और यमुना का बढ़ता जल स्तर खतरे के निशान तक पहुंच जाएगा। लेकिन सोमवार की सुबह 12 बजे तक खतरे की निशान से गंगा यमुना नदी का जलस्तर लगभग साढ़े तीन मीटर नीचे है। सोमवार की सुबह 8 बजे तक गंगा का फाफामऊ में जलस्तर 80.43 मीटर, छतनाग में 80.06 मीटर दर्ज किया गया है।

मेजा में दो सगे भाइयों की मौत,एक की टीबी से,दूसरे की हार्ट अटैक से गई जान,स्वास्थ्य विभाग ने की जांच

प्रयागराज। कोरांव थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत महुली में 24 घंटे के अंदर दो सगे भाइयों की मौत से गांव में शोक की लहर दौड़ गई। गांव का माहौल गमगीन है। मृतकों की पहचान कमलेश कुमार मौर्य (45) और राजेंद्र प्रसाद मौर्य (40) के रूप में हुई है। कमलेश की मौत टीबी के चलते हुई, जबकि राजेंद्र की जान हार्ट अटैक से चली गई। हैरानी की बात यह रही कि दोनों की मौत एक ही समय रात 8 बजे पर हुई, बस एक दिन के अंतर से है। कमलेश अपने पीछे पत्नी और तीन बच्चे, जबकि राजेंद्र पत्नी और चार बच्चों को छोड़ गए हैं। दोनों के बच्चे अभी अविवाहित हैं। गांव में हुई जांच के लिए पहुंची मेडिकल टीम घटना की जानकारी मिलते ही सीएचसी अधीक्षक केवी सिंह ने एक मेडिकल टीम को मौके पर

भेजा। टीम में डॉ. धर्मेंद्र सिंह, फार्मासिस्ट सुरेंद्र सिंह, डीएचओ अतुल कुमार वर्मा और अन्य स्वास्थ्यकर्मी शामिल थे। जांच में पता चला कि कमलेश की टीबी का इलाज पहले से चल रहा था, और वह लगभग ठीक हो चुके थे। स्वास्थ्य विभाग ने मृतकों के इलाज के पुराने पर्चे लिए और गांव के अन्य लोगों की भी टीबी जांच की, लेकिन किसी और में लक्षण नहीं पाए गए।ग्राम प्रधान ने की पुष्टि ग्राम प्रधान ने भी पुष्टि की कि एक भाई की मौत टीबी से और दूसरे की दिल का दौरा पड़ने से हुई। दोनों भाइयों का अंतिम संस्कार बेलन नदी के किनारे किया गया।

कौंधियारा में तहसील स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता,खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम, कई प्रतिभागियों ने किया ज़ोरदार प्रदर्शन

प्रयागराज। यमुनापार के कौंधियारा क्षेत्र में स्थित श्रीमती इंदिरा गांधी इंटर कॉलेज, पटेल नगर अकोढा में तहसील स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इस आयोजन में बारा और करछना तहसील के दर्जनों स्कूलों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता की शुरुआत मदन मोहन शंखधर, प्रधानाचार्य - मदन मोहन मालवीय इंटर कॉलेज, करछना ने सरस्वती मां की प्रतिमा पर माल्यार्पण और फीता काटकर की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि 'खेलों के जरिए बच्चों में अनुशासन और चरित्र निर्माण होता है। हमारे क्षेत्र में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, जरूरत है तो उन्हें मंच देने की।' दोपहर 2 बजे शुरू हुई प्रतियोगिता में सबजूनियर (यू-14), जूनियर (यू-17) और सीनियर (यू-19) कैटेगरी में खिलाड़ियों ने भाग लिया। मुकाबले काफी रोमांचक रहे। विजेता खिलाड़ियों को जिला स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेने का मौका मिलेगा। खेल प्रशिक्षक बुलंद प्रताप

राय ने कहा, 'कुश्ती जैसे पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देना जरूरी है। इससे शरीर और मन दोनों मजबूत होते हैं और समाज भी स्वस्थ बनता है।' विजेता खिलाड़ियों की सूची बालक वर्ग - सबजूनियर (यू-14) अंकित (अकोढा), कृष मिश्रा (अकोढा), करन (अकोढा), फैसल (अकोढा), अंश पांडेय (अकोढा), जूनियर (ळ-17) अवनीश गौतम (अकोढा), साहिल (घटवा), रंजीत (अकोढा), आदर्श (कौंधियारा), प्रकाश यादव (अकोढा), अंकित, प्रियांशु (करछना), सीनियर (ळ-19) पवन (घटवा), अभिषेक सोनकर (धरवारा), अनुराग गौड़ (अकोढा), सुमित मिश्रा (घटवा), इस मौके पर कई क्रीड़ा प्रशिक्षक और गणमान्य लोग मौजूद रहे। इनमें बृजेश सिंह, शिवराज सिंह, अजय यादव, डॉ. जनेश्वर मिश्र, डॉ. जगदीश मौर्य, अनिल पांडे, अखिलेश शुक्ल और गेंदालाल कुशवाहा प्रमुख नाम हैं।

मौत की रोटियां-'साइलेंट किलर' बहू ने क्यों मिलाया पूरे परिवार के आटे में जहर?

कौशांबी। मध्य प्रदेश के इंदौर की सोनम रघुवंशी आपको याद ही होगी। वो महिला, जिसने शादी के बाद अपने पति को हनीमून पर मेघालय के शिलॉन्ग ले जाकर, प्रेमी और उसके साथियों से हत्या करवा दी। सोनम की कहानी खौफनाक है, लेकिन आखिरी बिल्कुल नहीं है। अब यूपी के कौशांबी से एक ऐसी बहू की कहानी सामने आई है, जिसने सोनम रघुवंशी को भी चार कदम पीछे छोड़ दिया है। इस बहू ने अपने पति सहित परिवार के आठ लोगों को आटे में जहर मिलाकर मारने की साजिश रची। हालांकि, जहरीली रोटियां खाने से पहले ही उसकी साजिश का पर्दाफाश हो गया। रविवार की रात जब बृजेश कुमार मौर्य का पूरा परिवार खाना खाने के लिए बैठने ही वाला था, तो उन्हें रसोई से एक अजीब सी गंध आई। अंदर जाकर देखा तो ये गंध उस आटे से आ रही थी, जो रोटियां बनाने के लिए तैयार किया गया था। आटे का रंग भी कुछ काला था। बृजेश ने अपनी बीवी से पूछा तो उसकी हकीकत खुल गई। और इसके बाद... वो कहानी सामने आई, जिसने पूरे गांव को हिलाकर रख दिया।यूपी के कौशांबी में, करारी थाना क्षेत्र के मलकिया गांव में रहने वाले बृजेश कुमार मौर्य की शादी साल 2014 में प्रयागराज के पूरामुफ्ती इलाके की मालती देवी के साथ धूमधाम से हुई थी। शुरुआत में पति-पत्नी के बीच सबकुछ ठीक रहा और दोनों के दो बच्चे भी हुए। कुछ वक्त बाद बृजेश काम के लिए सऊदी अरब चले गए और हेल्पर के तौर पर वहीं नौकरी करने लगे।इधर, मालती अपने दोनों बच्चों के साथ ससुराल में रुकी रही, जहां एक ही घर में पूरा परिवार संयुक्त रूप से रहता था। परिवार में मालती, उसके दोनों बच्चे, ससुर, दो भाई, उनकी पत्नियां और उनके बच्चे थे। कुछ समय बीता और धीरे-धीरे हालात बदलने लगे। मालती का अपनी जेठानी के साथ झगड़ा रहने लगा। उधर, बृजेश ने भी महसूस किया कि उसकी पत्नी अक्सर मोबाइल पर किसी से बातें करती है।इसके अलावा, परिजनों ने बताया कि जब भी मालती खेतों की तरफ जाती है,तो खासतौर पर सूट सलवार पहनकर निकलती है। लगभग ढाई महीने पहले बृजेश गांव आया और उसने भी पत्नी को कई बार मोबाइल पर किसी से बातें करते हुए सुना। उसने मालती को समझाने की कोशिश की, लेकिन बात बनने के बजाय दोनों में झगड़ा रहने लगा।रविवार शाम को जब घर में खाने की तैयारियां चल रहीं थी तो बृजेश ने रसोई में एक अजीब गंध महसूस की। गंध सल्फास की गोलियों की थी। नजदीक जाकर देखा तो आटे का रंग कुछ बदला हुआ था और ये गंध उसी आटे से आ रही थी। उसने मालती को बुलाकर पूछा तो सच्चाई खुल गई। मालती ने कहा कि वो रोज-रोज के झगड़ों से तंग आ गई थी, इसलिए पूरे परिवार को जहर की रोटियां खिलाकर मारना चाहती थी।ये सुनते ही बृजेश के पैरों तले से जमीन खिसक गई। उसने तुरंत पुलिस को फोन किया और सारी बातें बताईं। मौके पर पहुंची पुलिस ने मालती को थाने लाकर जब पूछताछ की तो उसने बताया कि इस साजिश में उसके पिता और भाई भी शामिल हैं। दरअसल, उसने अपनी परेशानी के बारे में इन लोगों से बताया था तो दोनों ने पूरे परिवार को खत्म करने की सलाह दी।पुलिस ने मामले में मालती, उसके पिता कल्लू और भाई बजरंगी को गिरफ्तार कर लिया है। तीनों के खिलाफ केस दर्ज कर जेल भेज दिया गया है। वहीं, घर से मिले गुंथे हुए आटे का सैंपल भी जांच के लिए लैब भेजा गया है। मामले को लेकर गांव में दहशत का माहौल है। लोगों को यकीन ही नहीं हो रहा कि कोई बहू अपने ही परिवार को मारने के लिए इतनी बड़ी साजिश कैसे रच सकती है।

हाईकोर्ट बार का चुनाव कल..जितने प्रत्याशी उतने मुद्दे

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के चुनाव को लेकर अब माहौल पूरी तरह गर्म हो चुका है। आगामी 23 जुलाई को सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान की प्रक्रिया चलेगी। मतदान नए अधिवक्ता चैंबर बिल्डिंग के भूतल पर होगा, जहां अधिवक्ताओं को कोर्ट ड्रेस में और हाईकोर्ट बार एसोसिएशन द्वारा जारी मूल पहचान पत्र के साथ पहुंचना अनिवार्य किया गया है। यह चुनाव बैलेट पेपर के माध्यम से होगा, जिसमें मतदाता अपने पसंदीदा प्रत्याशी के नाम के सामने बने गोले में सही का निशान लगाकर अपना मत देंगे।इस बार चुनाव में केवल पदों के दावेदार ही नहीं, बल्कि बार की गरिमा, प्रभाव और अधिकार की बहाली भी बड़ा मुद्दा बनकर उभरा है। चुनाव प्रचार में प्रत्याशियों ने बीते वर्षों की कार्यशैली और बार की स्थिति को केंद्र में रखते हुए तीखे सवाल उठाए हैं। महासचिव पद के प्रत्याशी धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने साफ तौर पर कहा कि पिछले कुछ वर्षों में बार की ताकत में गिरावट आई है, जिससे न्यायपालिका (बेंच) का रवैया एकतरफा और कई बार दुर्व्यवहारपूर्ण हो गया है।धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने कहा, मैं पिछले 30 वर्षों से हाईकोर्ट में प्रैक्टिस कर रहा हूं। बार की गिरती स्थिति ने न सिर्फ हमारी प्रतिष्ठा को चोट पहुंचाई है, बल्कि हमारे अधिकारों को भी कमजोर किया है। पहले हाईकोर्ट प्रशासन किसी भी महत्वपूर्ण निर्णय से पूर्व बार के अध्यक्ष और सचिव को विचार विमर्श में शामिल करता था, पर अब बिना सूचना के ही नियम बदल दिए जाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अधिवक्ताओं की सबसे बड़ी समस्या अब केस लिस्टिंग की हो गई है, जहां बार के प्रतिनिधियों की भागीदारी ही खत्म हो गई है। चुनाव में वे इस व्यवस्था को दुरुस्त करने और बार को फिर से प्रभावशाली बनाने का संकल्प लेकर मैदान में हैं।इस चुनाव को लेकर अब वकीलों के अस्तित्व, उनके अधिकारों, और न्यायिक प्रक्रिया में उनकी हिस्सेदारी की पुनर्प्राप्ति जैसे गंभीर मुद्दे चर्चा के केंद्र में आ गए हैं। यह चुनाव हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के लिए सिर्फ नेतृत्व परिवर्तन नहीं, बल्कि बार की गरिमा और प्रभाव की पुनर्स्थापना का चुनाव बन गया है।

प्रयागराज के 'ब्लड मैन' डॉ. राजीव मिश्रा को नेशनल आइकन अवार्ड, 110 बार रक्तदान कर बने मानवता के मिसाल

प्रयागराज। 'काम आदमी का औरों के काम आना' - यह भले ही एक पुरानी हिंदी फिल्म का सुपरहिट गाना हो, लेकिन डॉ. राजीव मिश्रा ने इसे अपनी जिंदगी का मूलमंत्र बना लिया है। मानवता की सेवा और रक्तदान के प्रति समर्पण के लिए मशहूर डॉ. राजीव मिश्रा को नई दिल्ली के प्रधानमंत्री संग्रहालय के ऑडिटोरियम में नेशनल आइकन अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह में केंद्रीय मंत्री रामनाथ ठाकुर, सामाजिक न्याय मंत्री रामदास अठावले, और केंद्रीय मंत्री फागुन सिंह कुलस्ते ने मंच पर डॉ. मिश्रा को सम्मानित किया।प्रयागराज निवासी डॉ. राजीव मिश्रा, जिन्हें ब्लड मैन ऑफ इंडिया के नाम से जाना जाता है, ने अब तक 110 बार रक्तदान कर एक अनूठा

रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने न केवल अपने रक्त से हजारों जिंदगियों को बचाया, बल्कि रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाने का भी अभूतपूर्व कार्य किया है। भारत के 25 राज्यों और नेपाल में रक्तदान शिविरों के माध्यम से उन्होंने लोगों को इस नेक कार्य के लिए प्रेरित किया है।डॉ. मिश्रा का कहना है, 'मानव जीवन के लिए अपने जीवन को संकल्पित कर देना ही असली मानव धर्म है।'उन्होंने 36.5 लीटर रक्तदान कर एक मिसाल कायम की है। रक्तदान से जुड़े मिथकों को तोड़ते हुए, जैसे कि रक्तदान से शरीर कमजोर होता है या बीमारियां घेर लेती हैं, उन्होंने इसे एक महादान के रूप में स्थापित किया। विशेष रूप से, 22 जनवरी 2024 को जब अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा हो रही थी, उसी दिन डॉ. मिश्रा ने 100वां रक्तदान पूरा किया। इसके बाद, दीपावली 2024 पर 106वां रक्तदान कर एक और रिकॉर्ड बनाया।नेशनल आइकन अवार्ड की शुरुआत वर्ष 2016 में राष्ट्रीय भारतीय युवा पुरस्कार द्वारा की गई थी। यह पुरस्कार हर साल उन 40 व्यक्तियों को दिया जाता है, जिन्होंने सामाजिक कार्य, शिक्षा, मानवाधिकार, शांति, परोपकार, व्यवसाय, खेल, स्वास्थ्य, मनोरंजन, युवा सशक्तिकरण, और लोकप्रिय कला व संस्कृति के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान दिया हो। डॉ. राजीव मिश्रा को उनके रक्तदान और जागरूकता अभियान के लिए इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से नवाजा गया। डॉ. मिश्रा ने भारत के 25 राज्यों, जैसे जम्मू-कश्मीर, लेह-लद्दाख, पंजाब, उत्तराखंड, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, केरल, बिहार, असम, नागालैंड, छत्तीसगढ़, अरुणाचल प्रदेश, कर्नाटक, गोवा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, और राजस्थान में रक्तदान शिविर आयोजित किए। इसके अलावा, नेपाल में भी उन्होंने जागरूकता अभियान चलाया। उनके प्रयासों से 150 से अधिक रक्तदान शिविर आयोजित हो चुके हैं, जिन्होंने हजारों लोगों की जान बचाने में मदद की है। सादगी भरा जीवन जीने वाले डॉ. मिश्रा का कहना है कि भारत में रक्तदान को लेकर अभी भी बहुत जागरूकता की जरूरत है। ब्लड बैंकों में रक्त की कमी के कारण किसी की जान न जाए, इसके लिए वे लगातार प्रयासरत हैं।

गठबंधन की मजबूरी या संगठन की रणनीति,'लड़की हूं, लड़ सकती हूं' कहने वाली प्रियंका की यूपी से दूरी के मायने

लखनऊ। 2017 से लेकर 2022 तक यूपी की हर सियासी हलचल में प्रियंका गांधी का चेहरा कांग्रेस की पहचान बन गया था। 'लड़की हूं, लड़ सकती हूं' के नारे से उन्होंने प्रदेश की महिलाओं को खास संदेश दिया। लेकिन आज वही प्रियंका यूपी की सियासत से लगभग गायब हैं। आखिरी बार 2024 लोकसभा चुनाव में अमेठी-रायबरेली में पार्टी की जीत के बाद धन्यवाद सभा में दिखी थीं। उसके बाद प्रयागराज महाकुंभ तक में नहीं आईं। कांग्रेस कार्यकर्ता और समर्थक हैरान हैं। आखिर प्रियंका ने यूपी से किनारा क्यों किया? प्रियंका के यूपी में आने से क्या सपा के साथ कांग्रेस के संभावित गठजोड़ पर कोई असर पड़ने का खतरा था? 4 पॉइंट में समझें प्रियंका के यूपी से गायब रहने के सियासी मायने- 2019 और 2022 में मिली जिम्मेदारी, लेकिन पार्टी का प्रदर्शन बेहद कमजोर रहा। 2023 से प्रियंका को किनारे कर राहुल को आगे किया गया। 2024 में गठबंधन के अच्छे प्रदर्शन ने राहुल की पकड़ को और मजबूत किया। प्रियंका को साउथ भेजकर यूपी की राजनीति से 'डिस-एंगेज' किया गया। राहुल-प्रियंका में किसकी इमेज ज्यादा अपीलिंग- ये सवाल हमने प्रदेश कांग्रेस के 4 नेताओं किए। नाम न छापने की शर्त पर तीन नेताओं ने कहा- प्रियंका इस कसौटी पर अधिक खरी उतरती हैं। एक नेता ने राहुल गांधी का नाम लिया। प्रियंका गांधी के समर्थन में बोलने वाले नेताओं ने कहा-वह तुलनात्मक रूप से कार्यकर्ताओं के लिए आसानी से सर्वसुलभ हैं। जब कभी उनका दौरा होता है, तो वे कार्यकर्ताओं के बीच जाकर बात करती हैं। सुरक्षा और अन्य कारणों से राहुल गांधी तक सीधे कार्यकर्ता नहीं पहुंच पाते। दूसरा प्रियंका सीधे और सरल शब्दों में अपनी बात रखती हैं, जो कार्यकर्ताओं को उनसे जोड़ता है। राहुल गांधी आक्रामक हैं, लेकिन कार्यकर्ताओं के साथ आसानी से घुल-मिल नहीं पाते हैं।प्रियंका गांधी यूपी में 2017 के विधानसभा चुनाव से ही सक्रिय रही हैं। यूपी से उनका जुड़ाव कुछ अधिक ही रहा है। पहले वो भले ही रायबरेली और अमेठी तक ही सीमित थीं। लेकिन, पिछले 8 साल में पूरे प्रदेश में उनकी सक्रियता से कार्यकर्ता भी उत्साह में थे। 2017 में प्रियंका गांधी वाड्रा को पूर्वी यूपी के प्रचार और रणनीति का प्रभारी बनाया गया था।

ज्योतिरादित्य सिंधिया को पश्चिमी यूपी की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। उस समय कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी (सपा) के साथ गठबंधन किया था। जिसे 'यूपी के लड़के' कैंपेन के तहत प्रचारित किया गया। इसमें राहुल गांधी और अखिलेश यादव मुख्य चेहरों के रूप में थे।तब सपा के साथ गठबंधन में कांग्रेस ने 114 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ा था। कांग्रेस के 7 विधायक जीते थे। उसका वोट शेयर 6.25 था। सपा की सीटों की संख्या सिमट कर 47 रह गई थी। भाजपा 312 सीटों के प्रचंड बहुमत से सत्ता में लौटी थी।प्रियंका की उस चुनाव में भूमिका सीमित थी। उन्होंने मुख्य रूप से अमेठी और रायबरेली में ही सक्रिय प्रचार किया, जो गांधी परिवार के पारंपरिक गढ़ रहे हैं। उन्होंने रोड शो, जनसभाएं और कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें कीं। उनकी रणनीति का फोकस सपा-कांग्रेस गठबंधन को मजबूत करना, युवा और महिला वोटरों को आकर्षित करना था। प्रियंका की प्रचार शैली को कार्यकर्ताओं में उत्साह बढ़ाने वाला माना गया, क्योंकि उनकी भाषण शैली और जनता से जुड़ाव को सबने सराहा था। लेकिन, सपा के खिलाफ एंटी-इनकंबेंसी और प्रदेश में मजबूत संगठन न होने का खामियाजा कांग्रेस को भुगतना पड़ा था। 2019 लोकसभा और 2022 विधानसभा चुनाव में प्रियंका के हाथों में रही कमान 2017 के विधानसभा चुनाव में खास सफलता न मिलने के बावजूद प्रियंका यूपी में सक्रिय रहीं। 2019 में प्रियंका पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव बनाई गईं। प्रियंका ने इसके साथ ही यूपी में राजबब्बर की जगह ओबीसी वर्ग से आने वाले पूर्वांचल के अजय कुमार लल्लू को प्रदेश कांग्रेस की कमान सौंपी। लल्लू को प्रियंका का करीबी माना जाता था। 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने अकेले प्रदेश की 80 सीटों पर चुनाव लड़ा था। तब सपा-बसपा गठबंधन में चुनाव में उतरे थे। अमेठी और रायबरेली से गठबंधन ने कोई प्रत्याशी नहीं उतारा था।इसके बावजूद राहुल गांधी अमेठी का चुनाव हार गए थे। सिर्फ सोनिया गांधी ही रायबरेली सीट से जीत पाई थीं। सपा-बसपा गठबंधन को 15 सीटों पर ही सफलता मिल पाई थी। बसपा 10 तो सपा 5 सीटें ही जीत सकी थी। अमेठी की हार से प्रियंका के नेतृत्व को भी झटका लगा था। हालांकि, 2022 के विधानसभा तक प्रियंका यूपी में सक्रिय रहीं। 2022 के विधानसभा चुनाव में प्रियंका की अगुआई में कांग्रेस अकेले 399 सीटों पर मैदान में उतरी थी। तब प्रियंका ने महिलाओं को 40 फीसदी हिस्सेदारी देने के फॉर्मूले के तहत 147 सीटों पर महिलाओं को उतारा था। प्रियंका के नेतृत्व में कांग्रेस के पक्ष में बज क्रिएट हुआ था। 'लड़की हूं, लड़ सकती हूं' के संकल्प के साथ उन्होंने प्रदेश भर में खूब मेहनत की। भाजपा समेत सभी दलों को डिफेंस में तैयारी करनी पड़ी थी। लेकिन, कमजोर संगठन के चलते पार्टी को अपेक्षित सफलताएं नहीं मिली थीं। परिणाम आया तो कांग्रेस की सीटें घटकर 7 से 2 और वोट शेयर 6.25 से घटकर 2.33इ रह गया।2022 के विधानसभा चुनाव नतीजों ने साबित कर दिया कि प्रियंका की ये रणनीति सफल नहीं रही। कांग्रेस की 147 महिलाओं में सिर्फ आराधना मोना मिश्रा ही जीत सकीं। जबकि बीजेपी की 43 महिला प्रत्याशियों में 30 और सपा की 47 महिलाओं में 13 विधायक चुनी गईं। प्रियंका गांधी की आक्रामक और स्वतंत्र रणनीति, जैसे 'लड़की हूं, लड़ सकती हूं' अभियान ने यूपी में कांग्रेस को प्रचार में जोश तो दिया, लेकिन सपा के साथ रिश्ते तनावपूर्ण रहे। प्रियंका की रणनीति सपा के लिए असहज हो सकती थी। यही कारण रहा कि 2023 में उनकी यूपी प्रभारी की जिम्मेदारी हटा दिया गया। फिर यूपी

की जिम्मेदारी अविनाश पांडेय को दी गई, जो राहुल गांधी के करीबी माने जाते हैं। इसे राहुल गांधी के नेतृत्व को मजबूत करने और यूपी में उनकी रणनीति को प्राथमिकता देने के कदम के रूप में देखा गया। 2024 में विधानसभा की 9 सीटों पर हुए उपचुनावों में राहुल और प्रियंका की प्रचार से दूरी ने सपा को झटका दिया, जिससे गठबंधन में दरार की अटकलें बढ़ीं। कांग्रेस अब यूपी में राहुल के नेतृत्व पर ध्यान दे रही है। प्रियंका को राष्ट्रीय और दक्षिण भारत में सक्रिय करने की रणनीति अपनाई गई है।2022 के विधानसभा चुनाव में अपेक्षित परिणाम न मिलने के बाद यूपी में प्रियंका की भूमिका सीमित होने लगी। 2023 में यूपी की कमान पूरी तरह से राहुल गांधी के हाथों में सौंप दी गई।कांग्रेस ने बृजलाल खाबरी की बजाय पूर्वांचल से आने वाले भूमिहार नेता एवं 5 बार के विधायक अजय राय पर दांव खेला। अजय राय 2014 और 2019 में वाराणसी सीट पर नरेंद्र मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ कर चर्चा में आ चुके थे। 2024 में राहुल की पहल पर यूपी में सपा के साथ मिलकर कांग्रेस ने महागठबंधन बनाया। इस महागठबंधन को इस बार बड़ी सफलता मिली। विधानसभा चुनाव में 2 सीटों तक सिमट गई कांग्रेस अप्रत्याशित रूप से लोकसभा की 6 सीटें जीतने में सफल रही। कांग्रेस अमेठी भी छीनने में सफल रही। रायबरेली से राहुल गांधी भी बड़ी जीत दर्ज कर लोकसभा पहुंचे। इसके अलावा कांग्रेस ने गठबंधन में मिली 11 अन्य सीटों पर भी तगड़ी चुनौती पेश की थी। इस गठबंधन को मिली सफलता से तय हो गया कि अब यूपी की कमान राहुल के हाथों में ही रहेगी। प्रियंका की भूमिका यहां से और सीमित हो गई। बाद में राहुल गांधी के इस्तीफा देने पर प्रियंका वायनाड से उपचुनाव लड़ीं और जीत कर सांसद बन गईं। इस तरह से उनकी भूमिका उत्तर से दक्षिण भारत की ओर शिफ्ट कर दी गई।वायनाड से सांसद चुने जाने के बाद से प्रियंका फिर यूपी में लौट कर नहीं आईं। प्रयागराज महाकुंभ में कार्यकर्ताओं में जोरों की चर्चा थी कि प्रियंका आ सकती हैं, लेकिन गांधी परिवार से कोई नहीं आया। अब एक साल बीत चुका है। हालांकि प्रियंका के यूपी से दूरी के सवाल को कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता पुनीत पाठक साफ नकारते हैं। कहते हैं- वो शारीरिक रूप से भले ही न आ पा रही हों, लेकिन यहां के विषयों पर अब भी मुखर हैं। प्रियंका गांधी की जिस आखिरी सभा की आप बात कर रहे हैं, उसके बाद से काफी पानी बह चुका है। पुनीत पाठक कहते हैं- प्रियंका पहली बार सांसद बनी हैं। वायनाड में, जहां से वो सांसद हैं, वहां वे काफी सक्रिय हैं। संसद में उनके पास कई जिम्मेदारियां हैं। कई प्रमुख मुद्दों पर वो पार्टी का पक्ष रखती हैं। संगठन में भी वो प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तौर पर बहुत सारी जिम्मेदारियां संभालती हैं।मुझे कांग्रेस कार्यकर्ता के तौर पर इस बात का भरोसा है कि उनको यूपी से बहुत लगाव है। जब भी यहां के लोग यूपी की किसी प्रमुख समस्या को लेकर जाते हैं, तो प्रियंका उसे प्रमुखता से उठाती हैं। यूपी के ज्वलंत मुद्दों पर वे अब भी मुखर रहती हैं।वरिष्ठ पत्रकार सुरेश बहादुर सिंह कहते हैं- प्रियंका जब तक यूपी में सक्रिय थीं, तो एक समूह को लेकर आगे बढ़ रही थीं। इसमें वरिष्ठ नेताओं को नजरअंदाज किया जा रहा था। आलम ये हो गया था कि यूपी कांग्रेस, प्रियंका और राहुल कांग्रेस में बंट चुकी थी।प्रियंका की 2019 से 2022 दो चुनावों में यूपी में प्रमुख भूमिका रही। 2019 में खुद राहुल गांधी अमेठी हार गए और 2022 में कांग्रेस के सदस्यों की संख्या घटकर 2 रह गई। 2024 में सपा के साथ गठबंधन में राहुल की अधिक महत्वपूर्ण भूमिका थी। इसके परिणाम भी सार्थक रहे और भाजपा पूर्ण बहुमत नहीं पा सकी।आज की तारीख में कांग्रेस खुद के बलबूते यूपी में चुनाव लड़ सके, इसके लिए उसका संगठन मजबूत नहीं है। जाहिर सी बात है कि सपा या किसी अन्य दल के सहयोग के साथ ही वे चुनाव में मजबूती दिखा पाएंगे। सपा भी चाहती है कि 2027 का विधानसभा चुनाव वह महागठबंधन में कांग्रेस के साथ मिलकर रहे।

बिजली कर्मियों ने ऊर्जा मंत्री का घर घेरा,एके शर्मा ने मिलने से इनकार किया, प्रदर्शनकारियों ने कहा- विभाग किसी के बाप का नहीं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बिजली कर्मियों का गुस्सा अब उबाल पर है। विद्युत कर्मचारी

संयुक्त संघर्ष समिति के आह्वान पर आज कर्मचारियों ने ऊर्जा मंत्री एके शर्मा के घर आवास का घेराव किया। ऊर्जा मंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। ऊर्जा मंत्री ने प्रदर्शनकारियों से मिलने से इनकार कर दिया।इससे उनका गुस्सा और बढ़ गया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि बिजली विभाग हमारा और आपका, नहीं किसी के बाप का। कर्मचारियों ने ऊर्जा मंत्री के इस्तीफे की मांग की। इस मौके पर भारी पुलिस फोर्स तैनात रही। दरअसल, बिजली के निजीकरण और 10 मिनट बिजली गुल होने पर चीफ इंजीनियर से लेकर जूनियर इंजीनियर तक पर की गई कार्रवाई का बिजली कर्मी विरोध कर रहे हैं।ऊर्जा मंत्री के आवास पर सुबह से ही बड़ी संख्या में कर्मचारियों का जुटना गया था। 12 बजे तक बड़ी संख्या में बिजली कर्मी जुट गए। मंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी करने के लगे। अफसरों ने मंत्री से मुलाकात कराने का आश्वासन दिया। मिलने वालों के नाम मांगा। संगठन ने 10 पदाधिकारी के नाम भेजें। जिस पर मंत्री ने रिटायर्ड कर्मियों से मिलने से मना कर दिया। इस पर संघर्ष समिति संयोजक शैलेंद्र दुबे ने एक समझौते का आश्वासन देते हुए भेजे गए नाम के प्रतिनिधि मंडल से ही

मुलाकात की मांग की। इस पर मंत्री ने मिलने से मना कर दिया। इसके बाद बिजली कर्मी मंत्री के आवास के गेट पर जाकर नारेबाजी करने लगे।अभियंता संघ के महामंत्री जितेन सिंह गुर्जर ने बताया कि लगातार 8 महीने से निजीकरण का विरोध चल रहा है। ऊर्जा मंत्री जहां-जहां जा रहे हैं वहां निजीकरण के फायदे बता रहे हैं। हम उनको आज बताने आए हैं कि इस निजीकरण से उपभोक्ता और नौजवान का क्या नुकसान है? जब से इस निजीकरण का प्रस्ताव चालू हुआ है, तब से लगातार हम शांतिपूर्ण इसका विरोध कर रहे हैं।इसके विरोध में प्रबंधन लगातार इंजीनियरों पर कार्रवाई करते हुए उन्हें बर्खास्त कर रहा है। आउटसोर्स कर्मचारी को जिनकी सैलरी ?8000 है, उन्हें बड़ी संख्या में छंटनी करके निकाला जा रहा है। मिर्जापुर की घटना सभी को याद है, जहां पर ऊर्जा मंत्री के कार्यक्रम के दौरान बिजली गुल हो गई थी। अधिशासी अभियंता सहित कई लोगों को निलंबित कर दिया गया, जबकि प्रबंधन पर कोई भी कार्रवाई नहीं की गई। रियायती बिजली पर खतरा- संघर्ष समिति ने यह भी बताया कि कर्मचारियों को मिलने वाली रियायती बिजली की सुविधा खत्म करने के लिए जबरन उनके घरों पर स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं, जो कि इलेक्ट्रिसिटी एक्ट 2003, ट्रांसफर स्कीम 2000, और रिफॉर्म एक्ट 1999 का उल्लंघन है।

चंद्रशेखर आजाद ने सीएम योगी को लिखा पत्र,एनएच-27 फोरलेन परियोजना में मुआवजा घोटाले का आरोप, जांच की मांग

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की नगीना लोकसभा सीट से सांसद और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर एक बड़े घोटाले की जांच की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि जालौन जिले के कालपी कस्बे में एनएच-27 फोरलेन परियोजना के तहत हुए मुआवजा वितरण में करोड़ों रुपये का घोटाला हुआ है, जिसमें भू-माफिया और कुछ राजस्व अधिकारी संलिप्त हैं।चंद्रशेखर आजाद ने मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में लिखा है कि कालपी, मौजा आलमपुर स्थित यमुना नदी पुल से मंडी समिति तक निर्मित फोरलेन बाईपास परियोजना के लिए साल 2019 में शासन ने 78 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि प्रभावित भू-स्वामियों को मुआवजा देने के लिए जारी की थी। लेकिन अब तक वास्तविक भू-स्वामियों को मुआवजा नहीं मिला है। जबकि गैर-पात्र लोगों को अफसरों की मिलीभगत से करोड़ों का भुगतान कर दिया गया है।नगीना सांसद ने कहा कि यह सुनियोजित घोटाला है, जिसमें लेखपाल, राजस्व निरीक्षक और नगर पालिका के अधिकारी शामिल हैं। यहां तक कि मास्टरमाइंड ने अपने ससुराल पक्ष और करीबियों को भी अवैध रूप से चेक वितरित कर मुआवजा दिलवा दिया है।

चंद्रशेखर आजाद ने पत्र में इस बात का भी जिक्र किया है कि कालपी खास, दमदमा और पुरानी बस्ती जैसे इलाकों के वास्तविक भू-स्वामी बीते 17 सालों से न्याय के लिए भटक रहे हैं। इन परिवारों की आजीविका, सामाजिक व्यवस्था और बच्चों की शिक्षा-शादी तक प्रभावित हुई है।वहीं नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लिखे गए पत्र के जरिये 4 मांगे की है। उन्होंने मांग की कि मुआवजा वितरण घोटाले की सीबीआई या एसटीएफ से उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। साथ ही घोटाले में शामिल भू-माफियाओं और अफसरों को हिरासत में लेकर सख्त पूछताछ हो।नगीना सांसद ने यह भी कहा कि वास्तविक प्रभावितों को जल्द से जल्द मुआवजा दिया जाए और पूरा प्रकरण भौतिक सत्यापन और सार्वजनिक ऑडिट के जरिए उजागर किया जाए। वहीं सांसद ने इसे सिर्फ आर्थिक अनियमितता नहीं, बल्कि जनहित का गंभीर मामला बताया है और कहा कि मुख्यमंत्री को इसमें तत्काल संज्ञान लेकर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि सबसे पीड़ित वर्ग को न्याय मिल सके।

कबाड़ी, सब्जीवाले, फेरीवाले- नफरत की टूलकिट के नए औजार, जहरीले वॉट्सऐप ग्रुप के तार पाकिस्तान तक!

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के

मुजफ्फरनगर जिले के ककरौली थाना क्षेत्र में पुलिस ने तीन आरोपियों नदीम, मनशेर और रहीश को गिरफ्तार किया है। इन पर पाकिस्तान के एक पुराने हिंसक वीडियो को मुरादाबाद का बताकर वॉट्सऐप ग्रुप के जरिए वायरल करने और सांप्रदायिक तनाव भड़काने का गंभीर आरोप है। पुलिस ने समय रहते एक बड़ी घटना को होने से रोका है। अफवाह से भड़की यह चिंगारी कानून-व?यवस्था की गंभीर समस?या बन सकती थी। लेकिन इस पूरी घटना का सबसे घातक पहलू यह है कि जहरीली अफवाहों के शिकार कबाड़ी, सब्जीवाले, फेरीवाले जैसे तबके के लोग हो रहे थे। इनकी पहुंच समाज के हर वर्ग और मोहल्ले के हर घर तक होती है। ऐसे में अगर नफरत की आंधी में बहकर ये लोन वुल?फ अटैक जैसी घटनाओं को अंजाम देने लग जाते तो पुलिस और प्रशासन को पूरा मामला समझने में ही काफी देर हो जाती।पकड़े गए इन तीन लोगों में मनशेर (45) कबाड़ी है, नदीम (25) सब?जी बेचने वाला है और रहीस (35) फेरीवाला है। इनकी पढ़ाई लिखाई भी महज इतनी ही है कि ये अगर अफवाहें सुनें तो उसमें सही-गलत का फर्क करने विवेक भी इनके पास नहीं है। मनशेर कक्षा 6 तक पढ़ा है वहीं नदीम और रहीस ने कक्षा पांच तक पढ़ाई की है।सोशल मीडिया मॉनिटरिंग के जरि?ए पुलिस की निगाह एक वॉट्सऐप ग्रुप पर पड़ी जिसमें ये तीनों लोग सदस?य थे। लेकिन ऐसे कई ग्रुप और पकड़ में आए हैं जिनमें इसी तरह की अफवाहें फैलाई जा रही थीं। मीडिया में छपी खबरों के अनुसार इनमें से कुछ ग्रुप थे- खिदमत अब्बासी ग्रुप (मेरठ), 450 सदस्य। प्राउड इंडियन मुस्लिम (मुरादाबाद), 450 सदस्य।मुस्लिम समाज जिंदाबाद (मुजफ्फरनगर), 150 सदस्य। ऑल इंडिया एम्प्लोयर ग्रुप, 850 सदस्य ककरौली युवा एकता, (मुजफ्फरनगर), 150 सदस्य। जाहिर सी बात है, इन ग्रुपों में भी इस आर्थिक, सामाजिक और शैक्षिक स्तर के लोग शामिल होंगे। इन सभी ग्रुपों में अपील की गई थी कि इस तरह के मेसेज को ज्यादा से ज्यादा फैलाएं। अगर नजर न पड़ती तो नफरत का यह जहर यूं ही फैलता जाता और एक दिन हिंसा का ज्वालामुखी फटता जिसकी नींव किसी अफवाह पर ही रखी होती।इस पूरी साजिश के तार पाकिस्तान से जुड़ते इसलिए मालूम होते हैं क?योंकि जिस वीडियो को मुरादाबाद का कहकर फैलाया जा रहा है वह पाकिस्तान का था। पाकिस्तान के जिला मुजफ्फरगढ़ में अप्रैल 2024 में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी व सात बच्चों को कुल्हाड़ी से काट दिया था। इस घटना ने यह सवाल खड़ा किया है कि समाज के आम पेशे जैसे कबाड़ी, सब्जीवाले, और फेरीवाले, जो रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा हैं, अगर नफरत की टूलकिट का हिस्सा बन जाएं तो कानून-व्यवस्था के लिए कितना बड़ा खतरा पैदा हो सकता है।

दुनिया का पेट भर सकते हैं उत्तर प्रदेश के किसानःयोगी बोले- जलवायु-मिट्टी के अनुरूप शोध की जरूरत, सरकार काम कर रही है

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के 36वें स्थापना दिवस के मौके पर मंगलवार को आलमबाग के यूपी कृषि अनुसंधान

केंद्र में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर 'कृषि वैज्ञानिक सम्मान समारोह' के साथ 'विकसित कृषि-विकसित उत्तर प्रदेश ऐट2047' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। प्रदेश की कृषि व्यवस्था के भविष्य, नवाचार और स्थायित्व पर मंथन हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। प्रदेश के वरिष्ठ वैज्ञानिक, शिक्षक, शोधार्थी, नीति विशेषज्ञ और छात्र शामिल हुए। संगोष्ठी का उद्देश्य उत्तर प्रदेश की कृषि को वर्ष 2047 तक वैज्ञानिक, टिकाऊ और समृद्ध बनाने की दिशा में ठोस सुझावों को सामने लाना रहा।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश कृषि और कृषि अनुसंधान की दृष्टि से प्रकृति और परमात्मा का कृपा का प्रदेश है। हमारे पास विस्तृत कृषि भूमि है। पर्याप्त जल संसाधन हैं। कृषि भूमि अत्यंत उर्वर है। दुनिया में उत्तर प्रदेश एकमात्र ऐसा राज्य होगा, जिसकी 86 फीसदी से अधिक भूभाग संरक्षित है। एक तरफ प्रकृति और परमात्मा की कृपा है। दूसरी तरफ यहां पर काम करने वाले केंद्र और राज्य सरकार के अंतर्गत काम करने वाले कृषि विश्वविद्यालय का एक विस्तृत संचार है। उत्तर प्रदेश सरकार चार कृषि विश्वविद्यालय संचालित कर रही है। पांचवां कृषि विश्वविद्यालय भी स्थापित हो रहा है।केंद्र सरकार द्वारा भी प्रदेश के अंदर पहले से ही कृषि विश्वविद्यालय संचालित हो रहे हैं। 15 से ज्यादा कृषि अनुसंधान संस्थान काम रहे हैं। 89 कृषि विज्ञान केंद्र भी अपने-अपने क्षेत्र में अपनी अपनी विशेषज्ञ का लाभ प्रदेश के किसानों को प्रदान करते हैं।योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इन सबके बावजूद भी हमारे प्रदेश में अन्नदाताओं की स्थिति बहुत ज्यादा चौंकाने वाली है। प्रदेश के 25 से 30 फीसदी किसान ही वैज्ञानिक शोध और अनुसंधान को प्रभावी ढंग से अपने कृषि में लागू कर पा रहे हैं। यह सच है कि देश के कृषि योग्य कुल भूमि का केवल 11 फीसदी ही उत्तर प्रदेश के अंदर है।यह भी सच है कि देश के खाद्यान्न उत्पादन का हम लोग 20 फीसदी से ज्यादा खाद्यान्न उत्पादन कर रहे हैं। मेरा यह मानना है कि उत्तर प्रदेश की भूमि की समतलीकरण, उर्वरता और जल संसाधन को देखते हुए अभी इसमें तीन गुना अधिक उत्पादन लिया जा सकता है। इसके लिए हमें कृषि शोध और विकास को आगे बढ़ाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे होना होगा।योगी ने कहा कि दुनिया में वही देश विकसित हुए हैं, जिन्होंने अधिक से अधिक शोध और विकास पर ध्यान दिया है। वह अलग-अलग क्षेत्र में हो सकते हैं। किसी ने स्पेस साइंस में किया होगा, तो किसी ने इलेक्ट्रॉनिक फील्ड में। किसी ने एटॉमिक साइंस में। जिसने जहां पर काम किया। वह उस क्षेत्र में आगे बढ़ा।हमारा यह माना है कि उत्तर प्रदेश के अंदर कृषि क्षेत्र में केवल देश का ही नहीं दुनिया का पेट भरने का समर्थ है। कृषि हॉर्टिकल्चर और वेजिटेबल क्रीम बहुत कुछ कर सकते हैं। यहां की जो क्लाइमेटिक जोन है, उस प्रकार के अनुसंधान को आगे बढ़ाने की जरूरत है।प्रकृति के और पर्यावरण के अनुरूप उसी प्रकार के शोध को आगे बढ़ाने के लिए हमारे स्तर पर जो प्रयास होने चाहिए। उसमें और गति देने की आवश्यकता है। ये शोध प्रदेश और देश की प्रगति में

निर्णायक भूमिका में सहयोग कर सकते हैं।योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह आवश्यक नहीं है कि यूरोप के लिए जो उपयुक्त है वह भारत के लिए भी उपयुक्त हो। हमें भारत के जलवायु और मिट्टी के अनुरूप शोध और विकास को आगे बढ़ाने के लिए प्रयास करना होगा।उसर प्रकार के कार्यक्रम में लगातार प्रयास करने होंगे। मैं मानता हूं कि यह सभी संभावना उत्तर प्रदेश के अंदर छिपी हुई है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को 2047 में विकसित भारत का लक्ष्य दिया है। स्वाभाविक रूप से विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में राज्यों को भी अपनी-अपनी भूमिका का निर्माण करना है।मुख्यमंत्री योगी आदित्य ने कहा कि 2047 में जब भारत 30 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी होगा, तब उत्तर प्रदेश कहां होगा? तब उत्तर प्रदेश के प्रति व्यक्ति आय क्या होगी? कृषि के क्षेत्र में इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में उद्योग के क्षेत्र में जीवन के अलग-अलग क्षेत्र में हमारी क्या स्थिति होनी है? विजन 2047 को लेकर के वर्तमान में एक वृहद कार्य योजना के साथ हम आगे बढ़ रहे हैं। यह केवल 2047 को लेकर के नहीं है, हमारे पास कुछ शॉर्ट टर्म भी होगा कि हमारे को दो वर्ष में क्या अचीव करना है? हम केवल 2047 की बात करें और 2027 की बात ना करें। 2029 की बात करें 2035 की बात ना करें तो यह पब्लिक को अपील नहीं कर पाएगी। पब्लिक को अपील करने के लिए हमें दोनों चीज देखनी होगी। हमारे शॉर्ट टर्म लक्ष्य और मीडियम टर्म लक्ष्य क्या होगा? हमारी लॉन्ग टर्म प्लानिंग क्या होगी? हमें तीनों प्रकार के कार्यक्रम को लेकर के आगे चलना होगा। योगी ने किसानों की समृद्धि बढ़ाने का प्रयास किया है कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि इस साल 2024-25 का खरीफ सीजन रहा है।

साईं हॉस्पिटल में सर्वाइकल कैंसर शिविर का हुआ आयोजन

सोनभद्र। साईं हॉस्पिटल, पिपरी रोड, रॉबर्ट्सगंज,मे सोमवार को सिरम इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंडिया के द्वारा साईं हॉस्पिटल कैंपस में एचपीवी टीकाकरण का कैंप लगाया गया जिसमें 150 से अधिक एचपीवी का टीकाकरण किया हुआ संस्थान के प्रबंधक डॉक्टर अनुपमा सिंह ने बताया कि 9 से 14 वर्ष की आयु की लड़कियों के लिए गर्भाशय ग्रीवा, योनि और गुदा कैंसर को रोकने के लिए है। ह्यूमन पेपिलोमावायरस (एचपीवी) वैक्सीन की सिफारिश की जाती है यह वैक्सीन सुरक्षित और प्रभावी है जो एचपीवी से संबंधित बीमारियों से दीर्घकालिक सुरक्षा प्रदान करती है। सर्वाइकल कैंसर आज के समय में महिलाएं तेजी से शिकार हो रही है। इसके प्रति जागरूकता की कमी और चेकअप में देरी होने के कारण यह एक जानलेवा रूप ले लेता है, संबंधित समस्या बन चुकी है, यह टीका आमतौर पर सुरक्षित है लेकिन इसके कुछ हल्के दुष्प्रभाव हैं जैसे की इंजेक्शन लगाने के स्थान पर थोड़ा सा दर्द या फिर लाल पड़ जाना गर्भावस्था के दौरान इसे लेने की मनाही होती है लेकिन ब्रेस्टफीडिंग करने वाली महिलाएं इसे सुरक्षित रूप से ले सकती हैं। इस कार्यक्रम शिविर में एस बी.एस इंटरनेशनल स्कूल शाहगंज सोनभद्र के प्रधानाचार्य तथा छात्राएं और डॉक्टर शशांक सिंह, डॉक्टर आकांक्षा सिंह अस्पताल के कर्मचारी डॉक्टर शालू अग्रहरि, डॉ दिव्या, डॉक्टर अनीश यादव, सोलिया मौर्या, राजन सोनी,प्रीतम, अनुराधा, जूही सिंह उपस्थित रहे।

किसानो की समस्या को लेकर कांग्रेसियों का विरोध प्रदर्शन

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश कॉग्रेस के अध्यक्ष अजय राय के आह्वान पर पूरे प्रदेश मे जिला और तहसीलों मुख्यालयो पर किसानो की समस्याओं पर विरोध प्रदर्शन करने का फरमान जारी किया,जिससे क्रम मे सोनभद्र जिला अध्यक्ष रामराज गौड़ के नेतृत्व में घोरावल तहसील पर प्रदर्शन कर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा गया वहीं जिलाधिकारी कार्यालय पर शहर कॉग्रेस कार्यकर्ताओं ने शहर अध्यक्ष फरीद अहमद की अगुवाई मे किसानो की समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी कार्यालय पर पहुंचकर विरोध प्रदर्शन कर जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौपा गया त शहर अध्यक्ष फरीद अहमद ने कहा प्रदेश मे खरीफ की बुवाई चल रही है ,किसानो को इस समय धान की फसल के लिए यूरिया खाद और सिचाई के लिए पानी की अत्यंत आवश्यक है त बीजेपी ने अपने चुनावी संकल्प पत्र मे किसानो को मुफ्त बिजली एवं उनकी आय दोगुनी करने का वादा किया था, लेकिन यह वादा पूरी तरह खोखला साबित हुआ था । क्वाडीनेटर चंदौली राजीव त्रिपाठी ने कहा की डबल इंजन की सरकार किसानो को मुफ्त बिजली देना तो दूर बिजली कटौती से सिचाई के लिए पानी नहीं मिल पा रहा है त और खाद के लिए दर दर भटकाना पड़ रहा है त आज किसान यूरिया और सिचाई के लिए त्राहि त्राहि कर रहा है है त कॉग्रेस जिला प्रवक्ता शत्रुंजय मिश्रा ने कहा यूरिया खाद के लिए किसान सहकारी समितियों और निजी दुकानों पर कालाबाजारी के चलते इस उमस की गर्मी मे दिन दिन भर लाइन लगाना पड रहा है । प्रदेश का अन्नदाता आज खुद को ठगा महसूस कर रहा है त बीजेपी की दोहरी नितो से अपनी बदहाली पर आशु बहा रही है, कॉग्रेस हमेशा किसानो के हितों के लिए संघर्ष करती है त कॉग्रेस पार्टी खाद,बिजली, सिचाई की समस्याओ पर बड़ा आंदोलन करेगी ध इस मौके पर ब्लॉक कॉग्रेस अध्यक्ष रॉबर्ट्सगंज अमरेश देव पांडे, सइद खान, शीतला पटेल, शिव प्रसाद, सुधाकर, प्रांजल श्रीवास्तव, आशीष शुक्ला, विमल चौबे, प्रदीप चौबे, सलीम भाई, गुड़िया, शाहिल खान, बृहस्पति भारती, गणेश विश्वकर्मा, देवेन्द्र शर्मा, शलीमुददीन, देवेन्द्र शर्मा सहित तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संविदा चिकित्सक सी एम ओ की मेहरबानी से क्षेत्रीय जनों में आक्रोश,बहुआरा में नियुक्ति पर केकराही में कई वर्षों से किए गए हैं अटैच

डाक्टर द्वारा लिखे गए पैथोलॉजी से जांच न कराने पर किया जाता है सौतेला व्यवहार

सोनभद्र/केकराही। करमा विकास खंड स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र केकराही पर नियुक्त संविदा चिकित्सक के ऊपर उत्तर प्रदेश सरकार के स्वास्थ्य मंत्री के निर्देश का कोई असर नहीं दिख रहा।बताते चलें कि केकराही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर नियुक्त संविदा चिकित्सक डा राकेश कुमार मौर्य जिनकी नियुक्ति स्थल बहुआरा के लिए है,अपनी पैठ बना कर केकराही अस्पताल में अंगद की तरह पैर जमाए हुए है। आए दिन इनके कृत्यों से हंगामा होना आम बात हो गई है,परन्तु सी एम ओ साहब की मेजबानी से मरीजों के शिकायत इनके खिलाफ कोई कार्यवाही को कौन कहे इन्हें मूल पद पर भी नहीं भेजा जा रहा है। 21/07 को इनका फिर एक कारनामा उजागर होते ही हंगामा शुरू हो गया। कसया कला गांव निवासी अनूप विश्वकर्मा अपने बेटे मनीष विश्वकर्मा का इलाज कराने केकराही पी एच सी पहुंचे, तो वहां ड्यूटी में तैनात डाक्टर राकेश मौर्य सीबीसी जांच कराने हेतु लिखे,और बोले कि अस्पताल की मशीन खराब है,सामने सोनभद्र पैथोलॉजी पर जांच करा लो, जब उसने कहा कि मेरे पास इतना पैसा नहीं है, किसी अन्य पैथोलॉजी पर जांच करा ले तो मरीज पर बिगड़ गए।उसके साथ सौतेला व्यवहार करते नजर आए। यह इनका कोई पहला कारनामा नहीं है,इसके पूर्व भी इन्होंने कसया कला गांव निवासी ओम प्रकाश, पापी निवासी रामजी,बैजनाथ,बसदेवा गांव निवासी रमेश प्रसाद के परिजनों के साथ भी ऐसा प्रकरण किया जा चुका हैं। जब उनसे इस संबंध में पूछा गया तो पहले उन्होंने साफ इनकार कर दिया। जब मरीज के परिजन अनूप विश्वकर्मा से बात कराई गई तो घबराकर बोले ख्याल नहीं आ रहा है। जब उनसे पूछा गया कि यह आप के खिलाफ तीसरी बार स्थिति उत्पन्न हुई है तो उन्होंने कहा प्लीज आगे ध्यान रखा जाएगा।क्षेत्रीय जनों का कहना है कि सी एम ओ साहब के सामने कौन ऐसी मजबूरी है कि इन्हें मूल पद व नियुक्ति स्थल पर भेजने में असमर्थ हैं। ए बी वी पी के पदाधिकारी ललितेश मिश्र एवं दीपक दुबे ने सी एम ओ का ध्यान आकृष्ट कराते हुए आगाह किया कि यदि इन्हें तत्काल बहुआरा मूल तैनाती स्थल पर स्थानांतरित नहीं किया जाता तो विवश होकर क्षेत्रीय लोगों के हित में धरना प्रदर्शन हेतु बाध्य होना पड़ेगा। जब इस संबंध में सी एम ओ से संपर्क किया गया तो काल रिसीव नहीं की गई।

गर्भवती महिलाएं आंगनबाड़ी केंद्र पर कराएं पंजीकरण- विनीत सिंह,दो दिनों में 90 लोगों का कराया गया पंजीयन

सोनभद्र। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के लाभों को अधिक से अधिक पात्र महिलाओं तक पहुंचाने हेतु जनपद सोनभद्र में बीते दिनों से 31 जुलाई 2025 तक विशेष जागरूकता एवं प्रचार-प्रसार अभियान चलाया जा रहा है। यह जानकारी जिला कार्यक्रम अधिकारी विनीत सिंह ने दी। श्री सिंह ने बताया कि पिछले दो दिनों में 90 लोगों का पंजीयन कराया जा चुका है 31 जुलाई तक 1200 लोगों का टारगेट केंद्र सरकार द्वारा दिया गया है वही उन्होंने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य है कि गर्भावस्था की प्रारंभिक अवस्था में महिलाओं को समय पर योजना का लाभमिले, जिससे उनके पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित हो सके। साथ ही आर्थिक सहयोग के माध्यम से गर्भवती महिलाओं को आवश्यक सहायता भी प्राप्त हो सके। इस अभियान की सफलता के लिए जिला कार्यक्रम अधिकारी ने सभी बाल विकास परियोजना अधिकारियों, मुख्य सेविकाओं एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को अपने-अपने क्षेत्र में सक्रिय रूप से प्रचार-प्रसार करने के लिए निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चत किया जाए कि कोई भी पात्र महिला योजना के लाभ से वंचित न रहे। योजना के अंतर्गत मिलने वाले लाभ प्रथम संतान (बालक/बालिका) पर पहली किस्त रु3000 दूसरी किस्त रु2000 वही द्वितीय संतान पर (केवल बालिका के लिए) एकमुश्त 6000 हजार रुपए दिए जाएंगे ।वही जिला कार्यक्रम अधिकारी ने आमजन से अपील करते हुए कहा है कि यदि आपके आस-पास कोई गर्भवती महिला निवास करती हो जो योजना की पात्रता रखती हो, तो कृपया उसे अपने नजदीकी आंगनबाड़ी केंद्र पर पंजीकरण करवाने हेतु प्रेरित करें, ताकि वह इस महत्वपूर्ण योजना का लाभप्राप्त कर सके।

शिक्षा पर आघात, महापुरूषों का अपमान नहीं बर्दाश्त करेगी सरदार सेना,शिक्षा पर योगी सरकार अपनी दूषित मानसिकता बदले

सरदार सेना ने किया आह्वान बिलों को सुधारे अन्यथा हम सुधार देंगे

सोनभद्र। सरदार सेना ने मंगलवार को देश में घटित होने प्रमुख मुद्दों पर कलेक्ट्रेट परिसर में विरोध प्रदर्शन करते हुए राज्यपाल नामित ज्ञापन जिला अधिकारी प्रतिनिधि को देखकर बुलंद की आवाज।वही अमरेश कुमार जिला जिलाध्यक्ष ने बताया कि सरदार सेना प्रमुख डा. आर. एस. पटेल के निर्देश पर उत्तर प्रदेस के विभिन्न जनपदों के मुख्यालयों पर सौंपा गया। इस दौरान सरदार सेना के नियुक्त प्रभारियों के जिसमें क्रमशः 3 सूत्रीय 4.5 सूत्रीय मांग को रखा गया। प्रथम मामले में सरदार बेना ने अपना गुस्सा जाहिर करते हुए कहा कि अर्मागदित टिप्पणी करना माफी योग्य नहीं है।एक साक्षात्कार के दौरान भाजपा सासंद कंगना रनौत हमारे भरत रत्न लोह पुरुष की हैं सरदार पटेल को अंग्रेजी नहीं आती इसी लिए प्रधानमंत्री नहीं बन पाए। यह राष्ट्र निर्माता लौहपुरुष सरदार पटेल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर हमला है, यह राष्ट्र पर हमला है। में कहना चाहता हूं कि भाजपा पाले अपना दोहरा चरित्र दिखाना बंद करें। एक तरफ उनके सांसद हमारे महापुरूषों पर गलत टिप्पणी करते हैं तो दूसरी तरफ वोट के खातिर हमारे महापुरुषों के सम्मान का महज दिखाया करते हैं। में कड़े शब्दों में इसका विरोध करता है और भाजपा दोगली राजनीति करना बंद करे। यदि भाजपा सच में महापुरुषों का सम्मान करती है तो कंगना रनौत पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करते हुए राष्ट्रद्रोह का केस दर्ज करे तथा संसद सदस्यता रद्द करें। वहीं दूसरा मामला सरदार सेना प्रमुख डा. आर. एस. पटेल ने कहा कि उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने तुगलकी फरमान जारी कर 5 हजार सरकारी स्कूलों को बंद कर दिया और गरीब, पिछड़े व दलित के नौनिहालों से शिक्षा के अलख को दूर कर दिया। यह विलय का आदेश सोधे तौर पर सार्वजनिक शिक्षा पर हमला है, यह मौलिक अधिकार परं हमला है। यह आदेश न केवल सार्वजनिक स्कूली शिक्षा प्रणाली के व्यवस्थित विघटन की शुरुआत करेगा, चल्कि शिक्षा और समानता के संकट को भी गहरा करेगा। सरदार सेना के वक्ताओं ने आगे कहा कि लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल मौलिक अधिकार के चेयरमैन थे। शिक्षा जैसे मौलिक अधिकार पर हमला सरदार पटेल के विचारों पर हमला माना जायेगा। बाचा साहेब ने संविधान में मौलिक अधिकार के तहत शिक्षा को अनुच्छेद 21-ए के तहत सभी के लिए अनिवार्य किया था। लेकिन वर्तमान सरकार ने किलय कर पिछड़े दलितों के बच्चों से यह अधिकार छिनने पर जूली हुई है। वहीं पिछड़ा वर्ग से आने वाले शिक्षक रजनीश गंगवार के द्वारा रचित गीत 'कावड़ लेने मत जाना तुम, ज्ञान के दीप जलाना' जो शिक्षा का अलख जगाता है लेकिन योगी सरकार के आंखों की चुभन बन गयी और उनपर एफआईआर दर्ज करा दी गयी। जो सरासर गलत है। उपरोक्त दी ज्ञापनों में सरदार सेना ने पहले ज्ञापन में तीन सूत्रीय मांग की को लेकर बुलन्द किया आवाज। वही 1) राष्ट्र निर्माता लोहपुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल के ऊपर अभद्र टिप्पणी करने वाली भाजपा सांसद कंगना रनौत के खिलाफ तत्काल राष्ट्रद्रोह की धारा में एफआईआर दर्ज किया जाय। 2) भाजपा के सांसद कंगना रनीत के खिलाफ तत्काल सख्त कानूनी कार्यवाही किया जाय। 3) भाजपा सांसद कंगना रनौत को तत्काल गिरफ्तार कर जेल भेजा जाय।

हत्या के दो दोषियों को उम्रकैद,30-30 हजार रुपये अर्थदंड,अर्थदंड न देने पर 4-4 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी

जेल में बितायी अवधि सजा में होगी समाहित,करीब साढ़े 4 वर्ष पूर्व हुए संत कुमारी हत्याकांड का मामला

सोनभद्र। करीब साढ़े 4 वर्ष पूर्व हुए संत कुमारी हत्याकांड के मामले में मंगलवार को सुनवाई करते हुए अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम जीतेंद्र कुमार द्विवेदी की अदालत ने दोषसिद्ध पाकर दो दोषियों को आजीवन कारावास व 30-30 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 4-4 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित होगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक राजकुमार पुत्र अमृतलाल निवासी कनहरा टोला मझौली,थाना ओबरा, जिला सोनभद्र ने 9 सितंबर 2020 को ओबरा थानाध्यक्ष को दी तहरीर में अवगत कराया था कि 8/9 सितंबर 2020 की रात में उसकी बुआ संत कुमारी अपने दो बच्चों सीता 10 वर्ष व सूरज 5 वर्ष को लेकर घर मे सोई थी। उसकी बुआ दोनों हाथ औ? पैर से विकलांग थी। जब रात करीब 1:30 बजे सीता दरवाजा खोलकर लघुशंका के लिए गई तभी घात लगाकर बैठे गांव के सैफुद्दीन पुत्र इसहाक व बब्बू उर्फ मोहम्मद कलाम पुत्र मोहम्मद शरीफ घर में घुसकर उसकी बुआ संत कुमारी को गला दबाकर मारने पीटने लगे। बुआ के शोरगुल पर सीता पहुंची और बीच बचाव करना चाही तो सीता का भी गला दबाकर मारने लगे। किसी तरह जान बचाकर सीता भागी तो शोरगुल सुनकर आसपास के लोग आ गए तो बुआ संत कुमारी की हत्या करके दोनों बाहर निकलकर भाग गए। दोनों को भागते हुए उसके अलावा गांव घर के तमाम लोगों ने देखा। बुआ का शव घर में पड़ा हुआ है। आवश्यक कार्रवाई करें। इस तहरीर पर पुलिस ने हत्या समेत विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दिया। विवेचना के दौरान विवेचक ने पर्याप्त सबूत मिलने पर कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान व पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोनों दोषियों सैफुद्दीन व बब्बू उर्फ मोहम्मद कलाम को आजीवन कारावास व 30-30 हजार रुपये अर्थदण्ड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 4-4 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित होगी। अभियोजन पक्ष की ओर से सरकारी वकील विनोद कुमार पाठक ने बहस की।

खेत में खाद छिड़कने के विवाद में मजदूर की हत्या-दौड़ा- दौड़ा कर लाठी से पीटा,मौत

सोनभद्र। जिले के घोरावल कोतवाली क्षेत्र के विसुंधरी गांव में एक मजदूर युवक की लाठी से पीट- पीटकर हत्या कर दी गई। घटना में एक ही परिवार के छह लोग आरोपी बताए जा रहे हैं। पुलिस ने सभी आरोपियों पर केस दर्ज कर लिया है और उनकी तलाश में दबिश दी जा रही है। मंगलवार सुबह पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल के मर्चरी हाउस भेज दिया।घोरावल कोतवाली क्षेत्र के विसुंधरी गांव निवासी कन्हैया पुत्र स्व. जोखन ने पुलिस को तहरीर देकर बताया है कि उसके पुत्र बाबूलाल (45) की गांव के ही कयर पुत्र शिवधानी और उसके परिजनों ने लाठी डंडे से पीट- पीटकर हत्या कर दी। कन्हैया ने बताया कि विसुंधरी गांव के ही कयर पुत्र शिवधानी ने अपना खेत घोरावल कोतवाली क्षेत्र के खुटहा गांव निवासी सीताराम के यहां रेहन रखा है। जिससे सीताराम उस खेत पर खेती करा रहा है।सोमवार को सीताराम ने बाबूलाल से खेत में खाद डालने के लिए बोला। इस पर बाबूलाल खेत में खाद छिटने लगा। इसी दौरान खेत स्वामी कयर वहां पहुंचा और बाबूलाल को खेत में खाद डालने से मना किया। कयर ने सीताराम से कहा कि वह किसी और से खाद छिटवाए, लेकिन बाबूलाल से काम न कराए। उधर, शाम को बाबूलाल अपने घर जा रहा था। आरोप है कि इसी दौरान अपने घर के पास सड़क पर कयर, उसकी पत्नी लक्षनी, तीन पुत्रगण सुरेश, ओमप्रकाश व गोरख, उसकी बहू व अज्ञात ने लाठी डंडा लेकर बाबूलाल पर हमला कर दिया। बाबूलाल ने भागने का प्रयास किया लेकिन भाग नहीं सका।आरोप है कि हमलावरों ने उसे दौड़ा- दौड़ा कर लाठी डंडे से पीटा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। बाबूलाल की आवाज सुनकर उसके परिवार के लोग घटनास्थल पर पहुंचे तो सभी आरोपी मौके से भाग गए। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची एंबुलेंस द्वारा गंभीर रूप से घायल बाबूलाल को घोरावल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। हालत गंभीर होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।घटना की सूचना मिलने पर प्रभारी निरीक्षक रामस्वरूप वर्मा, घोरावल चौकी प्रभारी अजय कुमार श्रीवास्तव पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल की। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक रामस्वरूप वर्मा ने बताया कि मृतक बाबूलाल के शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है। कयर, उसकी पत्नी लक्षनी, तीन पुत्र सुरेश, ओमप्रकाश व गोरख, उसकी बहू के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं में एफआईआर दर्ज किया गया है। सभी आरोपी फरार हैं। उनकी तलाश में पुलिस टीम लगातार दबिश दे रही है।

समाजवादी मजदूर सभा ने किया विरोध प्रदर्शन,मांगों को लेकर राज्यपाल नामित ज्ञापन जिलाधिकारी प्रतिनिधि को दिया

सोनभद्र। समाजवादी पार्टी मजदूर सभा कार्यकर्ताओं द्वारा मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर में अपनी मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन करते हुए राज्यपाल नामित ज्ञापन जिलाधिकारी प्रतिनिधि को देकर बुलंद की आवाज । प्रदेश सचिव मुकेश सिंह व जिला अध्यक्ष छेदीलाल राजभर ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार की तानाशाह रवैया के चलते प्रदेश के किसान मजदूर तथा नौजवान भूखमरी के कगार पर पहुँच गये है। जहाँ प्रदेश सरकार की गलत नीतियों की वजह से इस प्रदेश का किसान, मजदूर, रोजगार के लिए अन्य प्रदेशों में पलायन को मजबूर है, वहीं पढ़ा-लिखा नौजवान रोजगार ना मिलने पर आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त हो रहा है। प्रदेश का दुर्भाग्य है कि, जहाँ इस प्रदेश के लगभग 5 हजार प्राथमिक विद्यालय बंद करना व मन्दिरों व धार्मिक मेलों पर सरकारी बजट को बढ़ाना सरकार की अदूरदर्शिता स्पष्ट होती है। दूसरी तरफ पुलिस की निरंकुशता ने प्रदेश के थानों में हो रही बन्दियों की मौत के आकड़ों ने आजादी के बाद के सारे रिकार्ड तोड़ दिए है। समाजवादी मजदूर सभा उत्तर प्रदेश के कार्यकर्ता अपने पांच सूत्रीय मांग पत्र प्रेषित कर रहे है।इस मौके पर भुवनेश्वर ,दीपक, सोनू, सरदार परमवीर सिंह, समीर श्री राम दिनेश आदि लोग मौजूद रहे ।

सोनभद्र के जंगल में मिला यह अनोमल 'खजाना', बदल जाएगी देश की तकदीर

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले के म्योरपुर ब्लॉक में स्थित चितपहरी जंगल में परमाणु ऊर्जा विभाग ने बड़े पैमाने पर यूरेनियम खनन की खोज शुरू की है. विभाग की एक विशेष टीम ने 1100 फीट गहरी खुदाई शुरू की है, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में यूरेनियम जैसे महत्वपूर्ण खनिजों की मौजूदगी की पुष्टि करना है. इस अभियान को सुरक्षा कारणों से पूरी तरह गुप्त रखा गया है, और तकनीकी उपकरणों का उपयोग कर विशेषज्ञ इस प्रक्रिया को अंजाम दे रहे हैं.परमाणु ऊर्जा विभाग के अनुसार, सोनभद्र के चितपहरी जंगल में खनिजों की संभावना की जांच के लिए यह खुदाई शुरू की गई है. प्रारंभिक सर्वेक्षणों में इस क्षेत्र में यूरेनियम के भंडार होने के संकेत मिले हैं. विभाग ने अत्याधुनिक तकनीकी उपकरणों, जैसे कि इलेक्ट्रोमैग्नेटिक और स्पेक्ट्रोमीटर डिवाइस, का उपयोग कर हवाई और जमीनी सर्वेक्षण किए हैं. यह अभियान सोनभद्र के कुदरी पहाड़ी क्षेत्र में केंद्रित है, जहां पहले भी खनिजों की मौजूदगी की संभावना जताई गई थी.

मैनचेस्टर टेस्ट की प्लेइंग-11 में 2 बदलाव करेगी टीम इंडिया:रेड्डी और आकाशदीप इंजर्ड, कम्बोज कर सकते हैं डेब्यू; शार्दूल की वापसी संभव

नयी दिल्ली। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट की प्लेइंग-11 में टीम इंडिया कम से कम 2 बदलाव तो जरूर करेगी। लॉर्ड्स टेस्ट खेलने वाले आकाशदीप और नीतीश कुमार रेड्डी इंजर्ड हो गए हैं। ऐसे में दोनों प्लेइंग-11 से बाहर होंगे। उनकी जगह प्रसिद्ध कृष्णा, शार्दूल ठाकुर और अंशुल कम्बोज में से किन्हीं 2 प्लेयर्स को मौका मिल सकता है। मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम में चौथा टेस्ट 23 जुलाई को दोपहर 3.30 बजे से शुरू होगा। इंग्लैंड ने पहला और तीसरा टेस्ट जीतकर सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है। भारत ने दूसरा मुकाबला जीता था। टॉप ऑर्डर में करुण नायर की जगह तय नहीं यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ही चौथे टेस्ट में भी ओपनिंग करते नजर आएंगे। राहुल सीरीज में 2 सेंचुरी लगा चुके हैं, उन्होंने लॉर्ड्स में भी शतक लगाया था। वहीं यशस्वी के नाम भी सीरीज में एक सेंचुरी है। हालांकि, नंबर-3 पोजिशन पर खेलने वाले करुण नायर बाहर हो सकते हैं। नंबर-6 पोजिशन पर पिछले मुकाबले में रवींद्र जडेजा को मौका मिला था। हालांकि, पंत अगर विकेटकीपिंग नहीं कर सके तो ध्रुव जुरेल को बतौर विकेटकीपर प्लेइंग-11 में मौका देना पड़ सकता है। अगर उन्हें खिलाया गया तो नायर या ध्रुव जुरेल को मौका मिल सकता है। सुदर्शन ने पहला टेस्ट खेला था, लेकिन बाकी 2 मुकाबलों में

उन्हें बाहर बैठाया गया। वहीं जुरेल ने पिछले मुकाबले में ऋषभ पंत के इंजर्ड होने के बाद विकेटकीपिंग की थी। मिडिल ऑर्डर में जुरेल की वापसी संभव ऋषभ पंत लॉर्ड्स टेस्ट में विकेटकीपिंग करने के दौरान इंजर्ड हो गए थे। ऐसे में वे चौथे टेस्ट में विकेटकीपर की भूमिका नहीं निभा पाएंगे। कप्तान शुभमन गिल नंबर-4 और पंत नंबर-5 पर बैटिंग करते हैं। शार्दूल ने सीरीज का पहला मुकाबला खेला था, वहीं कुलदीप अब तक एक भी मैच नहीं खेल सके। रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर के रूप में टीम के पास 2 ऑलराउंडर पहले से हैं। जडेजा सीरीज में लगातार 4 फिफ्टी लगा चुके हैं। नायर सीरीज की 6 पारियों में एक फिफ्टी तक नहीं लगा सके। उनका बेस्ट स्कोर 40 रन है। ऐसे में टीम मैनेजमेंट को फैसला लेना है कि उन्हें एक और मौका दिया जाए या नहीं। अगर करुण को बाहर किया गया तो साई सुदर्शन को बाहर बैठाया जा सकता है। इस कंडीशन में नंबर-3 पर वॉशिंगटन सुंदर या जुरेल में से किसी एक को मौका मिलेगा।नीतीश कुमार रेड्डी ने लॉर्ड्स टेस्ट में अपनी बॉलिंग से प्रभावित किया था। उनकी ऑलराउंड स्किल को देखते हुए उन्हें चौथे टेस्ट में भी मौका जरूर मिलता। हालांकि, वे घुटने में इंजरी के कारण बाहर हो गए। उनकी जगह अब ऑलराउंडर शार्दूल ठाकुर या स्पिनर कुलदीप यादव में से किसी एक को मौका मिल सकता है। शार्दूल ने सीरीज का पहला मुकाबला नहीं खेल पाएंगे। केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, वॉशिंगटन सुंदर, शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, शार्दूल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और अंशुल कम्बोज।

जरूरत की खबर- बरसात में बढ़ता इलेक्ट्रिक शॉक का रिस्क,करंट लगते ही उठाएं ये 3 जरूरी कदम, फर्स्ट एड में न करें ये 4 बड़ी गलतिया

नयी दिल्ली। बारिश के मौसम में करंट लगने की घटनाएं बढ़ जाती हैं। गीले कूलर, टूटे बिजली के तार या खंभों के संपर्क में आने से करंट लगने और मौत की खबरें आम हो जाती हैं। इलेक्ट्रिक शॉक यानी करंट लगना बेहद खतरनाक स्थिति हो सकती है। कभी यह सिर्फ हल्का झटका होता है, लेकिन कई बार यह जानलेवा साबित होता है। इससे दिल की धड़कन रुक सकती है या शरीर के अंदरूनी अंग गंभीर रूप से प्रभावित हो सकते हैं। सबसे मुश्किल बात तब होती है, जब बाहर से कोई चोट नजर न आए, लेकिन अंदर गहरी क्षति हो चुकी होती है। ऐसे में अगर समय पर सही फर्स्ट एड मिल जाए तो किसी की जान बचाई जा सकती है। चलिए सवाल जवाब के माध्यम से समझते हैं एक्सपर्टः डॉ. बॉबी दीवान, सीनियर फिजिशियन, दिल्ली से. सवाल- इलेक्ट्रिक शॉक क्या होता है? जवाब- हमारा शरीर बिजली को कंटक्ट करता है। जब कोई व्यक्ति बिजली के सोर्स के संपर्क में आता है तो करंट उसके शरीर के ऊतकों (टिशू) से होकर गुजरता है। इस तरह की चोट को इलेक्ट्रिकल इंजरी या इलेक्ट्रोक्यूशन भी कहा जाता है। सवाल- इलेक्ट्रिक शॉक लगने पर शरीर पर क्या असर होता है? जवाब- जब किसी को इलेक्ट्रिक शॉक लगता है तो इसका असर हल्का झटका भी हो सकता है और गंभीर चोट भी। यह इस बात पर निर्भर करता है कि करंट कितना तेज था, कितनी देर तक शरीर में बहा और किस हिस्से से होकर गुजरा। कई बार शरीर पर बाहर से कोई निशान नहीं दिखता, लेकिन अंदरूनी अंगों को गहरी चोट पहुंच सकती है।सवाल- इलेक्ट्रिक शॉक के लक्षण तुरंत नहीं दिखते हैं। शॉक के कुछ घंटे बाद भी मसल्स में जकड़न, सांस लेने में तकलीफ या

लगने पर तुरंत क्या करना चाहिए? जवाब- जब किसी को करंट लगे तो सबसे जरूरी है घबराने के बजाय शांत रहकर समझदारी से काम लेना। सबसे पहले यह देखें कि व्यक्ति को अभी भी करंट लग रहा है या नहीं। अगर करंट जारी है तो सीधे उसे छूने की कोशिश न करें, वरना आपको भी झटका लग सकता है। पहले बिजली के सोर्स को बंद करें या लकड़ी जैसी किसी सूखी, नॉन-कंडक्टिव चीज से व्यक्ति को करंट से अलग करें। इसके अलावा कुछ और जरूरी बातों का ध्यान रखना चाहिए। इन्हें नीचे दिए गए ग्राफिक में समझाया गया है। जवाब- जब किसी को करंट लगे तो उसे बचाने की कोशिश करते वक्त कुछ बड़ी गलतियां नहीं करनी चाहिए क्योंकि इससे आप खुद खतरे में पड़ सकते हैं।सवाल- इलेक्ट्रिक करंट लगने के कितने समय बाद तक खतरा हो सकता है? जवाब- कई बार करंट लगने से हार्ट रिदम में गड़बड़ी हो सकती है। इसलिए अगर व्यक्ति को बेहोशी, थकान, धड़कन तेज या दर्द जैसे लक्षण महसूस हों तो तुरंत ईसीजी और मेडिकल जांच कराना जरूरी है।सवाल- इलेक्ट्रिक शॉक के बाद किन टेस्ट की जरूरत पड़ सकती है? जवाब- आमतौर पर ऐसी स्थिति में डॉक्टर ईसीजी, ब्लड टेस्ट, स्किन बर्न एसेसमेंट,सिटी स्कैन या एमआरआई करवाने की सलाह देते हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि करंट का असर दिल, नसों या शरीर के किसी अंग पर तो नहीं हुआ है। सवाल- घर में करंट से बचाव के लिए कौन-कौन से जरूरी सेफ्टी टिप्स अपनाने चाहिए? जवाब- बिजली से जुड़ी लापरवाही जानलेवा हो सकती है, इसलिए सतर्क रहना जरूरी है। सबसे पहले एमसीबी और ईएलसीबी जैसे सेफ्टी डिवाइस जरूर लगवाएं, जो किसी भी गड़बड़ी या करंट लीक होने पर तुरंत बिजली सप्लाई बंद कर देते हैं। इसके अलावा कुछ अन्य सावधानियां भी बरतें। जैसेकि- घर की वायरिंग की समय-समय पर जांच कराते रहें। खासतौर पर अगर घर पुराना है और बार-बार फ्यूज उड़ते हैं। साथ ही पुराने, खुले या टूटे तारों को तुरंत बदलवाएं। बिजली के उपकरणों को गीले हाथों से छूने से बचें। बच्चों की सुरक्षा के लिए खुले प्लग पॉइंट पर प्लास्टिक कवर लगाएं और उन्हें बिजली से जुड़े सामानों से दूर रखें। बरसात के मौसम में विशेष सावधानी बरतनी चाहिए क्योंकि नमी और पानी करंट लगने का खतरा बढ़ा देते हैं। गीली दीवारों पर लगे स्विच या तार से करंट लीक हो सकता है।इसके अलावा कम क्वालिटी वाले मल्टीप्लग या एक्सटेंशन बोर्ड का ज्यादा इस्तेमाल न करें और समय-समय पर सभी इलेक्ट्रिक उपकरणों की स्थिति चेक करते रहें। याद रखें कि बिजली से जुड़ा कोई भी काम स्वयं न करें, हमेशा किसी प्रशिक्षित इलेक्ट्रिशियन से ही करवाएं। छोटी-छोटी सावधानियां बड़े हादसे टाल सकती हैं।सवाल- शॉक लगने के बाद शरीर में दर्द या जलन कितने दिन तक रह सकती है?जवाब- अगर करंट से मसल्स, नस या स्किन पर चोट आई है तो उसका दर्द या जलन कुछ दिनों से लेकर कई हफ्तों तक रह सकती है। जलने की स्थिति में घाव धीरे-धीरे भरते हैं। कुछ मामलों में फिजियोथेरेपी की भी जरूरत पड़ती है। ऐसे में ध्यान रखें कि डॉक्टर की सलाह से ही दवाएं और देखभाल करनी चाहिए। खासकर जब जलन गहरी हो या छाले पड़ गए हों।

फिजिकल हेल्थ- मानसून में हाइड्रेशन से जुड़े मिथःक्या बारिश में नहीं होता पसीना, क्या कम पानी पीना ठीक है, बता रहे हैं डॉक्टर

नयी दिल्ली। मानसून में बारिश से तापमान कम हो जाता है, लेकिन शरीर की पानी की जरूरत कम नहीं होती है। नमी और ठंडक के बावजूद शरीर से पसीने और यूरिन के जरिए पानी जाता रहता है। इसलिए पानी पीते रहना जरूरी है। कई लोग सोचते हैं कि ज्यादा पानी पीना हमेशा फायदेमंद होता है, जबकि हद से ज्यादा पानी पीने से इलेक्ट्रोलाइट्स का संतुलन बिगड़ सकता है और हाइपोनैट्रेमिया जैसी समस्या हो सकती है। सबसे कॉमन गलतफहमी यह है कि प्यास लगना ही पानी की जरूरत का संकेत है। हकीकत में, प्यास एक देर से आने वाला संकेत है- खासकर मानसून जैसे मौसम में जब प्यास कम लगती है। इस तरह के सभी मिथकों की सच्चाई जानना जरूरी है, ताकि मानसून में भी शरीर हाइड्रेटेड और स्वस्थ बना रहे।मिथक 1ः बारिश के मौसम में कम पानी पीने की जरूरत होती है। सच्चाईः भले ही मानसून में गर्मी कम होती है और पसीना कम निकलता है, लेकिन शरीर की पानी की जरूरत वैसी ही बनी रहती है। असल में हवा में नमी ज्यादा होने से पसीना जल्दी सूख जाता है, जिससे यह लगता है कि हमें पसीना नहीं आ रहा है। हालांकि, शरीर में लगातार वाष्पन की प्रक्रिया जारी रहती है और यूरिन के जरिए भी पानी शरीर से बाहर निकलता है। अगर पानी कम पिया जाए तो शरीर की कोशिकाएं ठीक से काम नहीं कर पातीं, जिससे थकान, चक्कर या सिरदर्द महसूस हो सकता है। इससे डिहाइड्रेशन की स्थिति पैदा हो सकती है।मिथक 2ः बारिश का पानी पीने के लिए सुरक्षित होता है।सच्चाईः बारिश का पानी 'डिस्टिल्ड' भले ही दिखता है, लेकिन यह वायुमंडल से गुजरते समय उसमें मौजूद पॉल्यूटेंट्स, बैक्टीरिया और केमिकल्स को सोख लेता है। खासतौर पर शहरी इलाकों में, यह पानी एसिडिक हो सकता है और इसमें माइक्रोब्स भी

हो सकते हैं। अगर यह पानी बिना उबाले या फिल्टर किए पिया जाए तो इसे पीने से संक्रमण और पेट की बीमारियों का खतरा हो सकता है।मिथक 3ः पानी पीना हमेशा फायदेमंद होता है। सच्चाईः पानी पीना जरूरी है, लेकिन हर चीज की तरह इसकी भी एक सीमा होती है। अगर जरूरत से ज्यादा पानी पीया जाए तो इससे हाइपोनेट्रीमिया जैसी स्थिति पैदा हो सकती है, जिसमें शरीर में सोडियम जैसे जरूरी इलेक्ट्रोलाइट्स बहुत कम हो जाते हैं। इसका असर यह होता है कि कोशिकाओं में पानी भरने लगता है, जिससे दिमाग में सूजन, मतली, सिरदर्द, भ्रम और गंभीर मामलों में बेहोशी तक हो सकती है।मिथक 4ः प्यास लगना ही हाइड्रेशन की सही पहचान है।सच्चाईः यह सच नहीं है। हमें प्यास तब महसूस होती है, जब शरीर को पानी की कमी महसूस होती है। असल में पानी तो शरूर में पहले ही कम हो चुका होता है यानी यह शरीर का देर से आने वाला एक अलार्म है। शरीर के ऑर्गन्स और सेल में जब पानी की कमी होने लगती है, तब ब्रेन हाइपोथैलेमस के जरिए प्यास का मैसेज भेजता है। मानसून के मौसम में जब वातावरण ठंडा होता है, तब प्यास की अनुभूति और भी धीमी हो जाती है, जिससे डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ जाता है।मिथक 5ः सिर्फ पानी ही हाइड्रेशन के लिए पर्याप्त है।सच्चाईः शरीर की हाइड्रेशन जरूरतों को पूरा करने के लिए सिर्फ पानी ही नहीं, बल्कि इलेक्ट्रोलाइट्स और फ्लूइड्स से भरपूर ड्रिंक्स और भोजन भी मदद करते हैं। उदाहरण के लिए खीरे में 95इ तक पानी होता है। तरबूज, संतरा और छाछ में पानी ही नहीं, जरूरी मिनरल्स भी होते हैं। ये पानी के साथ मिलकर कोशिकाओं के कामकाज और तापमान नियंत्रण में मदद करते हैं।मिथक 6ः मानसून में ठंडा पानी पीने से गला खराब होता हैसच्चाईः ठंडा पानी पीना सीधे तौर पर कभी किसी संक्रमण या सर्दी-जुकाम का कारण नहीं होता है। बीमारियां वायरस और बैक्टीरिया से होती हैं, न कि पानी के ठंडे तापमान से होती हैं। जब तक आपका शरीर ठंडा पानी सहन कर पा रहा है और आपको इससे कोई परेशानी नहीं हो रही है, तब तक इसे पीना पूरी तरह सुरक्षित है। हां, अगर गले में पहले से सूजन है या सर्दी-जुकाम है, तब ठंडा पानी पीने से थोड़ी परेशानी हो सकती है। मिथक 7ः बिल्कुल साफ पेशाब मतलब शरीर पूरी तरह हाइड्रेटेड है। सच्चाईः यह सच नहीं है। बहुत ज्यादा पानी पीने से पेशाब तो बिल्कुल पारदर्शी हो सकती है, लेकिन इससे जरूरी इलेक्ट्रोलाइट्स जैसे सोडियम और पोटैशियम शरीर से निकल सकते हैं। इसका मतलब ये नहीं कि शरीर पूरी तरह हेल्दी हाइड्रेटेड है। हेल्दी हाइड्रेशन का सबसे अच्छा संकेत पेशाब का हल्का पीला रंग है, जो बताता है कि न तो शरीर में पानी की कमी है और न ही एक्स्ट्रा फ्लशिंग हो रही है। यूरिन का बिल्कुल साफ होने का मतलब बीमारी का इशारा भी हो सकता है.मिथक 8ः मानसून में इलेक्ट्रोलाइट्स की जरूरत नहीं होती है। सच्चाईः मानसून के मौसम में भी जब हम पसीना बहाते हैं या उल्टी-दस्त जैसी समस्या होती है, तब शरीर से जरूरी इलेक्ट्रोलाइट्स बाहर निकलते हैं। इलेक्ट्रोलाइट्स जैसे-सोडियम, पोटेशियम, मैग्नीशियम न सिर्फ कोशिकाओं में पानी के संतुलन को बनाए रखते हैं, बल्कि मांसपेशियों की सक्रियता, नर्व सिग्नल और दिल की धड़कनों को नियंत्रित करने में भी मदद करते हैं। इन्हें संतुलित बनाए रखने के लिए दही, केला, नारियल पानी जैसी चीजें आहार में जरूर शामिल करें। मिथक 9ः ज्यादा पसीना आने का मतलब है ज्यादा पानी पीना जरूरी है। सच्चाईः मानसून में उमस के कारण सामान्य से ज्यादा पसीना आ सकता है। पसीना शरीर का तापमान नियंत्रित करने का तरीका है, लेकिन हर बार ज्यादा पसीना आने का मतलब यह नहीं कि आपको बहुत ज्यादा पानी की जरूरत है। जरूरी यह है कि आप पसीने के साथ खोए हुए इलेक्ट्रोलाइट्स की भरपाई भी करें। सिर्फ पानी पीते रहने से सोडियम और पोटैशियम का संतुलन बिगड़ सकता है। अगर आप बहुत पसीना बहाते हैं तो नारियल पानी, नमक-चीनी का घोल या इलेक्ट्रोलाइट ड्रिंक लेना ज्यादा असरदार है।

नहीं सुलझ रही नंबर-3 की समस्या,इस पोजीशन पर 7 देशों का बैटिंग औसत टीम इंडिया से बेहतर

नयी दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम ने दमदार प्रदर्शन किया है। सीरीज में अब तक खेले गए सभी तीन मैचों में टीम इंडिया ज्यादातर समय मेजबान टीम से आगे रही है। इसमें सबसे अहम योगदान हमारी बल्लेबाजी का रहा है, जिसने इंग्लैंड की मुश्किल परिस्थितियों में खूब रन बनाए हैं। बावजूद इसके तीन मैचों के बाद भारत सीरीज में 1-2 से पिछड़ रहा है। इस बीच, भारतीय टीम की सबसे बड़ी समस्या नंबर-3 पर बल्लेबाजी रही है। इस दौरे पर नंबर-3 के बैटर को छोड़कर भारत के टॉप-7 बैटिंग पोजीशन पर कम से कम एक अर्धशतक है। टेस्ट क्रिकेट में नंबर-3 बैटर का योगदान इसलिए अहम हो जाता है क्योंकि इसी पोजीशन पर जीत में सर्वाधिक 399 शतक लगे हैं। इंग्लैंड दौरे पर नंबर-3 पर करुण नायर और साई सुदर्शन इंग्लैंड दौरे पर भारत के लिए साई सुदर्शन और करुण नायर ने इस पोजीशन पर बल्लेबाजी की है। लेकिन दोनों ही बैटर फ्लॉप साबित हुए और कोई भी बैटर एक भी बार 40 का आंकड़ा पार नहीं कर सका है। हालांकि, नंबर-3 बैटर की समस्या भारत के लिए कोई नई बात नहीं है। इस दशक की शुरुआत से यानी कि 2020 से हमारे नंबर-3 बैटर का औसत दुनिया में आठवें नंबर पर है। पिछले पांच सालों में हमने इस पोजीशन पर 11 बल्लेबाजों को आजमाया है। लेकिन 52 मैचों में उन्होंने 30.83 की औसत से रन बनाए हैं। इस मामले में हम सिर्फ बांग्लादेश, जिम्बाब्वे, आयरलैंड और वेस्टइंडीज से बेहतर हैं।करुण के दो 40प्लस के बीच पुजारा के 4000 रन भारत के नंबर-3 करुण नायर ने करियर के 9 टेस्ट में 505 रन बनाए हैं। 303 रन एक ही पारी में आए थे। पुजारा की जगह लेने की कोशिश में लगे करुण करियर में सिर्फ 2 बार 40प्लस तक पहुंचे हैं। उनके इन दो 40प्लस स्कोर के बीच में पुजारा ने 3939 टेस्ट रन बनाए हैं। इंग्लैंड दौरे पर हमारा सबसे खराब औसत नंबर-3 पोजीशन का ही इंग्लैंड दौरे पर नंबर-3 पोजीशन पर बल्लेबाजी करने वाले करुण नायर और साई सुदर्शन दोनों बैटर फ्लॉप साबित रहे हैं। सीरीज के पहले मैच में सुदर्शन ने अपना टेस्ट डेब्यू किया था, लेकिन वे पहली पारी में शून्य और दूसरी पारी में 30 रन बना सके। उन्हें सिर्फ एक मौके के बाद टीम से ड्रॉप कर दिया गया। इसके बाद अगले दो मुकाबलों में करुण ने इस पोजीशन की जिम्मेदारी संभाली। लेकिन वह भी चार पारियों में सिर्फ 111 रन बना सके। इस सीरीज में हमारे टॉप-7 बैटर्स में नंबर-3 का औसत सबसे खराब 23.5 का रहा है।द्रविड़ के बाद पुजारा ने उठाया जिम्मा, लेकिन उनके बाद कौन? इस सदी में टेस्ट के 2 सबसे बेहतरीन बैटर्स ने टीम इंडिया में नंबर-3 की जिम्मेदारी निभाई। ये दोनों बल्लेबाज राहुल द्रविड़ और चेतेश्वर पुजारा रहे। इन दोनों खिलाड़ियों के अलावा किसी ने भी इस पोजीशन पर 50 टेस्ट मैच नहीं खेले। द्रविड़ ने इस पोजीशन पर 135 टेस्ट मैचों में 53.30 की औसत से 10501 रन बनाए। उनके संन्यास के बाद पुजारा ने इस पोजीशन पर बल्लेबाजी का जिम्मा उठाया और 95 टेस्ट मैचों में 44.41 की औसत से 6529 रन बनाए। हालांकि, पुजारा को ड्रॉप करने के बाद से टीम इंडिया को अभी तक इस पोजीशन पर कोई भरोसेमंद खिलाड़ी नहीं मिला है। शुभमन गिल के नंबर-4 पर जाने से कमजोरी फिर उजागर हुई खराब फॉर्म के चलते पुजारा को बाहर किए जाने के बाद शुभमन ने नंबर-3 पर खेलना शुरू किया। उन्होंने जुलाई 2023 से जनवरी 2025 के बीच इस पोजीशन पर 16 मैचों में 37.38 की औसत से 972 रन बनाए। इस पोजीशन पर पिछले पांच साल में लगे चार में तीन शतक गिल ने जड़े। लेकिन कोहली के संन्यास के बाद वे नंबर-4 पर चले गए। इसके चलते दोबारा से भारतीय टीम की यह परेशानी उजागर हो गई।

दिव्या देशमुख-कोनेरू हम्पी एफआईडीई वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंचीं:पहली बार दो भारतीय महिला खिलाड़ी टॉप-4 में पहुंची,दोनों का मुकाबला चीनी खिलाड़ी से

नयी दिल्ली। दिव्या देशमुख भी

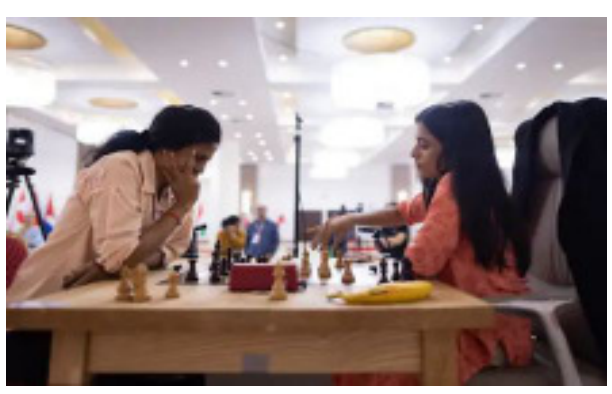

चेस के एफआईडीई विमेन वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। इसके साथ ही पहली बार दो भारतीय महिला टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना पाई हैं।इससे पहले रविवार को कोनेरू हम्पी सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनी थीं। यह टूर्नामेंट जॉर्जिया के बटुमी में खेला जा रहा है। दिव्या ने ट्राई ब्रेक में हरिका द्रोणावल्ली को हराया सोमवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल

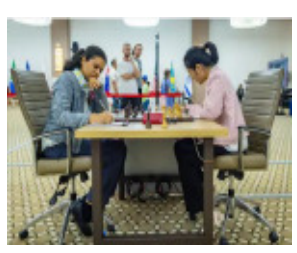

में दिव्या देशमुख ने अपनी ही देश की हरिका द्रोणावल्ली को हरा कर सेमीफाइनल में अपना स्थान पक्का किया। दिव्या और हरिका के दोनों क्लासिकल मुकाबले ड्रॉ रहे थे और टाई ब्रेक में दिव्या ने दोनों ही बाजियां जीत कर सेमीफाइनल के लिए प्रवेश किया। अब सेमीफाइनल में उनका मुकाबला तान झोंगयी से होगा।वहीं, कोनेरू हम्पी ने चीन की सॉन्ग युक्सिन को हराकर सेमीफाइनल में अपना स्थान पक्का किया था। उन्होंने पहला गेम जीता, जबकि दूसरा गेम ड्रॉ रहा। अब सेमीफाइनल में चीन की लेई टिंगजी से खेलेंगी।इस टूर्नामेंट में पहली बार भारत की चार महिला खिलाड़ी क्वार्टर फाइनल में पहुंची। कोनेरू हंपी के अलावा हरिका द्रोणवल्ली, आर. वैशाली और दिव्या देशमुख ने क्वार्टरफाइनल में अपना स्थान पक्का किया। वैशाली को मिली हार वैशाली रमेशबाबू को चीन की तीसरी वरीयता प्राप्त तान झोंगयी से हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही इस टूर्नामेंट में उनका अभियान समाप्त हो गया। वैशाली ने कजाकिस्तान की मेरुएर्त कमालिदेनोवा को हराकर क्वार्टर फाइनल में अपना स्थान पक्का किया था।

चाइना ओपनः प्रणय जापानी खिलाड़ी को हराकर प्री-क्वार्टर में पहुंचे,अनुपमा उपाध्याय को चीनी खिलाड़ी ने हराया,सिंधु-लक्ष्य समेत 12 खिलाड़ी मैदान में

नयी दिल्ली। चांगझोउ में खेले

गए चाइना ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत के एचएस प्रणय ने पुरुष सिंगल्स में शानदार शुरुआत की। उन्होंने जापान के कोकी वतनबे को 8-21, 21-16, 23-21 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। जबकि विमेंस सिंगल्स में अनुपमा उपाध्याय को हार का सामना करना पड़ा। पहला गेम हारने के बाद प्रणय ने वापसी की पहला गेम 8-21 से गंवाने के बाद प्रणय ने दूसरे गेम में जोरदार वापसी की और इसे 21-16 से जीता। तीसरे और निर्णायक गेम में वे 1-7 और फिर 13-20 से पीछे थे, लेकिन शानदार प्रदर्शन करते हुए स्कोर 20-20 पर बराबर किया और अंततः 23-21 से गेम और मैच अपने नाम किया। अनुपमा उपाध्याय को मिली हार महिला सिंगल्स में भारत की अनुपमा उपाध्याय को चीनी खिलाड़ी लिन हिसयांग-ति के खिलाफ 23-21, 11-21, 10-21 से हार का सामना करना पड़ा। अनुपमा पहले गेम में कड़ी टक्कर देने में सफल रहीं, लेकिन दूसरे और तीसरे गेम में चीनी खिलाड़ी ने उन्हें आसानी से हरा दिया।मिक्स्ड डबल्स में पहले ही दौर में बाहर मिक्स्ड डबल्स में रोहन कपूर-रुत्विका गद्दे और अशिथ सूर्य-अमृता प्रमुथेश की जोड़ियां पहले ही राउंड में बाहर हो गए हैं। सिंधु, लक्ष्य और अन्य भारतीय खिलाड़ी भी मैदान में चाइना ओपन में भारत की ओर से पीवी सिंधु, लक्ष्य सेन और पुरुष डबल्स में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी की जोड़ी भी हिस्सा ले रही है। महिला डबल्स में भारत की अमृता प्रमुथेश-सोनाली सिंह, कविप्रिया सेल्वम-सिमरन सिंघी और रुतपर्णा पांडा-स्वेतपर्णा पांडा की जोड़ियां प्रतिस्पर्धा कर रही हैं।

बिहार के नतीजे बंगाल और असम का रुख भी बताएंगे

इस साल के बिहार विधानसभा चुनावों के नतीजे अगले साल पश्चिम बंगाल और असम में होने जा रहे चुनावों के लिए हवा का रुख बताने वाले होंगे। इन तीनों ही राज्यों में अवैध घुसपैठ एक प्रमुख मुद्दा है। तीनों ही राज्यों में अवैध मतदाता हैं, जिनमें से ज्यादातर बांग्लादेश और नेपाल से हैं। कुछ म्यांमार से भी हैं। चुनाव आयोग द्वारा बिहार में कराए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण में 5फीसदी से ज्यादा अवैध मतदाता सामने आए हैं। इनमें से ज्यादातर या तो अब मृत हैं या फर्जी वोटर हैं या स्थायी रूप से राज्य छोड़कर जा चुके हैं। लेकिन कुछ ऐसे भी हैं, जो भारतीय नागरिक नहीं हैं और इस कारण वोट देने के पात्र नहीं हैं। सवाल उठता है उन्हें आधार कार्ड, निवास प्रमाण पत्र और राशन कार्ड कैसे मिले? जाहिर है अवैध तरीके से। बिहार में ऐसे बिचौलियों की कमी नहीं है, जो पैसा लेकर किसी भी दस्तावेज की जालसाजी कर सकते हैं। ये फर्जी वोटर बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों को कितना प्रभावित कर सकते हैं? बिहार में 7.74 करोड़ पात्र मतदाता हैं। मान लें कि अगर इनमें से 1फीसदी भी फर्जी हुए तो लगभग 8 लाख मतदाता होंगे। अगर वे प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों में केंद्रित हों और लामबंद होकर मतदान करें, तो कड़े मुकाबले वाली सीटों पर प्रभाव डाल सकते हैं। ध्यान रहे कि बिहार का चुनाव विपक्षी इंडिया गठबंधन के लिए बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में मिली करारी हार के बाद अब कांग्रेस और राजद को चुनावी रुख मोड़ने की जरूरत है। ऐसे में राजद नेता तेजस्वी यादव को लोजपा के चिराग पासवान से अप्रत्याशित मदद मिल सकती है। चिराग एनडीए का हिस्सा हैं। वे बिहार की सक्रिय राजनीति में वापसी करने और अपने पिता रामविलास पासवान की विरासत को फिर से खड़ा करने में गहरी दिलचस्पी दिखा रहे हैं। केंद्र में मंत्री होने के नाते चिराग अभी एक बड़े तालाब की छोटी मछली हैं। बिहार में वे छोटे तालाब की बड़ी मछली साबित हो सकते हैं! भाजपा और जदयू जानते हैं कि यह नीतीश का मुख्यमंत्री के रूप में आखिरी कार्यकाल हो सकता है। तब अगला मुख्यमंत्री कौन होगा? भाजपा के मन में कई उम्मीदवार हैं। वह 2030 में या शायद उससे पहले ही नीतीश के सेवानिवृत्त होने का इंतजार कर रही है। वह चिराग की रणनीति भी जानती है, लेकिन अपने पत्ते नहीं खोल रही है।फिलहाल उसे लोजपा जैसी छोटी पार्टी की जरूरत है, जो चुनाव में भाजपा और जदयू के आंकड़ों में लगभग 5फीसदी वोटों का इजाफा करे और कड़े मुकाबलों में जीत दिलाए। 2020 में लोजपा ने 5.66फीसदी वोट-शेयर हासिल किया था। हालांकि उसने 137 सीटों पर चुनाव लड़ा और सिर्फ एक ही सीट जीती, लेकिन वह नौ सीटों पर दूसरे स्थान पर रही थी। पटना और बिहार के अन्य हिस्सों में हत्याओं की बढ़ती घटनाओं ने तेजस्वी यादव का हौसला बढ़ा दिया है। राजद और कांग्रेस को पता है कि उनके पास एनडीए के जातीय गणित को बिगाड़ने का छोटा-सा ही मौका है, लेकिन बिगड़ती कानून-व्यवस्था पर हमला करके उन्होंने एनडीए को बैकफुट पर ला दिया है। नीतीश द्वारा 35फीसदी सरकारी नौकरियों को महिलाओं के लिए आरक्षित करने का वादा एक महत्वपूर्ण लैंगिक-जनसांख्यिकी को एनडीए के पक्ष में झुका सकता है। 1 अगस्त से घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट मुफ्त बिजली देने के नीतीश के वादे के बाद मोदी ने भी निजी क्षेत्र में पहली नौकरी करने वाले युवाओं को 15,000 रुपए की एकमुश्त राशि देने की पेशकश की है। ममता बनर्जी और हिमंत बिस्वा सरमा बिहार में हो रही घटनाओं पर पैनी नजर रखे हुए हैं। बंगाल में घुसपैठ की समस्या बिहार से ज्यादा गंभीर है। असम की भी यही स्थिति है। अगर बंगाल में भी पात्र मतदाताओं का विशेष गहन पुनरीक्षण किया जाता है तो हिंसा भड़कना तय है। इससे ममता को मुख्यमंत्री बनने में मदद भी मिल सकती है या उनका नुकसान भी हो सकता है। पिछले एक साल में हुए घोटालों की बाढ़ ने उदारवादी हिंदुओं को तृणमूल के खिलाफ किया है। लेकिन ममता का मुस्लिम वोट बैंक बरकरार है। अगर बंगाल में मतदाता पुनरीक्षण का प्रयास किया जाता है, तो मुस्लिम वोट तृणमूल के पक्ष में एकजुट हो सकते हैं। असम में शायद मुस्लिम वोट या अवैध घुसपैठिए अपने दम पर कांग्रेस को जिताने में मददगार साबित नहीं होंगे। हाल ही में राहुल गांधी असम पहुंचे थे। वहां उनके भाषण के बाद हिंसा भड़क उठी। इस पर सरमा ने राहुल पर राज्य में ध्रुवीकरण करने का आरोप लगाया। बंगाल और असम में चुनाव प्रचार शुरू होने से पहले बिहार के नतीजे आ चुके होंगे और वे बताएंगे कि हवा किस दिशा में बह रही है। पश्चिम बंगाल में घुसपैठ की समस्या बिहार से कहीं ज्यादा गंभीर है। असम की भी कमोबेश यही स्थिति है। अगर बिहार की तरह पश्चिम ?बंगाल में भी पात्र मतदाताओं का विशेष गहन पुनरीक्षण किया जाता है तो हिंसा भड़कना तय है। (ये लेखक के अपने विचार हैं मिन्हाज मर्चेंट)

अमेरिका के साथ तालमेल रखना भारत के हित में है

यह सच है कि भारत के सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स अब परिपक्व हो चुके हैं। उन्हें अब शायद मुख्यधारा के मीडिया पेशेवरों से भी अधिक व्यू मिलने लगे हैं और वे लाखों दर्शकों को प्रभावित करते हैं। लेकिन इसमें एक खतरा है। अव्वल तो उनके हेडलाइंस बहुधा भ्रामक होते हैं। क्लिकबेट के लिए। उनके शीर्षकों या थम्बनेल में अमूमन किसी महत्वपूर्ण राजनीतिक हस्ती का किसी अन्य दिग्गज का नाम शामिल होता है। वे हर हफ्ते, वीडियो-दर-वीडियो यह दावा करते हैं कि किसी 'बड़े एक्शन' की योजना बनाई जा रही है। और अगर 'फिनफ्लुएंसर्स' की बात करें तो वे अकसर बाजार में किसी बड़े 'क्रैश' का पूर्वानुमान लगाते हैं। जबकि उनकी भविष्यवाणियां शायद ही कभी सच होती हों।हालांकि, सरकार समर्थित चैनलों में एक शगल आम है कि वे अपने प्रिय नेताओं को बढ़ा-चढ़ाकर बताते हैं। लेकिन इसका एक नकारात्मक पहलू है। बड़े मानदंडों को लेकर नरमी से बोलने के बजाय हम छोटे मानकों पर कोलाहल का शिल्प रचने लगते हैं। भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्था के लिए यह अच्छा संकेत नहीं है। क्योंकि आत्म-प्रवंचना हमें निश्चित ही उस गड्ढे में डाल देगी, जिसे हमने ही अपने लिए खोदा है। मैं यह कहकर अपने लिए आफत को न्योता दे रहा हूं, लेकिन संभवतः अमेरिका को हमारी जितनी जरूरत है, उससे ज्यादा आवश्यकता हमें अमेरिका की है। वैश्विक भू-राजनीति में रणनीतिक तालमेल तो समझ आता है, पर रणनीतिक स्वायत्तता नहीं। और आर्थिक, सैन्य, तकनीकी, राजनीतिक, सांस्कृतिक हितों में अमेरिका के साथ तालमेल रखना भारत के हित में है। मैं फिर दोहराता हूं कि अराजकता, विघटन, सर्वसत्तावाद के खिलाफ आज लोकतंत्र ही सर्वाधिक उपयुक्त उपकरण है।इसलिए दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्रों के नाते अमेरिका और भारत में स्वाभाविक साझेदारी निर्मित होती है। ऐसे में मसलन नोबेल पुरस्कार के लिए ट्रम्प के प्रयासों का मखौल उड़ाने के बजाय हम इसका समर्थन कर सकते थे। हमें इससे क्या नुकसान होता? सच कहें तो हम इस खेल में पाकिस्तान से कहीं आगे निकल जाते। बेशक, व्यापार और तकनीकी लाभों के बदले ऐसा किया जा सकता था।भारत को अपनी वैश्विक महत्वाकांक्षाओं के लिए व्यावहारिक गठबंधनों की जरूरत है, ऐसे में राष्ट्रवादी उत्साह के आवरण में प्रकट होने वाला हमारा अमेरिका-विरोध हमें अपने एक प्रमुख साझेदार से दूर कर सकता है।इंफ्लुएंसर्स का सनसनी फैलाने का जुनून गलत है, चाहे वह डॉलर की कीमत घटने को लेकर हो या फिर भारत की कथित भू-राजनीतिक जीत को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने को लेकर। ऐसी अतिशयोक्तियों से एक विकृत वैश्विक दृष्टिकोण निर्मित होता है। अमेरिका-विरोधी प्रोपगंडा का अधिकांश हिस्सा न केवल भ्रामक, बल्कि खतरनाक भी है। अमेरिका 30 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ विश्व में शीर्ष पर है। इसकी तुलना में हमारी जीडीपी 3.5 ट्रिलियन पर है, जिसके 2025 में 4 ट्रिलियन के पार पहुंचने का अनुमान है।अमेरिकी रक्षा खर्च के आगे भारत का रक्षा खर्च बौना है। और एआई से लेकर सेमीकंडक्टरों तक उसकी तकनीकी बढ़त से पार पाना तो हमारे लिए बेहद ही मुश्किल है। अमेरिका के बेस दुनियाभर में हैं। जमीन, समुद्र या अंतरिक्ष में उसकी क्षमताएं अतुलनीय हैं। यह दिखावा करना कि भारत अमेरिका के बिना भी चल सकता है, सच्चाई को नजरअंदाज करने जैसा है। इंफ्लुएंसर्स के बीच डी-डॉलराइजेशन की कहानी खूब पसंद की जाती है। जबकि 2024 के स्विफ्ट डेटा के अनुसार डॉलर अभी भी वैश्विक विदेशी मुद्रा भंडार में 60फीसदी हिस्सेदारी रखता है और 88फीसदी अंतरराष्ट्रीय लेन-देनों में काम आता है। इससे भी बढ़कर, अमेरिका-विरोध की दिखावटी बयानबाजी भारत-अमेरिका साझेदारी के स्पष्ट लाभों को भी अकसर अनदेखा कर देती है। भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया की साझेदारी वाला 'क्वाड' हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव का जवाब देने के लिए भारतीय रणनीति का प्रमुख आधार है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और हमारा द्विपक्षीय व्यापार 190 अरब डॉलर से अधिक है। ऐपल और टेस्ला जैसी कंपनियां भारत में निवेश कर रही हैं, जिससे नौकरियां पैदा हो रही हैं और मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिल रहा है। अमेरिका या उसके नेताओं का मजाक उड़ाना इस साझेदारी को खतरे में डालता है, जो भारत की सुरक्षा और आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। अमेरिका हमारा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। हमारा द्विपक्षीय व्यापार 190 अरब डॉलर का है। ऐपल और टेस्ला जैसी कंपनियां भारत में निवेश कर रही हैं, जिससे नौकरियां पैदा हो रही हैं और मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिल रहा है। (ये लेखक के अपने विचार हैं मकरंद परांजपे)

दूध के पैकेट जैसी छोटी-सी चीज पर भी गौर करने का समय आ गया है

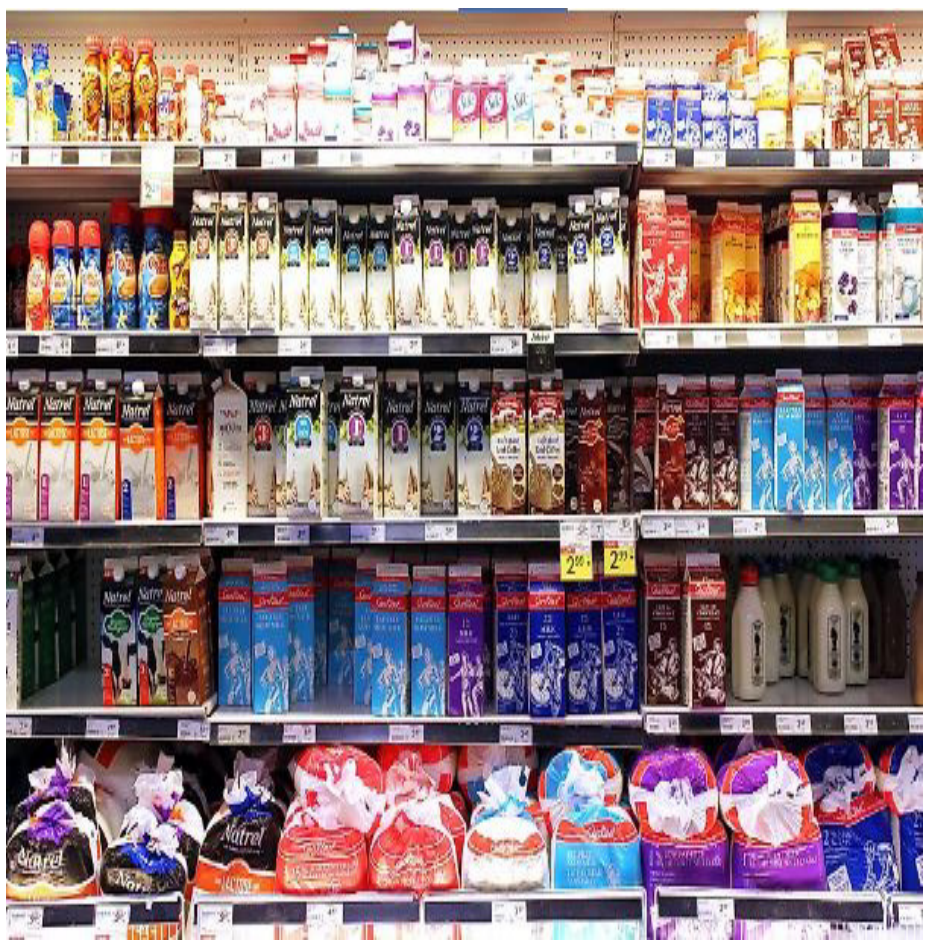

पिछले करीब एक माह से सुबह की कॉफी बनाना मेरी जिम्मेदारी थी, क्योंकि मोतियाबिंद की सर्जरी के बाद पत्नी का किचन स्टोव के पास आना मना था। लेकिन बीते इस समय में वह कभी भी यह पूछना नहीं भूलीं कि 'क्या आपने दूध की थैलियों को उनकी तय जगह पर रख दिया है?' यह प्लास्टिक को इकट्ठा करने का अलग बैग है, जो एसी यूनिट के पीछे रखा रहता है।रिसाइकल कचरा इकट्ठा करने वाले को यह हम देते हैं, जो कि कॉलोनी में महीने में एक बार आता है। मैं 'हां' कहता हूं और उन्हें कॉफी का कप देता हूं। एक महीने में मैंने देखा कि धीरे-धीरे इस प्लास्टिक की थैली की ऊंचाई बढ़ने लगी और अंततः ये एसी यूनिट के पार निकल गई। और तब मुझे एहसास हुआ कि किसी एक घर से कितना अधिक प्लास्टिक निकल सकता है। इसमें सर्वाधिक दूध की थैलियां थीं। इसी ने मुझे दूध की थै?लियों को लेकर कुछ तथ्य खोजने के लिए बाध्य किया। दूध की जिन थैलियों को हम इस्तेमाल के बाद फेंक देते हैं, वे प्लास्टिक की होती हैं और मिट्टी में नष्ट होने में बहुत वक्त लेती हैं। ये समय 20 से 500 वर्षों तक हो सकता है। प्लास्टिक ऐसा पदार्थ है, जिसका प्राकृतिक तरीके से क्षरण नहीं होता। ना ही ये जैविक पदार्थों की भांति अपघटित होता है। बल्कि यह सूर्य के प्रकाश के संपर्क में आने पर माइक्रोप्लास्टिक में बंट जाता है। पर पूरी तरह गायब नहीं होता। अगर न्यूनतम आंकड़ों का अनुमान लगाएं, तो भी भारत में प्रति दिन ऐसी 20 करोड़ दूध के पैकेट की खपत होती है। 1946 में शुरू हुआ अमूल बड़े दुग्ध उत्पादक के नाते बड़ी संख्या में दूध की थैलियों का उपयोग करता है। सटीक आंकड़े भिन्न हैं, पर रिपोर्ट बताती हैं कि अमूल प्रतिदिन प्लास्टिक से बनी 2.6 करोड़ दूध की थैलियां बेचता है। मतलब, साल भर में करीब 949 करोड़ थैलियां। इसके अलावा कंपनी दही, छाछ जैसे अन्य दुग्ध उत्पाद भी प्लास्टिक की थैलियों में बेचती है, जिससे रोजाना काफी प्लास्टिक कचरा पैदा होता है। वर्ष 2020 में पंजाब विधानसभा में बताया गया कि पंजाब राज्य सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ द्वारा 1973 में शुरू किए गए 'मिल्कफैड' ने 2018-19 में दूध और अन्य डेयरी उत्पादों की पैकेजिंग में 80 करोड़ प्लास्टिक थैलियां काम में लीं। आज हम 2025 में हैं और अभी दूध की खपत करने वाले युवाओं के लिहाज से बड़ी आबादी वाले उत्तरप्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश, राजस्थान, ओडिशा और झारखंड जैसे राज्यों के संघों की बात तो की ही नहीं है। मुझे सोमवार को यह सब याद आया, जब मैंने जाना कि कैसे बेंगलुरु में नंदिनी मिल्क सप्लाई करने वाला कर्नाटक मिल्क फेडरेशन (केएमएफ) अपने लोकप्रिय ब्रांड के लिए इको-फ्रेंडली पैकेजिंग शुरू करने जा रहा है। पायलट प्रोजेक्ट के तहत, वे रोजाना प्राकृतिक रूप से अपघटित हो सकने वाली 2 लाख ?थैलियों के उपयोग से बायोडिग्रेडेबल पैकेजिंग की ओर बढ़ रहे हैं। वे रोज लगभग 50 लाख लीटर दूध, 16 लाख लीटर दही बेच रहे हैं। नष्ट होने में कई सौ वर्ष लेने वाली पारंपरिक पॉलिथीन थैलियों के विपरीत ये इको फ्रेंडली विकल्प 90 दिन के भीतर प्राकृतिक रूप से विघटित हो जाते हैं।यहां तक कि इनको रासायनिक उर्वरक में भी बदला जा सकता है। केएमएफ की एक अन्य शाखा बेंगलोर मिल्क यूनियन लिमिटेड (बामूल) द्वारा हाल ही लॉन्च पायलट प्रोग्राम की सफलता के बाद अब ये नई पहल इसी वीकेंड शुरू होगी। ये परीक्षण उनके एक डेयरी फार्म में शुरू किया गया। वर्तमान में इसे चुनिंदा क्षेत्र में लागू किया जा रहा है, जिसमें इसे सकारात्मक प्रतिक्रिया, रिसाव की शिकायत नहीं होने और दूध की गुणवत्ता से समझौता नहीं होने के पैमानों पर परखा जा चुका है। चूंकि ग्राहक संतुष्टि बेहतर थी, इसलिए वे नए इलाकों को कवर कर रहे हैं। जाहिर है कि जल्द ही राज्यभर में इसे शुरू किया जा सकता है। फंडा यह है कि समय आ गया है, प्लास्टिक की थैलियों में दूध ले रहे हम भारतीयों को उस मिट्टी और समुद्र को बचाने के लिए कोई री-साइक्लिंग योजना अपनानी पड़ेगी, जो हम हमारी पीढ़ियों के लिए छोड़कर जा रहे हैं। अपनी पसंद का कोई भी तरीका अपनाएं, जब तक कि हमारे शहर बायोडिग्रेडेबल थैलियों पर ना आ जाएं, पर कृपया इन्हें कचरे में ना फेंकें। (एन. रघुरामन)

हम लोगों के बीच पैदा हुई दीवारें तोड़ने में अक्षम क्यों?

बिहार में चुनाव सिर पर होने के चलते इस साल मुहर्रम पर साम्प्रदायिक हिंसा की आशंका पहले से थी। वास्तव में, आजकल खुशियों से भरे हर त्योहार पर कलह और कटुता का डर बना रहता है। इतिहासकार विल ड्यूरेंट के अनुसार भारत पर 12वीं सदी में जो तुर्कों का आक्रमण हुआ था, वो विश्व-इतिहास के सबसे रक्तरंजित अध्यायों में से है। इसमें हिंदू मंदिरों को तोड़ा गया, धर्मांतरण और लूटपाट हुई। इतिहास के तथ्यों को तो झुठलाया नहीं जा सकता। लेकिन सदियों से भारत में एक गंगा-जमुनी संस्कृति भी विकसित हुई है, जिसमें यदि बंटवारे और साम्प्रदायिक सौहार्द बिगड़ने से हुई हिंसा के कुछ मौकों को छोड़ दें तो हिंदू और मुसलमान एक-दूसरे के साथ सह-अस्तित्व की भावना के साथ रहना सीखे हैं। उनके बीच पारस्परिक निर्भरता और सौहार्द का संबंध विकसित हुआ है। क्या लोग यह जानते हैं कि ओडिशा के रेमांडा गांव का एक मुस्लिम परिवार हिंदुओं के वार्षिक रथयात्रा महोत्सव की अनुवाई करता है? क्या उन्हें मालूम है कि अंतिम मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर फूलवालों की सैर के दौरान दिल्ली के महरौली में सूफी संत ख्वाजा बख्तियार काकी की मजार से पहले जोगमाया मंदिर जाया करते थे? या यह कि केरल में सबरीमलै पहाड़ियों पर स्थित अय्यप्पा मंदिर की चढ़ाई करने वाले लाखों हिंदू श्रद्धालुओं के लिए रास्ते में पड़ने वाली एक मुस्लिम संत की दरगाह भी एक पवित्र स्थान है? लखनऊ में हिंदू व्यापारियों के चिकन/जरदोजी उद्योगों में बड़ी संख्या में मुसलमान काम करते हैं। सीतापुर और मिर्जापुर के मुनाफे वाले कालीन कारोबार में हिंदू और मुस्लिम दोनों साझेदार हैं। वाराणसी में मुसलमान लाजवाब बनारसी साड़ी बुनते हैं और हिंदू इस व्यापार में पैसा लगाते हैं। महाराष्ट्र में कई मुस्लिम शिल्पकार गणेश प्रतिमाएं बनाते हैं। केरल के त्रिशूर में वडक्कुन्नाथन मंदिर के पूरम उत्सव के दौरान मुसलमान और ईसाई मदद करते हैं। बंगाल में भी दुर्गा पूजा के दौरान मुस्लिम कलाकार पंडाल और मूर्तियां बनाते हैं। मुझे याद है कि बचपन में कैसे हिंदू और मुसलमान एक-दूसरे के त्योहारों में खुशी-खुशी शरीक होते थे। होली पर मुस्लिम परिवार गुझिया और ठंडाई बनाते थे और उनके पड़ोसी हिंदू ईद पर सेवइयों और बिरयानी का लुत्फ उठाते थे। बंगाल और बिहार के कुछ हिस्सों में हिंदू कलाकार मुहर्रम के लिए ताजिये बनाते हैं। बिहार में पटना से 100 किलोमीटर के दायरे में भारत के प्रमुख धर्मों के कुछ सबसे महत्वपूर्ण स्थल मौजूद हैं, जैसे जैनों के लिए पावापुरी, बौद्धों के लिए बोधगया और हिंदुओं के लिए गया, मुसलमानों के लिए बिहार शरीफ और सिखों के लिए गुरु गोविंद सिंह की जन्मस्थली पटना साहिब भी वहीं है। राजनेता धर्म-आधारित वोटबैंक को बढ़ाने के लिए भारत के आम लोगों को कठपुतली की तरह काम लेते हैं। इसका नतीजा तो जनता भुगतती है, लेकिन नेता इससे फलते-फूलते हैं। स्वयंभू धर्म-प्रचारकों- जिनमें हिंदू और मुस्लिम दोनों सम्मिलित हैं- को साम्प्रदायिक नफरत फैलाने के लिए उपयोग किया जाता है। ऐसे हिंदुओं के लिए ही आठवीं शताब्दी में आदि शंकराचार्य ने दो दूक शब्दों में कहा था- 'जटिलो मुण्डी लुञ्छितकेशः, काषायाम्बर बहुकृतवेषः। पश्यन्नपि च न पश्यति मूढः, उदरनिमित्तं बहुकृतवेषः।' अर्थात्, बहुत-से लोग अपनी जटाएं गुंथते हैं, सिर मुंडवाते हैं, गेरुए वस्त्र पहनते हैं, लेकिन वे यह सब वह सिर्फ अपने पेट के लिए यानी निजी स्वार्थवश करते हैं। वहीं 15वीं सदी में कबीर ने कहा था- 'पूरबि दिसा हरि का बासा, पछिम अलह मुकामा। दिल ही खोज दिलै भीतर, इहां राम रहिमांना।' 18वीं सदी में उर्दू के दिग्गज शायर मीर तकी मीर ने भी घोषणा की थी- 'मीर के दीन-ओ-मजहब को अब पूछते क्या हो उन ने तो, कश्का खेंचा दैर में बैठा कब का तर्क इस्लाम किया।' 18वीं शताब्दी में शायर मिर्जा गालिब ने भी संकीर्ण मानसिकता वाले मौलवियों का यह कहकर मखौल उड़ाया था- 'कहां मैखाने का दरवाजा गालिब और कहां वाइज, बस इतना जानते हैं कल वो जाता था जब हम निकले।' हमारे देश को क्या हो गया है, जो विश्वगुरु तो बनना चाहता है, लेकिन अपने ही लोगों के बीच पैदा हुई कट्टरता की दीवारें तोड़ने में अक्षम है? भारतवासियों को उन्हें धर्म के आधार पर बांटने वाले राजनेताओं से वही कहना चाहिए, जो साहिर लुधियानवी ने 1959 की फिल्म 'धूल का फूल' में कहा था- 'तू हिंदू बनेगा ना मुसलमान बनेगा, इंसान की औलाद है, इंसान बनेगा।' राजनेता अपने धर्म-आधारित वोटबैंक को बढ़ाने के लिए भारत के आम लोगों को कठपुतली की तरह काम लेते हैं। इसका नतीजा तो जनता भुगतती है, लेकिन नेता इससे फलते-फूलते हैं। हमारे देश को आखिर क्या हो गया है? (ये लेखक के अपने विचार हैं- पवन के. वर्मा)

संभावनाएं टटोली जा रही हैं एक युवा नेतृत्व के लिए

एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने एक बार अफसोस भरे स्वर में कहा था कि हम कांग्रेस वाले अपनी गुटबाजी सार्वजनिक रूप से जाहिर कर देते हैं, जबकि भाजपा ऐसा बंद दरवाजे के पीछे करती है। केरल में शशि थरूर के बगावती सुर हों या कर्नाटक में सिद्धारमैया बनाम डीके शिवकुमार का अनवरत पॉवर-ड्रामा- सार्वजनिक आरोप-प्रत्यारोपों के जरिए खुद पर ही निशाना साध बैठने की कांग्रेस की प्रवृत्ति के ये नवीनतम उदाहरण हैं। इसके विपरीत, भाजपा के भीतर जो सत्ता-संघर्ष हैं, उन पर शायद ही कभी ध्यान जाता है, क्योंकि यह सब गोपनीयता के आवरण में होता है। यही कारण है कि संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत की हालिया टिप्पणी ने सबको चौंकाया। उन्होंने सार्वजनिक जीवन में काम करने वालों को 75 की उम्र में 'सेवानिवृत्त' होने की सलाह दी थी। तब विपक्ष ने भी संघ प्रमुख की इस टिप्पणी को तुरंत भुनाने की कोशिश की और दावा किया कि भगवा-बिरादरी के मुखिया भाजपा में एक 'उत्तराधिकार योजना' को तुरंत लागू करना चाहते हैं। 'मोदी के बाद कौन?'- यह टीवी स्टूडियो के लिए भले ही चर्चा का आकर्षक विषय हो, लेकिन हकीकत यही है कि मोदी कहीं नहीं जा रहे हैं। वे पीछे हटने वालों में से नहीं हैं, रिटायरमेंट की तो बात ही रहने दीजिए। संघ प्रमुख आमतौर पर शब्दों को तौलकर बोलते हैं। संघ का एक वर्ग भाजपा में पीढ़ीगत बदलाव का इच्छुक है, यह बात सत्ता के गलियारों में कुछ समय से चल रही है। यह भी याद रखें कि संघ व्यक्तिवादी राजनीति के प्रति असहज रहता है। गत सितंबर में भी भागवत ने कहा था कि कर्म से हर कोई व्यक्ति पूजनीय बन सकता है, लेकिन हम स्वयं उस स्तर तक पहुंचे हैं या नहीं, यह हम नहीं दूसरे ही तय करेंगे। और इस सबके बावजूद, संघ जानता है कि देश में अपना राजनीतिक और वैचारिक आधिपत्य बनाए रखने के लिए फिलहाल तो मोदी ही उसके लिए सबसे बेहतर विकल्प हैं। जैसा कि सीएसडीएस 2024 के चुनाव-उपरांत सर्वेक्षण से पता चलता है, मोदी की लोकप्रियता अभी भी भाजपा से काफी ऊपर है। भाजपा के हर चार में से एक मतदाता ने कहा था कि उन्होंने केवल प्रधानमंत्री के नेतृत्व के कारण ही पार्टी को वोट दिया था। 'मोदी फैक्टर' को हटा दें तो भाजपा राजनीतिक रूप से कमजोर दिखने लगती है। आज मोदी ही ब्रांड-हिंदुत्व के राजनीतिक शुभंकर और स्टार हैं। अयोध्या में राम मंदिर से लेकर जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 के उन्मूलन और अब भाजपा-शासित राज्यों में समान नागरिक संहिता लागू करने के प्रयासों तक, मोदी सरकार ने संघ के तमाम मूल एजेंडों के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित किया है। (ये लेखक के अपने विचार हैं- राजदीप सरदेसाई)

साधना' में लीन 'साध्वी',पकड़ने पहुंची पुलिस को यज्ञ के नाम पर कराया इंतजार, फिर टॉयलेट के बहाने फरार, पुलिस भी कम नहीं

छिंदवाड़ा। 90 लाख की ठगी के आरोप में 'साध्वी' रीना रघुवंशी ने गांव को घेर लिया और उसे पास के गांव से गिरफ्तार कर लिया। बनाकर पीछे के दरवाजे से भाग निकली। इससे गांव में हंगामा मच

उर्फ लक्ष्मी दास को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस को सूचना मिली कि वह नर्मदापुरम के शिवपुर थाना क्षेत्र के चंद्रकलां गांव में अनुष्ठान करा रही है। पुलिस वहां पहुंची लेकिन फिल्मी सीन क्रिएट हो गया। कथित साध्वी टॉयलेट जाने के बहाने से भाग गई। पुलिस रीना पर रामजानकी मंदिर के खाते से 90 लाख रुपये निकालने का आरोप है।छिंदवाड़ा पुलिस को खबर मिली कि रीना रघुवंशी नर्मदापुरम के चंद्रकलां गांव में एक घर में पूजा करा रही है। पुलिस तुरंत वहां पहुंची लेकिन 'साध्वी' ने चालाकी दिखाई। वह टॉयलेट जाने का बहाना गया। पुलिस ने रीना के परिवार से पूछा कि 'माता' कहां गई?पुलिस टीम कई घंटों तक गांव में ही डटी रही। उन्होंने घर के बाहर धरना भी दिया। तब जाकर परिवार वालों ने बताया कि वह पास के एक दूसरे गांव में छिपी हुई है। पुलिस ने योजना बनाई। उन्होंने नाव मंगवाई और नदी पार करके दूसरे गांव पहुंचे। रात करीब 8:00 बजे उन्होंने रीना को पकड़ लिया।मामला छिंदवाड़ा जिले के रामजानकी मंदिर से जुड़ा है। मंदिर के पूर्व महंत कनक बिहारी दास की मृत्यु के बाद खाते से 90 लाख रुपये गायब हो गए। आरोप है कि बैंक मैनेजर और रीना ने मिलकर यह रकम निकाली। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब कोई नॉमिनी नहीं था, तो पैसे कैसे निकाले गए। एम.पी हाईकोर्ट ने 19 मई को रीना की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। सुप्रीम कोर्ट से भी उसे कोई राहत नहीं मिली।फरारी के दौरान भी रीना पूजा-पाठ कर रही थी। वह गांव वालों को बताती थी कि 'माता साधना में हैं।' असल में, वह पुलिस से बचने के लिए 'साधना' का ढोंग कर रही थी। गांव वालों को उस पर शक भी नहीं हुआ, क्योंकि वहां रोज भजन-पूजन का माहौल बना रहता था।पुलिस टीम के एक सदस्य ने बताया, 'हमें बताया गया था कि अंदर यज्ञ चल रहा है, इसलिए हम रुके। लेकिन जब साध्वी बाहर गई और फिर नहीं लौटी, तब हमने पूरा गांव सील किया। नाव मंगाकर पीछा किया और दूसरे गांव में उसे घेरा।

लड़ाकू विमान के पायलट्स का 'सुरक्षा कवच' कानपुर में होगा तैयार

कानपूर। देश में पहली बार सुखोई हॉक, तेजस और मिराज जैसे फाइटर जेट के पायलटों के लिए एंटी ग्रैविटी सूट का निर्माण होने जा रहा है। पायलटों के लिए कानपुर की ग्लाइडर्स इंडिया लिमिटेड (जीआईएल) की इकाई आयुध पैराशूट निर्माणी (ओपीएफ) में एंटी ग्रैविटी सूट बनाए जाएंगे। सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि सूट देश में पहली बार बनेंगे। अभी तक एंटी ग्रैविटी सूट यूरोपीय देशों से मंगाए जाते थे। निर्माणी को लाइसेंस फॉर ट्रांसफर ऑफ टेक्नोलॉजी की मंजूरी मिल गई है। डीआरडीओ की रिसर्च लैब डिफेंस बायो इंजीनियरिंग एंड इलेक्ट्रो मेडिकल लेबोरेटी (डीईबीईएल) बेंगलुरु को सूट का सैंपल तैयार करके भेजा जाएगा। इसके बाद इसका ट्रायल शुरू किया जाएगा। दरअसल कॉम्बैट फ्री फॉल सिस्टम में पायलट को ग्रैविटी सूट, नेविगेशन, कम्युनिकेशन डिवाइस, ऑक्सीजन से लैस किया जाता है। फाइटर जेट काफी ऊंचाई पर उड़ते हैं। पायलटों को तंग मोड़, तेज चढ़ाई और अन्य आक्रामक उड़ान युद्धाभ्यास करते समय अत्यधिक गुरुत्वाकर्षण बल का सामना करना पड़ता है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे पर गहलोत ने उठाए सवाल, मैंने कुछ दिन पहले ही कहा था-दबाव में काम कर रहे

जयपुर। राजस्थान के बेटे और देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ हुए कहा, 'जो चर्चाएं चल रही हैं, उनमें यही कहा जा रहा है कि

के अचानक इस्तीफे की खबर ने प्रदेश में राजनीतिक हलचल बढ़ा दी है। धनखड़ का ताल्लुक राजस्थान से है, ऐसे में उनके इस्तीफे पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गंभीर सवाल खड़े किए हैं।अशोक गहलोत ने कहा कि आज़ादी के बाद देश में ऐसा पहली बार हुआ है कि किसी उपराष्ट्रपति ने इस्तीफा दिया हो। उन्होंने कहा, 'धनखड़ जी के इस्तीफे का कारण स्वास्थ्य बताया जा रहा है, लेकिन ये बात समझ नहीं आती। प्रधानमंत्री विदेश दौरे पर जा रहे हैं, संसद का मानसून सत्र शुरू हो गया है, सोमवार को पूरा दिन सदन चला। इसके बाद अचानक इस्तीफे की खबर आना हर किसी को चौंकाने वाला है।'गहलोत ने इस्तीफे के पीछे स्वास्थ्य कारण को खारिज करते स्वास्थ्य वजह नहीं हो सकती। इसके पीछे कुछ और कारण हैं, जो अब तक सामने नहीं आए।' उन्होंने यह भी जोड़ा कि धनखड़ किसानों के हितैषी रहे हैं और संसद में उनकी आवाज हमेशा बुलंद की है।गहलोत ने कहा कि यह विडंबना है कि राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला दोनों ही राजस्थान से हैं। 'मैंने कुछ दिन पहले ही कहा था कि संसद के दोनों सदनों के प्रमुख दबाव में काम कर रहे हैं। यह इस्तीफा कहीं उसी दबाव का नतीजा तो नहीं?' गहलोत ने सवाल खड़े किए। धनखड़ के इस्तीफे के पीछे का सच अभी सामने नहीं आया है, लेकिन राजस्थान में इससे जुड़े सियासी कयास लगातार लग रहे हैं।

नदी के रास्ते नाव से ला रहे नेपाली 'आइटम', अगल-बगल बैठे थे 3 लोग,किनारे पहुंचने से पहले ही 'छपाक'

सीतामढ़ी। बिहार में शराबबंदी है। फिर भी गांव के समीप बागमती नदी के रास्ते भारत-नेपाल बॉर्डर शराब बरामद किया गया। पुलिस की पूछताछ में तस्कर

धंधेबाज अपनी करतूत से बाज नहीं आ रहे हैं। शराब के धंधे को बरकरार रखने के लिए तस्कर नये-नये प्रयोग कर रहे हैं। यह कहने में दो मत नहीं कि पुलिस एवं उत्पाद विभाग तस्करों को पकड़ने के लिए डाल-डाल छलांग लगा रही है, तो तस्कर बचने के लिए पात-पात चढ़ रहे हैं। यानी तस्कर पुलिस को चकमा देने के लिए अजब-गजब के तौर तरीके अपना रहे हैं। कुछ इसी तरह का एक मामला जिले के सुप्पी थाना क्षेत्र से आया है। अब नदी के सहारे तस्कर शराब का कारोबार करने लगे हैं।दरअसल, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि सुप्पी थाना क्षेत्र के अख्ता से कुछ तस्कर शराब की खेप लेकर भारतीय सीमा में आ रहे हैं। इस सूचना के आलोक में सदर डीएसपी ने तस्करों को पकड़ने की योजना बनाई। इसके बाद अख्ता बाजार से उत्तर बागमती नदी के पूर्वी किनारे पर चेकिंग लगाया गया। चेकिंग के क्रम एक नाव पर सवार तीन संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिए, जिन्हें पकड़ने का प्रयास करने पर दो व्यक्ति नदी में कूदकर भाग निकले, वहीं एक व्यक्ति पकड़ा गया।पकड़ा गया तस्कर प्रियांशु कुमार सुप्पी थाना क्षेत्र के सोनाखान गांव के बलराज सिंह का पुत्र है। नाव की तलाशी लेने पर एक देसी कट्टा, ग्यारह जिंदा गोली, चाकू, 180 लीटर ने स्वीकार किया कि यह शराब नेपाल के रास्ते से ला रहे थे, जिसे सीतामढ़ी में बेचते। इस संबंध में सुप्पी थाना कांड सं- 193/25 दर्ज कर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।इससे पूर्व भी कई बार नेपाल से नदी के रास्ते शराब लाते जब्त किए गए हैं। मार्च 2025 में गुप्त सूचना के आलोक में बैरगनिया थाना पुलिस ने भटौलिया गांव के समीप बागमती नदी की धार में बहाकर लाए जा रहे शराब की बड़ी खेप को पकड़ा था। तस्कर भाग निकले थे। मौके से कुल 6146 बोतल नेपाली सौंफी शराब बरामद किया गया था। तस्करों के शराब तस्करी के इस नए तरकीब से पुलिस भी हैरान रह गई थी।

माथे पर तिलक, हाथ में कलावा- 'विवेक' बनकर हिंदू लड़की से शादी रचाने वाले कमरुल ने उगला 8 साल का राज

लखनऊः उत्तर प्रदेश की राजधानी पीड़िता ने बताया कि धीरे-धीरे बातचीत विवेक नहीं, बल्कि कमरुल हक है

लखनऊ में नाम और धर्म छिपाकर युवती से शादी करने वाले आरोपी को रहीमाबाद पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी कमरुल हक खुद को विवेक रावत बताकर करीब आठ साल से पीड़िता को धोखा देता रहा था। उसे रविवार देर रात को रहीमाबाद पुलिस ने अनीपुर से अटेर जाने वाले रास्ते से गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल आरोपी कमरुल हक हरदोई के पिहानी थाना क्षेत्र के गांव दहेलिया का रहने वाला है। उसने खुद को विवेक रावत बताते हुए साल 2017 में पीड़िता से आर्य समाज मंदिर में शादी की थी। युवती सामाजिक कार्यकर्ता है और रहीमाबाद में महिलाओं की पेंशन से संबंधित कार्य करती है। पीड़िता के मुताबिक, एक दिन उसे अंजान नंबर से फोन आया था। कॉलर ने खुद को विवेक बताते हुए पेंशन की जानकारी ली थी। शादी के प्रस्ताव तक पहुंच गई और दबाव में आकर युवती ने विवाह कर लिया था।शादी के बाद आरोपी ने दो साल तक उसे लखनऊ में किराए के मकान में रखा और कोविड के दौरान वह हरदोई चलने की बात कह टालमटोल करने लगा था। कुछ समय बाद आरोपी बहाना बनाकर लखनऊ से गायब हो गया और फिर कभी-कभी ही आता था। पीड़िता के अनुसार आरोपी पूजा-पाठ करता था, माथे पर तिलक और हाथ में कलावा भी बांधता था। जिससे उसे कभी शक नहीं हुआ।लेकिन जब उसने हरदोई जाकर साथ रहने की जिद की तो आरोपी टालने लगा। धीरे-धीरे उसका आना-जाना बंद हो गया। एक दिन पीड़िता सीधे हरदोई उसके बताए पते पर पहुंच गई, जहां हकीकत सामने आ गई। पता चला कि वह और पहले से शादीशुदा है, बच्चे भी हैं।जब पीड़िता ने विरोध किया तो कमरुल के परिजनों ने उस पर जानलेवा हमला कर दिया। उसने खुद को बाथरूम में बंद कर 1090 पर कॉल कर मदद मांगी, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उसे बचाया। पीड़िता की तहरीर पर थाना रहीमाबाद में धारा 420, 352, 376 आईपीसी के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।पुलिस ने सोमवार देर रात मुखबिर की सूचना पर कमरुल को अनीपुर-अटेर मार्ग से गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से फर्जी आधार कार्ड भी बरामद हुआ है, जिस पर विवेक रावत नाम दर्ज है। पुलिस ने अब उसके खिलाफ कूटरचित दस्तावेज तैयार करने की धारा भी बढ़ा दी है।

बस्ती में दर्दनाक हादसा-3 मासूमों की गड्ढे में डूबने से मौत, घर में मची चीख

बस्ती। उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में आज एक दिल दहला देने वाली

घटना सामने आई, जिसने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के लोहरौली गांव में मिट्टी खोदने से बने एक गहरे गड्ढे में भरे पानी में डूबकर तीन मासूम बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई। इस भयावह खबर ने लोहरौली समेत आसपास के गांवों में भी दहशत फैला दिया है बहरहाल एसपी ने मौके का मुआयना किया और शवों को निकाल कर पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया दिया है और परिजनों को कार्रवाई का आश्वासन दिया।पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के लोहरौली गांव के बाहरी इलाके में स्थित एक खेत में काफी समय से मिट्टी खुदाई का काम चल रहा था जिससे वहां एक बड़ा और गहरा गड्ढा बन गया था हाल ही में हुई मूसलाधार बारिश के कारण यह गड्ढा पूरी तरह से पानी से लबालब भर गया था। बताया जा रहा है कि आज सुबह लगभग 8 से 12 साल की उम्र के ये तीनों बच्चे खेल-खेल में इस खेत की ओर आ गए खेलते-खेलते इस पानी से भरे गड्ढे के बेहद करीब पहुंच गए।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार संभवतः पानी की गहराई का सही अंदाजा न लगा पाने के कारण एक बच्चा पहले गड्ढे में गिरा और उसे बचाने की कोशिश में बाकी दो बच्चे भी एक के बाद एक उसी गड्ढे में समा गए देखते ही देखते तीनों मासूम पानी में डूब गए।जब तक गांव वालों को इसकी भनक लगी और वे मौके पर पहुंचे तब तक बहुत देर हो चुकी थी। बच्चों को डूबता देख वहां चीख-पुकार मच गई आनन-फानन में ग्रामीणों ने बच्चों को बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन गड्ढा इतना गहरा और पानी इतना भरा था कि उन्हें सफलता नहीं मिल पा रही थी।घटना की सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही बस्ती के पुलिस अधीक्षक खुद भारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू करने के निर्देश दिए। ग्रामीणों और पुलिस की संयुक्त मदद से काफी मशक्कत के बाद तीनों बच्चों के शवों को एक-एक कर गड्ढे से बाहर निकाला जा सका। यह दृश्य बेहद हृदयविदारक था जिन परिवारों के ये बच्चे थे उन पर मानो दुखों का पहाड़ टूट पड़ा परिजनों की चीख-पुकार से पूरा माहौल गमगीन हो गया। एक साथ तीन मासूमों की मौत की खबर सुनते ही पूरे लोहरौली गांव में मातम पसरा गया है गांव में चारों ओर सन्नाटा है और हर कोई इस अप्रत्याशित घटना से स्तब्ध है। गांव वालों का कहना है कि उन्होंने कभी सोचा भी नहीं था कि ऐसी भयावह त्रासदी उनके गांव में हो सकती है।

खबरे जरा हटके

कागजों में 8 साल की महिला के 3 बच्चे कैसे हुए?

उत्तर प्रदेश के ओरैया में जमीन हड़पने के लिए सरकारी कागजों में ऐसा खेल किया गया उसके मृतक पति की फर्जी दूसरी शादी करा दी गई।कमलेश ने बताया कि 2021 में उनके पति

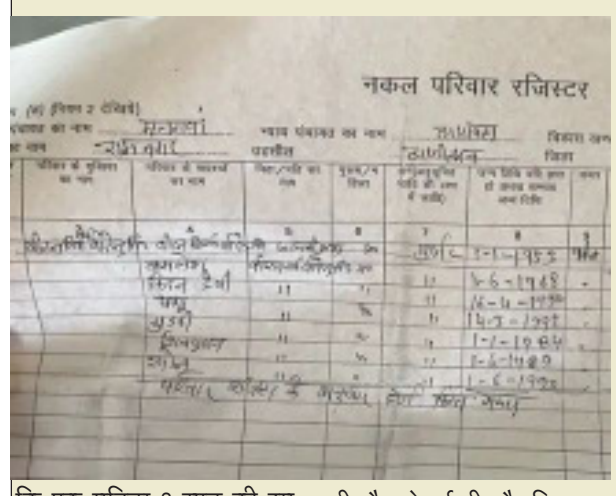

कि एक महिला 8 साल की उम्र में ही तीन बेटों की मां बन गई। यह मामला रामनगर गांव का है, जहां कमलेश नाम की एक विधवा महिला की जमीन हड़पने के लिए की मौत हो गई थी और फिर कुछ ही समय बाद बेटी की भी मौत हो गई। इसके बाद ससुराल वालों ने उन्हें घर से निकाल दिया, जिसके बाद से वो अब मायके में रह रही हैं। कागजों में 8 साल की 'गुड्डी' बनी 3 बच्चों की मां कमलेश का आरोप है कि उनके जेठ और परिवार के लोगों ने मिलकर मृतक पति की एक फर्जी पत्नी 'गुड्डी देवी' और उसके तीन बेटे- शिवपूजन, सोनू, पप्पू बना दिए। पंचायत सचिव की मिलीभगत से डेथ सर्टिफिकेट और फैमिली रजिस्टर में भी ये नाम चढ़ा दिए गए। सबसे चौंकाने वाली बात ये है कि रजिस्टर में 'गुड्डी देवी' की जन्मतिथि 1 जनवरी 1984 दिखाई गई है, और उसके बड़े बेटे की जन्मतिथि 1 जून 1989, दूसरे की 1 जून 1990 और तीसरे की 14 मई 1992 है। यानी, कागजों में 'गुड्डी' सिर्फ पांच साल की उम्र में मां बन गई और आठ साल की होने तक उसके तीन बच्चे हो गए। इस फर्जीवाड़े को लेकर कमलेश ने कुल 12 लोगों के खिलाफ शिकायत की है। ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर अजीतमल अतुल यादव ने बताया कि सीडीओ ने इस मामले में जांच के आदेश दिए हैं।

कुंभ के बाद क्यों गायब हुए यूपी के 161 पुलिसकर्मी?

उत्तर प्रदेश के कानपुर कमिश्नरेट से करीब 161 पुलिसकर्मी पिछले छह महीनों से इनके मोबाइल फोन भी बंद आ रहे हैं, जिससे उनकी लोकेशन का पता नहीं लग पा रहा है। इन

गायब चल रहे हैं। इस घटना के बाद से पुलिस विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस ने बताया कि गायब हुए ये पुलिसकर्मी न तो अपने एड्रेस पर मिल रहे और न ही अपने गांवों में। यहां तक कि पुलिसकर्मियों में कई कुंभ मेले में ड्यूटी के बाद से और कई 6 महीने से लापता हैं। कौन-कौन लापता है? 41 पुलिसकर्मी अलग-अलग ड्यूटी पर जाने के बाद से 'गुम' हैं। 39 पुलिस वाले विभागीय कार्रवाई के बाद से 'डिसलोकेट' हैं।34 पुलिसकर्मी छुट्टी लेने के बाद से गैरहाजिर हैं। 27 पुलिस वाले बीमारी की छुट्टी लेकर गए पर वापस नहीं लौटे।20 पुलिसकर्मी छह महीने बाद भी गैर जिले से वापस नहीं आए। दो नोटिस के बाद भी कोई जवाब नहीं, पुलिस प्रशासन की ओर से इन सभी लापता पुलिसकर्मियों को दो बार नोटिस भी भेजा जा चुका है, लेकिन अभी तक दूसरी तरफ से कोई जवाब नहीं मिला है। इस संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों ने यूपी पुलिस हेडक्वार्टर को भी सूचना दे दी है।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि बिना बताए लंबी छुट्टियों पर जाने वाले पुलिसकर्मी वापस आने पर अक्सर गंभीर बीमारी या किसी बड़े अधिकारी की चिट्ठी लेकर आते हैं, जिसके बाद उनकी नौकरी बहाल हो जाती है।

शख्स ने म्यूजियम में रखा 52 करोड़ का केला क्यों खाया?

फ्रांस के पॉम्पीडू-मेट्ज म्यूजियम में एक विजिटर ने एक आर्टवर्क है, जिसे मॉरीजियो कैटेलन ने बनाया

करीब 52 करोड़ का एक केला खा गया। यह केला था। इसका नाम है- कॉमेडियन, जिसे एक दीवार पर ग्रे कलर के टेप से चिपकाया गया था।विजिटर की हरकत के बाद म्यूजियम स्टाफ ने कुछ ही मिनटों में दीवार पर दूसरा केला लगा दिया। दरअसल इस केले को नियमानुसार रोज बदला जाता है। इस घटना पर आर्टिस्ट मॉरीजियो कैटेलन ने मजाकिया लहजे में कहा कि विजिटर ने सिर्फ केला खाया और उसका छिलका या टेप नहीं खाया।बता दें कि यह पहली बार नहीं है जब इस केले को खाया गया हो। 2019 में डेविड दाटुना और पिछले साल क्रिप्टो फाउंडर जस्टिन सन भी इसे खा चुके हैं।

नौजवानों को शादी के लिए चीन सरकार क्यों मोटिवेट कर रही?

चीन में घटती मैरिज रेट से नया तरीका खोजा है। अधिकारी

परेशान अधिकारियों ने अब कपल्स को शादी करवाने के लिए म्यूजिक फेस्टिवल्स में ही शादी का मंडप लगाकर 10 मिनट में शादी करा रहे हैं। इसके लिए मौके पर ही कपल्स से आईडी कार्ड और पासपोर्ट साइज फोटो लिए जाते हैं।दरअसल, चीन में पिछले कुछ सालों से शादी की दर तेजी से गिर रही है। पिछले साल 20.5फीसदी की बड़ी गिरावट हुई थी, जो 1978 के बाद सबसे ज्यादा है। युवाओं में बेरोजगारी, बढ़ती महंगाई और कल्चरल चेंज की वजह से ज्यादातर चीनी युवा अकेले रहना पसंद कर रहे हैं। इसके चलते कम बच्चे पैदा हो रहे हैं, जिससे आबादी घट रही है और सरकारी खजाने पर दबाव पड़ रहा है।

सुंदर दिखने के लिए महिला ने चुराए 20 करोड़, कैसे प्लानिंग की?

चीन में एक महिला कैशियर ने इस महिला ने बॉस को भरोसे में

कॉस्मेटिक सर्जरी और लग्जरी लाइफस्टाइल जीने के लिए अपनी कंपनी से ही रु20 करोड़ चुरा लिए। लेकर कंपनी के खाते को अपने कंट्रोल में लिया, फिर पैसे चुराए। पिछले 6 साल में 16 बार महंगी कॉस्मेटिक सर्जरी करवाई, जिस पर हर बार करीब रु36 लाख खर्च किए।इसके अलावा उसने हीरे के कंगन, मगरमच्छ की खाल से बने महंगे बैग, कसीनो में जुआ खेला और एंटी-एजिंग सेशन पर भी खूब खर्च किया। महिला का राज जुलाई 2024 में तब खुला, जब टैक्स अधिकारियों ने कंपनी का अचानक दौरा किया और खातों में बड़ी गड़बड़ी पाई। उस समय कंपनी के खाते पूरी तरह खाली थे। इसके बाद महिला ने एक्सेप्ट किया कि उसने लग्जरी लाइफस्टाइल जीने के लिए चोरी की।

ब्रेस्ट मिल्क से रोजाना रु66 हजार कमा रही महिला

अमेरिका की कीरा विलियम्स मां

बनने के बाद अपना एक्स्ट्रा ब्रेस्ट मिल्क बेचकर हर रोज करीब रु66,000 कमा रही हैं। उन्होंने फेसबुक पर अब तक 100 लीटर से ज्यादा दूध बेचा है। उनके ग्राहकों में वे माएं शामिल हैं, जिन्हें अपने बच्चे के लिए दूध नहीं बनता।लेकिन सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जिम जाने वाले बॉडी बिल्डर और पहलवान भी उनके ग्राहक हैं। ये लोग ब्रेस्ट मिल्क को 'नेचुरल प्रोटीन शेक' मानकर पीते हैं और इसके लिए सामान्य से ज्यादा पैसे भी देते हैं।कैसे शुरू हुआ ये ट्रेंड और क्यों बढ़ी मांग? डॉक्टर्स के मुताबिक, नवजात बच्चों को 6 महीने तक सिर्फ मां का दूध ही पिलाना चाहिए, लेकिन कई महिलाओं को ज्यादा दूध बनता है, जिसे उन्हें निकालना पड़ता है। पहले यह दूध बेकार जाता था, लेकिन अब विदेश में कई महिलाएं इसे बेचकर पैसा कमा रही हैं। ब्रेस्ट मिल्क को हमेशा से पोषक तत्वों से भरपूर माना गया है,

राजा रघुवंशी मर्डर केस पर आमिर फिल्म नहीं बना रहे,ऐसी खबरों में कोई सच्चाई नहीं है

मुंबई। पिछले 24 घंटे में कुछ खबरों में यह दावा किया जा रहा

है कि राजा रघुवंशी मर्डर केस पर आमिर खान फिल्म की प्लानिंग कर रहे हैं। हालांकि, यह खबर पूरी तरह से गलत है। ऐसी खबरों पर रिएक्शन देते हुए आमिर खान ने बॉलीवुड हंगामा से कहा, 'इसमें बिल्कुल भी सच्चाई नहीं है।' आमिर ने आगे यह भी कहा, 'मुझे समझ नहीं आता कि ऐसी कहानियां (अफवाहें) कहां से शुरू होती हैं।' बता दें कि 23 मई 2025 को इंदौर के राजा और सोनम रघुवंशी हनीमून पर मेघालय में लापता हो गए। जिसके बाद 2 जून को राजा का शव मिला। बाद में सोनम को मर्डर की साजिश रचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने जांच के लिए एसआईटी बनाई है। मामले में जांच जारी है। आमिर के वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में उनकी फिल्म 'सितारे जमीन पर' रिलीज हुई, जो बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है।वहीं, जल्द ही आमिर सुपरस्टार रजनीकांत के साथ फिल्म 'कुली' में स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। जिसके बारे में आमिर ने बताया, 'मैं लोकेश कनगराज की एक तमिल एक्शन थ्रिलर फिल्म में कैमियो कर रहा हूं।'आमिर ने आगे कहा, 'अपने रोल के बारे में ज्यादा तो नहीं कह सकता, लेकिन मैं एक अहम मोड़ पर कहानी में आता हूं।' लोकेश कनगराज के निर्देशन में बनी यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है। इस फिल्म में रजनीकांत के अलावा नागार्जुन, श्रुति हासन और उपेंद्र जैसे कलाकार भी हैं। फिल्म का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर ने दिया है।

'वॉर 2' का ट्रेलर 25 जुलाई को रिलीज होगा,25 नंबर का ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर के करियर से है खास कनेक्शन

मुंबई। यशराज फिल्म्स की चर्चित एक्शन फिल्म वॉर 2 (वाईआरएफ) ने ट्रेलर लॉन्च की घोषणा करते हुए एक पोस्ट

जल्द ही सिनेमाघरों में आने वाली है। इस फिल्म में पहली बार बॉलीवुड स्टार ऋतिक रोशन और साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर एक साथ नजर आएंगे। इस साल ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर, दोनों ही अपने फिल्मी करियर के 25 साल पूरे कर रहे हैं और इसी के चलते 'वॉर 2' में 25 नंबर को खास अहमियत दी गई है। आज यशराज फिल्म्स शेयर किया, जिसमें लिखा है- '2025 में भारतीय सिनेमा के दो बड़े सितारे अपने शानदार करियर के 25 साल पूरे कर रहे हैं। इस खास मौके को सेलिब्रेट करने के लिए वाईआरएफ ने 25 जुलाई को 'वॉर 2' का ट्रेलर लॉन्च करने का फैसला किया है! तैयार हो जाइए टाइटन्स की जबरदस्त टक्कर के लिए! अपने कैलेंडर में तारीख नोट कर लीजिए।' फिल्म 14 अगस्त 2025 को हिंदी, तेलुगु और तमिल में रिलीज होगी। इसमें कियारा आडवाणी, आशुतोष राणा और अनिल कपूर भी अहम रोल में होंगे। 'वॉर' सीरीज की पहली फिल्म अक्टूबर 2019 में आई थी जिसमें ऋतिक रोशन, टाइगर श्रॉफ, वाणी कपूर, आशुतोष राणा और अनुप्रिया गोयनका थे। वॉर' का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद ने किया था। इस एक्शन फिल्म में एक रॉ एजेंट को अपने ही मेंटर को रोकना था। यह फिल्म बड़ी हिट साबित हुई थी।

अमीषा पटेल ने अहान-अनीत को शुभकामनाएं दी,कहा- आगे भी गदर मचाते रहो,'सैयारा' और 'कहो ना,प्यार है' की तुलना पर रिएक्ट किया

मुंबई। फिल्म 'सैयारा' इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर छाई हुई है।

अहान पांडे और अनीत पड्डा की जोड़ी लोगों को पसंद आ रही है। वहीं, फिल्म की तुलना साल 2000 में रिलीज हुई सुपरहिट फिल्म 'कहो ना... प्यार है' से भी की जा रही है। इस पर अब एक्ट्रेस अमीषा पटेल का रिएक्शन सामने आया है।फिल्म को लेकर अमीषा पटेल ने एक्स पर लिखा- 'सैयारा के कपल अहान और अनीत को ढेर सारी शुभकामनाएं! आगे की फिल्मों में भी ऐसे ही बॉक्स ऑफिस पर गदर मचाते रहो! कहो नाष्ठ प्यार है हमेशा चमकता रहे और फिल्मों की दुनिया में आपका स्वागत है।' वहीं, इससे पहले सोमवार को जब अमीषा से 'सैयारा' की तुलना कहो ना... प्यार है से होने पर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा था कि सबसे पहले तो मैं इन दोनों नए कलाकारों को बहुत शुभकामनाएं देना चाहती हूं। उम्मीद है कि ये बॉक्स ऑफिस पर 'गदर' मचाएं, लेकिन ईमानदारी से कहूं तो मैंने अभी तक ये फिल्म नहीं देखी है। मेरे किसी दोस्त ने भी नहीं देखी है। इसलिए फिल्म पर कमेंट करना सही नहीं होगा। अमीषा ने आगे कहा था कि लेकिन हां, मैंने भी ये तुलना देखी है। सिर्फ अब नहीं, बल्कि रिलीज से पहले से ही सोशल मीडिया और पीआर टीम्स इसकी तुलना कहो ना... प्यार है से कर रही थीं।अमीषा ने यह भी कहा था कि जब ऋतिक और मैंने डेब्यू किया था, हम एक रात में इंटरनेशनल क्रश बन गए थे। हम सेंसेशन बन गए थे और हमारी किसी से तुलना नहीं हुई थी। अब 25 साल बाद अगर किसी डेब्यू लव स्टोरी की तुलना कहो नाष्ठ प्यार है से हो रही है, तो यह साबित करता है कि हमारी फिल्म आज भी एक बेंचमार्क मानी जाती है।अहान पांडे और अनीत पड्डा को लेकर अमीषा ने कहा था कि मैं बहुत आभारी हूं कि हमारी फिल्म आज भी एक बेंचमार्क है। मैं नए कलाकारों को फिर से शुभकामनाएं देती हूं और चाहती हूं कि ये नया कपल आगे भी गदर मचाता रहे। 25 साल लगे, लेकिन आखिरकार किसी की डेब्यू फिल्म की तुलना हमारी कल्ट फिल्म से हो रही है।

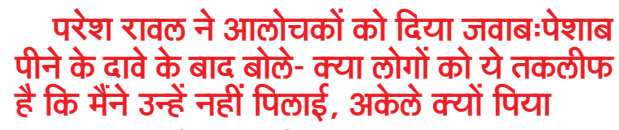

शूटिंग के दौरान गिरने से बचीं त्रिधा चौधरी,'सो लॉन्ग वैली' में कॉप के किरदार में नजर आएंगी, एक्ट्रेस बोलीं- मौका मिला तो डायरेक्शन करूंगा

मुंबई। लोकप्रिय वेब सीरीज 'आश्रम' में अपने अभिनय से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाने वाली एक्ट्रेस त्रिधा चौधरी की फिल्म 'सो लॉन्ग वैली' 25 जुलाई को रिलीज होने जा रही है। हाल त्रिधा और फिल्म के निर्माता-निर्देशक और एक्टर मान सिंह ने दैनिक भास्कर से बातचीत की। शूटिंग के दौरान का एक किस्सा शेयर करते हुए त्रिधा ने बताया कि वे गिरने से बची थीं। वहीं मान सिंह ने कहा कि बहुत अभाव और कम संसाधन फिल्म बनाई है। इसके पीछे पूरी यूनिट और फिल्म के कलाकारों ने बहुत सपोर्ट किया। फिल्म के बारे में त्रिधा और मान सिंह ने और क्या कहा, सवाल- त्रिधा चौधरी को फिल्म में लेने का ख्याल कैसे आया? जवाब/ मान सिंह- इस फिल्म का कनेक्शन रियल लाइफ के बहुत करीब है। जब फिल्म की स्क्रिप्ट पूरी हो गई तब फिल्म के कास्टिंग डायरेक्टर ने त्रिधा चौधरी को कास्ट करने का सुझाव दिया। मैं त्रिधा की नेचुरल एक्टिंग से बहुत इंस्पायर हूं। जब एक कॉप नेचुरल एक्टिंग करता है तो परदे पर उसका एक अलग ही फील आता है। त्रिधा ने फिल्म में अपने किरदार को जिस तरह से जीवंत किया है। मुझे लगता है कि इस किरदार के लिए उनसे बेहतर और कोई नहीं हो सकता था।सवाल- त्रिधा, आपने कई तरह के अलग-अलग चैलेंजिंग किरदार निभाए हैं। कभी टाइपकास्ट नहीं हुईं, इस बार आप कॉप के किरदार में नजर आएंगी। क्या प्रोसेस था? जवाब/ त्रिधा चौधरी- सबसे अच्छा प्रोसेस प्रोजेक्ट का चयन करना होता है। उसके बाद सोचती हूं कि फिल्म में जिस तरह का किरदार है। क्या उसके साथ न्याय कर पाऊंगी? इसमें हिमाचली कॉप की भूमिका निभा रही हूं। यह एक अलग तरह का किरदार है। मैंने इसे चैलेंज की तरह लिया।सवाल- रियल लाइफ में आप काफी अलग हैं। आपके किरदार में एक गंभीरता और ठहराव दिखाता है। वह कैसे लेकर आती हैं? जवाब/त्रिधा चौधरी- एक इंसान के जीवन में नवरस बहुत ही महत्वपूर्ण होता है। यही चीज किरदार में भी होता है। बाकी फिल्म के डायरेक्टर गाइड करते हैं कि किरदार में और कैसे निखार लाना है। हालांकि पहले थोड़ी नर्वस थी, लेकिन टीम ऐसी मिली कि सब कुछ सहज हो गया। सवाल- मान, आपने फिल्म में एक्टिंग भी की है। किस तरह का अनुभव था? जवाब/मान सिंह- इसमें थोड़ा अड़ियल किस्म के कॉप की भूमिका निभा रही हूं। बहुत ही मजेदार अनुभव रहा है। मैंने मनाली में देखा है कि पुलिस ऑफिसर दिखने में तो बहुत क्यूट होते हैं, लेकिन क्रिमिनल से बहुत सख्ती से पेश आते हैं। मैंने उन्हें देखा, ऑब्जर्व किया और किरदार में उतारने की कोशिश की। सवाल- आज की तारीख में फिल्म बनाकर थिएटर तक पहुंचना आसान नहीं होता है। आप ने यह कैसे कर लिया? जवाब/मान सिंह- जब किसी प्रोसेस को जीना शुरू कर देते हैं तब अच्छे लोग जुड़ने लगते हैं। इस फिल्म की जर्नी भी वैसी ही है। सोचा, लिखा फिर शूटिंग की। अच्छे लोग जुड़ते गए और यह फिल्म थिएटर में रिलीज हो रही है। सवाल- त्रिधा, आपने इस तरह के लेडीज सिंघम को असल जीवन में बहुत देखे होंगे, आप का किरदार किसी से इंस्पायर है?जवाब/त्रिधा चौधरी- मैंने इस किरदार को एक पुलिस ऑफिसर की नजरिए से नहीं, बल्कि एक औरत के नजरिए से भी देखा। मुझे लगता है कि औरत में बहुत ताकत होती है। ऐसी बहुत सारी औरतें हैं, जिनको देख कर बढ़ी हुई हूं। वहीं से इंस्पायर हूं।सवाल- शूटिंग के दौरान किस तरह की चुनौतियां आईं? जवाब/मान सिंह- इस फिल्म की पूरी शूटिंग मनाली के वास्तविक लोकेशन पर हुई है। उस समय माइनस सेवन तापमान था। थोड़ी बहुत मुश्किलें आईं, लेकिन सभी ने बहुत मेहनत से काम किया। सवाल- इस फिल्म की यूएसपी क्या है, फिल्म का ट्रेलर देखने के बाद लोगों की किस तरह की प्रतिक्रियाएं मिलीं?

जवाब/मान सिंह- इस फिल्म से लोग कनेक्ट हो, इस बात का हमने बहुत ख्याल रखा है। क्राइम-थ्रिलर हमारे समाज के बीच की चीज है। कैब ड्राइवर और पैसेंजर के बीच काफी हादसे सुनने को मिलते हैं। इस तरह की तमाम चीजें इस फिल्म में देखने को मिलेगी। सवाल- शूटिंग के दौरान की कोई यादगार क्षण जिसे आप लोग शेयर करना चाहें? जवाब/त्रिधा चौधरी- क्लाइमेक्स की शूटिंग हमने जंगल में किया था। जब हम किरदार निभाते हैं तो आस पास की चीजों पर ध्यान नहीं रहता है। मैं अचानक वहां गिरने वाली थी, लेकिन बच गई। वह सीन भी इस फिल्म का एक हिस्सा है। मान सिंह- जंगल में लगातार 6 घंटे शूटिंग कर रहे थे। उस दौरान त्रिधा कुर्सी पर नहीं बैठीं। जब कलाकार अपने किरदार को जीते हैं तब उनके अंदर एक अलग तरह की एनर्जी होती है। उन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि किस माहौल में शूटिंग कर रहे हैं। इसमें सारे एक्शन और फाइट सीक्वेंस रियल लगेंगे। सवाल- मान, आपने छोटे से शहर से आकर बड़ी खूबसूरत फिल्म बनाई है। आगे का एंबीशन किया है? जवाब/मान सिंह- बस जर्नी अच्छे से चलती रहे और अच्छी फिल्में बनाते रहें। रही बात इस फिल्म की तो हमने इसे बहुत लगन और समर्पण के साथ बनाया है। सवाल- उतार चढ़ाव से किस तरह से पार पाते हैं? जवाब/मान सिंह- जब लगता है कि किसी दिन स्ट्रगल ज्यादा हो गया तब आराम करता हूं। अगले दिन नई ऊर्जा और सोच के साथ काम पर लग जाता हूं। मेरा मानना है कि बिना छुट्टी लिए काम पर लगे रहें, रास्ते अपने आप बनते जाएंगे। सवाल- आप एक्टिंग करने आए थे, डायरेक्शन कहां से सीखे? जवाब/मान सिंह- जब मैं सत्यदेव दुबे जी के मार्गदर्शन में थिएटर में परफॉर्म कर रहा था। तब मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला। थिएटर में एक्टिंग के अलावा भी हर काम करना पड़ता है। अमरीश पुरी साहब एक नाटक 'डेढ़ इंच ऊपर' कर रहे थे। मैं बैक स्टेज था। उनको परफॉर्म करते देख बहुत कुछ सीखने को मिला। एक दिन अचानक एक सेट पर चला गया वहां सेकेंड यूनिट का डायरेक्टर नहीं आया था। वहां मुझे डायरेक्ट करने का पहली बार मौका मिला। मुझे ऐसा लगा कि आगे मैं डायरेक्ट कर सकता हूं। इससे पहले कुछ शॉर्ट फिल्में डायरेक्ट की थी।सवाल- त्रिधा कभी आपने डायरेक्शन के बारे में सोचा है? जवाब/त्रिधा चौधरी- क्रिएटिव फील्ड में जो भी होता है उसे सबको सीखनी चाहिए। मैंने किसी से पूछा था कि कोई लेडीज सिनेमैटोग्राफर क्यों नहीं होती है? इसके बहुत सारे कारण हो सकते हैं। इसका मतलब यह नहीं कि मैं सिनेमैटोग्राफर बनना चाहती हूं। रही बात डायरेक्शन का तो अगर मौका मिले तो मजा आ जाए, लेकिन जरूरी नहीं कि वह फिल्म ही हो।

श्रेयस तलपड़े की गिरफ्तारी पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक,धोखाधड़ी मामले में एक्टर को मिली राहत, 50 लाख लोगों की ठगी से जुड़ा है मामला

मुंबई। 'गोलमाल' एक्टर श्रेयस तलपड़े को एक मल्टी मार्केटिंग फर्म से जुड़े धोखाधड़ी मामले में राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक सोसाइटी के खिलाफ

चीटिंग और विश्वासघात मामले में एक्टर को गिरफ्तारी से संरक्षण दिया हैं। एक्टर का नाम उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और हरियाणा में दर्ज एफआईआर में शामिल है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने एक्टर की ओर से दायर याचिका पर हरियाणा पुलिस और अन्य को नोटिस जारी किया। कोर्ट ने राज्यों को भी नोटिस जारी किया और उन्हें जवाबी हलफनामा दायर कर यह बताने का निर्देश दिया कि श्रेयस का नाम एफआईआर में क्यों जोड़ा गया।बता दें कि ह्यूमन वेलफेयर क्रेडिट एंड थ्रिफ्ट को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड के फाइनेंशियल कौलेपस के कई मामलों में नाम आने के बाद श्रेयस ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। एक्टर ने सभी एफआईआर को एक साथ जोड़ने और जांच को लखनऊ स्थानांतरित करने की मांग की। यह सोसाइटी व्यापक सागा समूह का हिस्सा है, जिस पर कई इंवेस्टर्स के साथ धोखाधड़ी करने का आरोप है। अलग-अलग राज्यों में दर्ज एफआईआर में धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और छद्मवेश के अपराध शामिल हैं। चीटिंग से जुड़ा ये पूरा मामला क्या है कि 16 सितंबर 2016 को ह्यूमन वेलफेयर क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी ने हरियाणा और लखनऊ समेत कई राज्यों में काम करना शुरू किया। यह संस्था मल्टी-स्टेट कोऑपरेटिव सोसाइटी एक्ट के तहत काम करती थी और मध्य प्रदेश के इंदौर में रजिस्टर्ड थी। संस्था ने इन्वेस्टर्स को बेहतरीन ब्याज दरों का लालच दिया गया। इन्वेस्टर्स को आरडी और एफडी योजनाओं में इन्वेस्ट करने का ऑफर दिया।श्रेयस तलपड़े और आलोक नाथ के खिलाफ यूपी के लखनऊ में धोखाधड़ी का मामला दर्ज हुआ था। गोमती नगर थाने में दर्ज एफआईआर में दोनों के अलावा 5 और लोगों के नाम हैं। आरोप है कि इन सभी ने क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी के 45 इन्वेस्टर्स से 9.12 करोड़ रुपए की ठगी है। आरोप है कि इन सभी ने पीड़ितों को 6 साल में पैसा डबल करने का ऑफर दिया था। वहीं पीड़ित अनीस अहमद ने एक्टर्स के अलावा कंपनी के कोर टीम मेंबर डॉ. उत्तम सिंह राजपूत, प्रबंधक समीर अग्रवाल समेत कुल 7 लोगों के खिलाफ बीएनएस धारा 409 और 420 के तहत मुकदमा दर्ज कराया है। फिलहाल पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

परेश रावल ने आलोचकों को दिया जवाबःपेशाब पीने के दावे के बाद बोले- क्या लोगों को ये तकलीफ है कि मैंने उन्हें नहीं पिलाई, अकेले क्यों पिया

मुंबई। हेरा फेरी 3 कंट्रोवर्सी

से पहले परेश रावल अपने उस बयान से विवादों में घिर गए थे, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि वो बीयर की तरह पेशाब पीते थे। उनका बयान सामने आने के बाद कई लोगों ने जमकर उनकी आलोचना की थी। अब परेश रावल ने आलोचकों पर रिएक्शन दिया है। विवादों के बाद परेश रावल ने बॉलीवुड हंगामा को दिए एक टेलिफोनिक इंटरव्यू में पेशाब के दावे पर आलोचना होने पर कहा था, 'मैंने उन्हें तो नहीं पिलाई ना। या फिर उन्हें इस बात की तकलीफ है क्योंकि मैंने उन्हें ऑफर नहीं किया। क्या उन्हें ये लग रहा है कि यार ये अकेले पी गए हमको नहीं दिया।' आगे परेश रावन ने सफाई में कहा, 'ये मेरी जिंदगी का एक इंसीडेंट है, जो 40 साल पहले हुआ था। वो मैंने बोल दिया, उसमें क्या हो गया। लोगों को राई का पहाड़ बनाने में मजा आता है। करने दो उनको मजा।क्या था परेश रावल का पेशाब पीने का दावा? कुछ समय पहले ही द लल्लनटॉप को दिए इंटरव्यू में परेश रावल ने पेशाब पीने से जुड़ा एक किस्सा शेयर किया। उन्होंने कहा था- 'राजकुमार संतोषी की फिल्म 'घातक' की शूटिंग के दौरान मुझे घुटने में चोट लगी थी। नानावटी अस्पताल में इलाज चल रहा था। उसी दौरान वीरू देवगन (अजय देवगन के पिता) भी अस्पताल में किसी से मिलने आए थे। जब उनको मेरे बारे में पता चला तो मेरे पास आकर पूछे कि क्या हुआ है?' 'मैंने उन्हें अपने पैर की चोट के बारे में बताया। उन्होंने मुझे सुबह उठकर सबसे पहले अपना पेशाब पीने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि सभी फाइटर ऐसा करते हैं। आपको कभी कोई परेशानी नहीं होगी। उन्होंने मुझे शराब पीने, मटन या तंबाकू का सेवन न करने को कहा, जो मैंने बंद कर दिया था।' फिर मैंने बीयर की तरह सिप-सिप करके सुबह अपना पहला यूरिन पिया। इससे फायदा हुआ। 15 दिनों तक ऐसा करने के बाद जब एक्स-रे रिपोर्ट आई तो डॉक्टर भी हैरान रह गए। डॉक्टर ने एक्स-रे में एक सफेद लाइनिंग देखी, जो यह दिखाती है कि यह ठीक हो गई है। जबकि चोट ठीक होने में आमतौर पर दो से ढाई महीने लगते हैं।'

हॉस्पिटल से डिस्चार्ज हुए राकेश रोशन,दिमाग में खून पहुंचाने वाली नसों में था 75फीसदी ब्लॉकेज, बोले- नजरअंदाज करने पर ये खतरनाक साबित हो सकता था

मुंबई। 16 जुलाई को राकेश रोशन की मुंबई के कोकिलाबेन धीरू भाई अंबानी हॉस्पिटल में इमरजेंसी एंजियोप्लास्टी हुई है। एक्टर, प्रोड्यूसर और डायरेक्टर राकेश रोशन अब स्वस्थ हैं और हॉस्पिटल से डिस्चार्ज हो चुके हैं। हाल ही में उन्होंने इमरजेंसी मेडिकल कंडीशन पर अपडेट दिया है। उन्होंने बताया है कि वो रूटीन चेकअप के लिए गए थे, लेकिन डॉक्टर की सलाह पर जब उन्होंने सोनोग्राफी करवाई तो पता चला कि दिमाग में खून पहुंचाने वालीं दोनों आर्टरी में काफी ब्लॉकेज है। राकेश रोशन ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम से अस्पताल से तस्वीरें शेयर कर लिखा है, 'ये हफ्ता मेरे लिए वाकई आंखें खोल देने वाला रहा। एक सामान्य फुल बॉडी हेल्थ चेकअप के दौरान, जब डॉक्टर हृदय की सोनोग्राफी कर रहे थे, तो उन्होंने सुझाव दिया कि गर्दन की भी सोनोग्राफी करवा लेनी चाहिए। संयोग से हमें पता चला कि भले ही कोई लक्षण नहीं थे, लेकिन मेरे दोनों कैरोटिड आर्टरी (जो मस्तिष्क को रक्त पहुंचाती हैं) 75फीसदी से अधिक तक ब्लॉक हो चुकी थीं। अगर इसे नजरअंदाज कर दिया जाता, तो यह बेहद खतरनाक साबित हो सकता

था।'आगे राकेश रोशन ने लिखा, 'मैंने तुरंत खुद को अस्पताल में भर्ती कराया और जरूरी प्रिवेंटिव प्रोसीजर करवा लिए। अब मैं पूरी तरह स्वस्थ होकर घर लौट आया हूं और बहुत जल्द फिर से अपने वर्कआउट्स शुरू करने की उम्मीद करता हूं। मैं आशा करता हूं कि यह अनुभव दूसरों को भी अपने स्वास्थ्य को गंभीरता से लेने के लिए प्रेरित करेगा, खासतौर पर हृदय और मस्तिष्क से जुड़ी जांच के मामलों में। हार्ट सीटी स्कैन और कैरोटिड ब्रेन आर्टरी सोनोग्राफी (जिसे अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है) हर व्यक्ति को 45-50 वर्ष की उम्र के बाद जरूर करवानी चाहिए।'बताते चलें कि राकेश रोशन कृष 4 डायरेक्ट कर रहे थे, हालांकि लगातार हेल्थ बिगड़ी रहने के चलते उन्होंने फिल्म के डायरेक्शन से हटने का फैसला किया है। अब उनकी जगह बेटे ऋतिक रोशन इस फिल्म का निर्देशन कर डायरेक्टोरियल डेब्यू करने वाले हैं। इसकी घोषणा करते हुए राकेश रोशन ने लिखा था, '25 साल पहले मैंने तुम्हें एक एक्टर के तौर पर लॉन्च किया था और आज 25 साल बाद मैं तुम्हें एक निर्देशक के रूप में लॉन्च करने जा रहा हूं। पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक, राकेश रोशन ने कहा, 'मैं कृष 4 के निर्देशन की कमान अपने बेटे ऋतिक रोशन को सौंप रहा हूं, जिन्होंने इस फ्रेंचाइजी की शुरुआत से ही मेरे साथ इसे जीया है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज से प्रकाशित ।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।